{ विश्वास वही रफ्तार नई }

बालाघाट
सोमवार 20 जुलाई 2026
आषाढ शुक्ल 06 विक्रम सम्वत 2083
वर्ष 16, अंक 296
पृष्ठ 12
मूल्य ₹ 7.00

पद्मेश मीडिया समूह का प्रकाशन

बालाघाट एक्सप्रेस

हिन्दी दैनिक

/padmeshmedia /padmeshmedia epaper.balaghatexpress.in E-mail: balaghatexpress@gmail.com

संसद का मानसून सत्र आज से...सर्वदलीय बैठक से पहले विपक्ष ने दिखाई ताकत

टीएमसी के 20 सांसदों को बैठक में बुलाने का विरोध करते हुए किया वॉकआउट...केंद्र सरकार को घेरने के लिए विपक्ष एकजुटता के साथ तैयार...चढ़ावा चोरी, पेपर लीक, ई20 पर बवाल तय!

नई दिल्ली। एजेंसी।

संसद का मॉनसून सत्र सोमवार को हंगामेदार तरीके से शुरू होने वाला है। विपक्ष परीक्षा पेपर लीक, एक्टिविस्ट सोनम वांगचुक के विरोध प्रदर्शन, अयोध्या में राम मंदिर में कथित दान की चोरी, पेट्रोल में इथेनॉल मिलाने और विदेश नीति जैसे मुद्दों पर सरकार को घेरने की कोशिश कर रहा है। यह सत्र ऐसे समय में हो रहा है जब अप्रैल में संसद के दोनों सदनों की पिछली बैठक के बाद से विपक्ष का ही रूप बदल गया है। चार विपक्षी पार्टियों के करीब 37 सांसदों ने भाजपा की अगुवाई वाली एनडीए का साथ दिया है। इससे सरकार को संख्या बढ़ाने में मदद मिल सकती है क्योंकि वह महिला आरक्षण एक्ट को लागू करने और संसद और राज्य विधानसभाओं की ताकत बढ़ाने के लिए एक कानूनी पैकेज फिर से पेश करना चाहती है। अप्रैल में लोकसभा टेस्ट में इसकी कोशिशें फेल हो गई थीं। इसके बाद विपक्षी पार्टियों में हुई फूट ने एनडीए गठबंधन की संख्या बढ़ा दी है, लेकिन विपक्षी खेमे में कड़वाहट और मनमुटाव की भावना को बढ़ा दिया है। संसद के मानसून सत्र की शुरुआत से एक दिन पहले रविवार को बुलाई गई सर्वदलीय बैठक राजनीतिक टकराव की भेंट चढ़ गई। बैठक में उस समय विवाद खड़ा हो गया जब तृणमूल कांग्रेस (टीएमसी) से अलग हुए 20 बागी सांसदों के नए गुट के प्रतिनिधियों को भी आमंत्रित किया गया। इसे लेकर कांग्रेस, टीएमसी, समाजवादी पार्टी, डीएमके, शिवसेना (यूबीटी), आम आदमी पार्टी, लेफ्ट समेत अधिकांश विपक्षी दलों ने विरोध जताते हुए बैठक से वॉकआउट कर दिया। हालांकि कुछ देर बाद सभी दल दोबारा बैठक में शामिल हो गए। बैठक की अध्यक्षता रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने की। इसमें करीब 40 राजनीतिक दलों के प्रतिनिधियों ने हिस्सा लिया।

बागी सांसदों को बुलाए जाने से नाराज विपक्ष

हालांकि सरकार के सूत्रों ने कहा कि संसद में तेजी से बदलते हालात को देखते हुए बिल पेश करने से पहले उसे वेट-एंड-वॉच अप्रोच अपनाना होगा। रविवार को विपक्ष ने सर्वदलीय बैठक से वॉकआउट कर दिया क्योंकि सरकार ने तृणमूल कांग्रेस के बागी गुट को बुलाया था, जिसका नेशनलिस्ट सिटिज़न्स पार्टी ऑफ़ इंडिया नाम के एक राजनीतिक दल में विलय हो गया है। डीएमके और आम आदमी पार्टी इंडिया गठबंधन की बैठक में शामिल नहीं हो रही हैं। सर्वदलीय बैठक में हुए इस विवाद ने साफ संकेत दे दिए हैं कि सोमवार से शुरू हो रहा संसद का मानसून सत्र हंगामेदार रहने वाला है। विपक्ष जहां टीएमसी के बागी सांसदों के मुद्दे, अयोध्या, मणिपुर, किसानों और अन्य राष्ट्रीय विषयों पर सरकार को घेरने की तैयारी में है, वहीं सरकार विधायी एजेंडे को आगे बढ़ाने और सदन को सुचारु रूप से चलाने पर जोर दे रही है। ऐसे में सत्र की शुरुआत से पहले ही राजनीतिक माहौल पूरी तरह गर्म हो चुका है और आने वाले दिनों में संसद के भीतर तीखी नोकझोंक देखने को मिल सकती है।

सुर्खियों में राम मंदिर में कथित चोरी का मामला

विपक्ष राम मंदिर में कथित चोरी का मामला भी उठाने की योजना बना रहा है। उसे उम्मीद है कि इसका भाजपा के बड़े हिंदुत्व वोटर पर असर पड़ेगा। शनिवार को, राहुल गांधी और राज्यसभा में विपक्ष के नेता मल्लिकार्जुन खडगे ने राम मंदिर विवाद पर पीएम मोदी को एक संयुक्त पत्र लिखा, जिसमें उन्हें याद दिलाया गया कि उन्होंने संसद में श्री राम जन्मभूमि तीर्थ क्षेत्र ट्रस्ट बनाने का अनाउंसमेंट किया था और इसके सदस्य आरएसएस और विश्व हिंदू परिषद से जुड़े माने जाते हैं। पत्र में कहा गया कि ऐसे क्राइम के सामने अब आपकी चुप्पी मंजूर नहीं है। दोनों नेताओं ने ट्रस्ट के आर्थिक मामलों की इंडिपेंडेंट जांच और नतीजों को पब्लिक करने की मांग की। जहां विपक्ष अपनी कम होती संख्या के बावजूद सरकार को बैकफुट पर लाने की कोशिश करेगा, वहीं सरकार विपक्षी दलों में फूट का फायदा उठाएगी, जिससे मॉनसून सत्र में हंगामा होने की उम्मीद है।

आज संसद मार्च...देशभर से पहुंच रहे युवा

दिल्ली के जंतर-मंतर पर सोनम वांगचुक की भूख हड़ताल को तोड़ने की कोशिश और कॉकरोच जनता पार्टी के बुलाए गए सोमवार को संसद तक प्रस्तावित मार्च ने भी सदन की कार्यवाही शुरू होने से पहले ही माहौल को और गरमा दिया है। लोकसभा में विपक्ष के नेता राहुल गांधी ने इस कदम की आलोचना की है। कुछ दिनों पहले कांग्रेस पार्लियामेंट्री पार्टी की चेयरपर्सन सोनिया गांधी ने पार्टी नेताओं से सोनम वांगचुक के लिए बोलने की अपील की थी जो केंद्रीय शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान के इस्तीफे की मांग को लेकर भूख हड़ताल पर है। उधर, संसद मार्च में शामिल होने के लिए देशभर से युवा दिल्ली पहुंच रहे हैं। इस बीच सोनम वांगचुक ने सफदरजंग अस्पताल से जारी अपने हस्तलिखित संदेश में 20 जुलाई को होने वाले संसद मार्च को दूसरा स्वतंत्रता आंदोलन करार दिया? उन्होंने छात्रों और नागरिकों से बड़ी संख्या में पहुंचने की अपील की,ताकि भय और अन्याय (जैसे प्रश्नपत्र लीक और उनकी कथित अवैध हिरासत) से मुक्ति पाई जा सके।

खास खबर

नागपुर में युवाओं का उग्र प्रदर्शन, शिक्षा मंत्री के इस्तीफे की मांग

नागपुर ।महाराष्ट्र के नागपुर में रविवार को बड़ी संख्या में छात्र-छात्राओं और युवाओं ने प्रदर्शन किया। केंद्रीय शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान के इस्तीफे की मांग को लेकर यह प्रदर्शन था । प्रदर्शनकारियों ने आरोप लगाया, परीक्षा प्रणाली में लगातार हो रही अनियमितताओं, पेपर लीक और छात्रों की समस्याओं के लिए जवाबदेही तय की जानी चाहिए। आंदोलन के दौरान युवाओं ने हाथों में तख्तियां लेकर भारी नारेबाजी की. शिक्षा व्यवस्था में सुधार की मांग उठाई। प्रदर्शन में विभिन्न छात्र संगठनों, सामाजिक कार्यकर्ताओं और युवाओं ने हजारों की संख्या में भाग लिया। आंदोलन शांतिपूर्ण रहा, प्रदर्शनकारी काफी उत्तेजित थे। कानून-व्यवस्था बनाए रखने के लिए बड़ी संख्या में पुलिस बल तैनात किया गया था । आयोजकों ने कहा कि जब तक परीक्षा प्रणाली में पारदर्शिता सुनिश्चित नहीं होती। केंद्रीय शिक्षा मंत्री का इस्तीफा नहीं होता है। गड़बड़ी करने वालों की जिम्मेदारी तय नहीं की जाती है।तब तक उनका आंदोलन जारी रहेगा। उल्लेखनीय है, नागपुर में इससे पहले भी इसी मुद्दे पर बड़े स्तर के कई प्रदर्शन हो चुके हैं। केंद्र सरकार या शिक्षा मंत्रालय की ओर से इन प्रदर्शन पर कोई आधिकारिक प्रतिक्रिया सामने नहीं आई है। नागपुर मे राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ का मुख्यालय है। संविधान निर्माता बाबा साहब अंबेडकर की जन्म भूमि है। दिल्ली के जंतर मंतर में कॉकरोच पार्टी के आंदोलन तथा सोनम बांगचुक के अनशन को लेकर नागपुर का माहौल भी तेजी के साथ गर्म हो रहा है।

आमिर के घर के बाहर सुरक्षा बढ़ाई

मुंबई। आमिर खान को तीसरी शादी करने पर मिली कथित धमकी को लेकर जांच शुरू कर दी गई। शनिवार को वॉयस क्लिप और सोशल मीडिया पोस्ट सामने आने के बाद पुलिस ने बांद्रा पश्चिम के पाली हिल स्थित आमिर खान के घर के बाहर सुरक्षा बढ़ा दी। हालांकि, आमिर खान फिलहाल देश से बाहर हैं। पुलिस अधिकारियों ने कहा कि अभी तक न तो वॉयस क्लिप और न ही सोशल मीडिया पोस्ट की असलियत कन्फर्म हुई है। वहीं, मुंबई पुलिस कमिश्नर देवन भारती ने कहा कि हम सोशल मीडिया पोस्ट और वॉयस क्लिप की सत्यता की जांच कर रहे हैं। बता दें कि शनिवार को आमिर खान को लॉरेंस गैंग की तरफ से कथित तौर पर जान से मारने की धमकी मिलने की खबर सामने आई थी। आमिर खान की 5 जुलाई को हुई गौरी स्प्रैट से शादी को लव जिहाद बताया गया था।

कुछ ना कहना

दिल्ली हाई कोर्ट का आदेश

प्राइवेट हॉस्पिटल में नहीं शिफ्ट होंगे वांगचुक

नई दिल्ली। दिल्ली हाई कोर्ट में सोनम वांगचुक मामले की सुनवाई हुई। इस दौरान, हाई कोर्ट ने कहा कि इस स्टेज पर कोई अंतरिम आदेश जारी करने की जरूरत नहीं है। कोर्ट ने वांगचुक को डॉक्टरों का सहयोग करने का निर्देश दिया और उन्हें किसी प्राइवेट अस्पताल में शिफ्ट करने की उनकी मांग को भी ठुकरा दिया। कोर्ट ने कहा कि वांगचुक को अस्पताल भेजने का फैसला मनमाना नहीं था। इस मामले में दिल्ली पुलिस को नोटिस जारी किया गया है और अगली सुनवाई 24 जुलाई को तय की गई है। इससे पहले सोनम वांगचुक से जुड़े मामले में कोर्ट में केंद्र सरकार की तरफ से पेश हुए एडिशनल सॉलिसिटर जनरल चेतन शर्मा ने कोर्ट को बताया कि वांगचुक ने पहले आईवी-ड्रिप लेने से इनकार किया था। लेकिन बाद भी इसके लिए मंजूरी दे दी। इस पर कोर्ट ने पूछा कि क्या उन्हें यह इलाज उनकी मर्जी से दिया गया था? इस पर एडिशनल सॉलिसिटर जनरल चेतन शर्मा ने कोर्ट को बताया कि हां, उन्होंने सिर्फ इतना पूछा था कि क्या शुगर-फ्री दवा उपलब्ध है।

निजी अस्पताल में शिफ्ट करने की मांग

उधर, दिल्ली हाई कोर्ट में दायर याचिका में सोनम वांगचुक की पत्नी गीतांजलि द्वारा सफदरजंग अस्पताल के कामकाज पर गंभीर सवाल उठाए गए। साथ ही सोनम वांगचुक को डिस्चार्ज करने या उनकी पसंद के निजी अस्पताल में शिफ्ट करने की इजाजत मांगी गई। कपिल सिब्बल ने सोनम वांगचुक की तरफ से बहस शुरू करते हुए कहा कि वे उनकी रिहाई चाहते हैं। उन्होंने बताया कि उन्होंने मेदांता अस्पताल से बात की है और कहा कि उन्हें अपने वकील और डॉक्टर से मिलने नहीं दिया जा रहा है।

जम्मू-कश्मीर के राजौरी और पुंछ में पहाड़ों पर बादल फटने से मची तबाही... उफनते नदी-नालों ने मचाया कहर

11 की मौत, दर्जनों लापता, सैकड़ों गाडियां बहीं

जम्मू। जम्मू-कश्मीर के राजौरी और पुंछ जिलों में आई विनाशकारी बाढ़ और फ्लैश फ्लड ने भारी तबाही मचाई है। लगातार हो रही मूसलाधार बारिश के कारण कई इलाकों में अचानक आई बाढ़ से जनजीवन पूरी तरह प्रभावित हो गया। राजौरी में बाढ़ की चपेट में आने से एक महिला की मौत हो गई, जबकि पुंछ जिले के सुरनकोट इलाके में फ्लैश फ्लड और खराब मौसम के कारण 10 लोगों की जान चली गई। इस तरह अब तक दोनों जिलों में कुल 11 लोगों की मौत हो चुकी है। प्रशासन, सेना, एनडीआरएफ और एसडीआरएफ की टीमें राहत एवं बचाव कार्य में जुटी हैं, जबकि प्रभावित इलाकों में लोगों को सुरक्षित स्थानों पर पहुंचाया जा रहा है। लगातार बारिश को देखते हुए प्रशासन ने लोगों से नदी-नालों और संवेदनशील क्षेत्रों से दूर रहने की अपील की है। जानकारी के मुताबिक राजौरी जिले में बाढ़ का पानी तेजी से बढ़ रहा है। दो मकान पूरी तरह ढह गए हैं, वहीं बेला बस स्टैंड का निचला इलाका पूरी तरह जलमग्न हो गया, जहां खड़ी कई गाडियां तेज बहाव में बह गईं। यह घटना तडके करीब तीन बजे हुई। बस स्टैंड का तो अब कोई निशान तक नहीं बचा है। जलस्तर बढने के बाद यहां करीब 200 से 250 कारें बाढ़ के पानी में बह गई हैं। जिसका वीडियो भी तेजी से वायरल हो रहा है। वीडियो में कुदरत के इस कहर को साफ देखा जा सकता है। किस तरह के कई गाडियां बुरी तर से क्षतिग्रस्त नजर आ रही हैं। इसके सात ही घरों को भी नुकसान पहुंचना है। स्थानीय लोगों ने प्रशासन से मदद की गुहार लगाई है। उन्होंने बताया कि बस स्टॉप का नामो निशान मिट गया है।

एक महिला भी लापता

बाढ़ का पानी शहर के कई रिहायशी इलाकों में भी घुस गया, जिससे घरों में रखा सामान खराब हो गया और लोगों को भारी आर्थिक नुकसान हुआ। लोगों ने बताया कि उनका सब कुछ पानी में बह गया उनके पास कुछ नहीं बचा। लोगों का कहना है कि बादल फटने के बाद ये सैलाब आया है। उन्होंने बताया कि 1992 के बाद ऐसी आपदा आई है। बाढ़ के पानी में एक महिला भी लापता है।

घरों और दुकानों में घुसा पानी

बारिश के दौरान बाजारों में पानी भर जाने से लोगों को आने जाने में भारी दिक्कतों का सामना करना पड़ रहा है। कई जगहों पर नालियों का पानी सडकों पर बहने लगा। दुकानदारों को अपने प्रतिष्ठानों में घुसे पानी को बाहर निकालने के लिए काफी मशक्कत करनी पड़ी। स्थानीय लोगों ने प्रशासन से जल निकासी व्यवस्था को और बेहतर बनाने की मांग की है।

राम मंदिर चढ़ावा विवाद मामले में कांग्रेस अध्यक्ष और राहुल गांधी ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को पत्र लिखा

ट्रस्ट के वित्तीय मामलों की स्वतंत्र जांच कराई जाए

नई दिल्ली। राम मंदिर चढ़ावा विवाद मामले में कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खडगे और लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को पत्र लिखा है। दोनों नेताओं ने श्री राम जन्मभूमि तीर्थ क्षेत्र ट्रस्ट में वित्तीय गड़बडिरूों और राम मंदिर के चढ़ावे में कथित चोरी के आरोपों की तत्काल स्वतंत्र एवं व्यापक जांच कराई जाए। कांग्रेस नेताओं ने कहा है कि सरकार और ट्रस्ट की विश्वसनीयता इस बात पर निर्भर करती है कि आप कितनी पारदर्शिता और तत्परता से कार्रवाई करते हैं। उन्होंने कहा कि देश की जनता यह सब देख रही है। उन्होंने कहा कि ट्रस्ट के वित्तीय मामलों की स्वतंत्र जांच कराई जाए। खातों को सार्वजनिक किया जाए, ताकि हर भक्त जान सके कि चढ़ावे का इस्तेमाल कहां और कैसे हुआ। जांच में जो भी जिम्मेदार पाए जाएं, उनकी जवाबदेही तय हो।

कांग्रेस के दोनों नेताओं ने प्रधानमंत्री से ट्रस्ट के वित्तीय मामलों, श्रद्धालुओं से मिली नकदी, सोने और चांदी समेत सभी चढ़ावों के प्रबंधन की जांच कराने तथा जांच के निष्कर्ष और ट्रस्ट के खातों को सार्वजनिक करने का आग्रह किया है। पत्र में कहा गया कि लाखों श्रद्धालुओं ने आस्था और विश्वास के साथ अपनी मेहनत की कमाई मंदिर के लिए दान की है और कथित चोरी के आरोपों से वे खुद को ठगा हुआ महसूस कर रहे हैं। खडगे और राहुल गांधी ने कहा कि प्रधानमंत्री ने सुप्रीम कोर्ट के निर्देश के बाद संसद में श्री राम जन्मभूमि तीर्थ क्षेत्र ट्रस्ट के गठन की घोषणा की थी लेकिन इसके सदस्यों की नियुक्ति सरकार द्वारा की गई है। उन्होंने आरोप लगाया कि ट्रस्ट के कई सदस्यों का संबंध राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ (आरएसएस), विश्व हिंदू परिषद (विहिप) और उनसे जुड़े संगठनों से है।

दोषी पाए जाने पर हो सख्त कार्रवाई

दोनों नेताओं ने कहा कि इस मामले में प्रधानमंत्री की चुप्पी स्वीकार्य नहीं है और जवाबदेही सुनिश्चित करना तथा श्रद्धालुओं के विश्वास की रक्षा करना उनकी जिम्मेदारी है। पत्र में कहा गया है कि जांच में दोषी पाए जाने वाले सभी लोगों के खिलाफ उनके पद या प्रभाव की परवाह किए बिना सख्त कार्रवाई की जानी चाहिए। मल्लिकार्जुन खडगे और राहुल गांधी ने कथित चोरी के आरोपों की तत्काल स्वतंत्र एवं व्यापक जांच कराने की मांग की है।

एनसीपीआई को औपचारिक मान्यता देने की मांग तेज

बागी टीएमसी सांसदों ने स्पीकर को सौंपा पत्र

नई दिल्ली। संसद के मानसून सत्र से पहले आयोजित सर्वदलीय बैठक के दौरान बागी तृणमूल कांग्रेस (टीएमसी) सांसदों के नए राजनीतिक मंच नेशनलिस्ट सिटीजन्स पार्टी ऑफ इंडिया (एनसीपीआई) को लेकर विवाद सामने आया। बागी सांसद सुदीप बंद्योपाध्याय ने एनसीपीआई को औपचारिक मान्यता देने की मांग करते हुए कहा कि उनका दल अब राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन (एनडीए) की दूसरी सबसे बड़ी पार्टी है। उन्होंने बताया कि इस संबंध में लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला को पत्र सौंपा जाएगा। पत्रकारों से बातचीत में सुदीप बंद्योपाध्याय ने दावा किया कि एनसीपीआई का संख्याबल एनडीए के सहयोगी दलों तेलुगु देशम पार्टी (टीडीपी) और जनता दल (यूनाइटेड) से भी अधिक है। उन्होंने कहा कि पार्टी को विधिवत मान्यता दिए जाने के लिए चुनाव आयोग और लोकसभा अध्यक्ष के समक्ष आवश्यक प्रक्रिया पूरी की जा रही है। उनके अनुसार, सांसद काकोली घोष दस्तीदार इस संबंध में पत्र स्पीकर को सौंपेंगी। इस मुद्दे पर सर्वदलीय बैठक में भी विवाद देखने को मिला। विपक्षी दलों ने शुरुआत में एनसीपीआई को बैठक में आमंत्रित किए जाने का विरोध करते हुए कुछ समय के लिए वॉकआउट किया। हालांकि, कुछ मिनट बाद सभी विपक्षी दल बैठक में वापस लौट आए और आगे की कार्यवाही में शामिल हुए।

कांग्रेस महासचिव जयराम रमेश ने सोशल मीडिया मंच एक्स पर कहा कि टीएमसी के 20 बागी सांसदों के दल बदल और एनसीपीआई में शामिल होने का मामला अभी लोकसभा अध्यक्ष के विचाराधीन है। उनके अनुसार, जब तक इस पर अंतिम निर्णय नहीं हो जाता, तब तक एनसीपीआई की स्थिति स्पष्ट नहीं मानी जा सकती। उन्होंने आरोप लगाया कि सरकार ने ऐसे दल को सर्वदलीय बैठक में आमंत्रित किया, जिसकी संसदीय मान्यता का मामला अभी लंबित है।

उल्लेखनीय है कि टीएमसी से अलग हुए 20 सांसदों ने हाल ही में एनसीपीआई में शामिल होने का दावा किया है और केंद्र सरकार को समर्थन देने की घोषणा की है। हालांकि, उनके संसदीय दर्जे और दल की औपचारिक मान्यता को लेकर अंतिम निर्णय लोकसभा अध्यक्ष और संबंधित संवैधानिक प्रक्रियाओं के अधीन है। ऐसे में मानसून सत्र के दौरान इस मुद्दे पर राजनीतिक बहस और तेज होने की संभावना है।

गाली-गलौज या अभद्र भाषा का इस्तेमाल करना हमेशा अश्लीलता नहीं होती-सुप्रीम कोर्ट

नई दिल्ली। सुप्रीम कोर्ट ने साफ किया है कि गाली-गलौज या अभद्र भाषा का इस्तेमाल करना हमेशा अश्लीलता के दायरे में नहीं आता है। जस्टिस संजय करोल और जस्टिस विपुल एम पंचोली की बेंच ने कहा कि कोई शब्द तभी अश्लील माना जाएगा, जब वह कामुकता को बढ़ावा देने वाला हो या लोगों को भ्रष्ट करने की प्रवृत्ति रखता हो। कोर्ट ने यह टिप्पणी तमिलनाडु के एक मामले में सुनवाई करते हुए की। आरोपी मणि को जमीन विवाद के दौरान मां की गाली देने के लिए अश्लीलता के आरोप में दोषी ठहराया गया था। मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक अगस्त 2017 में जमीन विवाद को लेकर आरोपी ने शिकायतकर्ता के साथ गाली-गलौज की थी। पीि?त का आरोप था कि आरोपी ने जातिसूचक शब्द भी कहे। बाद में घर से हथियार लाकर हमला कर दिया, जिससे उसकी नाक की हड्डी टूट गई। सुप्रीम कोर्ट ने अश्लीलता और आपराधिक धमकी के आरोपों से आरोपी को बरी कर दिया। कोर्ट ने कहा कि गाली देने से किसी को परेशानी हुई, यह साबित नहीं हुआ। हालांकि, शिकायतकर्ता को गंभीर चोट पहुंचाने के मामले में उसकी सजा बरकरार रखी है। आरोपी की उम्र करीब 70 साल होने और स्वास्थ्य स्थितियों को देखते हुए कोर्ट ने उसकी सजा को घटाकर कोर्ट उठने तक की सजा दी। साथ ही, उसे 2 महीने के अंदर 50,000 रुपए का जुर्माना भरने का निर्देश दिया है।

ओएनजीसी के सीएसआर फंड पर विवाद

संघ से जुड़े संगठनों को 688 करोड़ रुपये देने का आरोप

नई दिल्ली । सार्वजनिक क्षेत्र की कंपनियों (पीएसयू) के कॉरपोरेट सोशल रिस्पॉन्सिबिलिटी (सीएसआर) फंड को लेकर नया राजनीतिक विवाद खड़ा हो गया है। एक खोजी रिपोर्ट में दावा किया गया है.सरकारी स्वामित्व वाली कई कंपनियों, विशेषकर (ओएनजीसी) ने पिछले एक दशक में राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ (संघ) से जुड़े सहयोगी करीब 20 संगठनों को सैकड़ों करोड़ रुपये का सीएसआर फंड से अनुदान दिया है। रिपोर्ट के अनुसार ओएनजीसी ने वर्ष 2013 से 2025 के बीच सीएसआर फंड से लगभग 668 करोड़ ऐसे 20 संगठनों को दिए हैं.जो संघ से संबद्ध या उससे जुड़े व्यक्तियों द्वारा संचालित किए जा रहे हैं। सबसे बड़ी राशि असम के एक अस्पताल तथा कुछ शैक्षणिक एवं सेवा संस्थानों को दी गई है। रिपोर्ट में कहा गया है, 2015 से 2025 के दौरान ओएनजीसी ने लगभग 4,531 करोड़ का सीएसआर फंड दिया है. जिसमें लगभग 14.7 प्रतिशत राशि इन 20 संस्थाओं को दी गई गई है।

इस खुलासे के बाद विपक्षी दलों ने आरोप लगाया है. सार्वजनिक धन का उपयोग वैचारिक रूप से जुड़े संगठनों को दिया गया है. विपक्ष ने मांग की है. सभी पीएसयू द्वारा दिए गए सीएसआर फंड की स्वतंत्र जांच कराई जाए. लाभार्थी संस्थाओं के चयन की प्रक्रिया सार्वजनिक की जाए। विपक्ष के इस आरोप पर सरकार का कहना है. कंपनी अधिनियम, 2013 के तहत सीएसआर फंड देने के लिए चयन संबंधित कंपनी का निदेशक मंडल करता है. यह प्रक्रिया निर्धारित नियमों एवं पात्रता के आधार पर संचालित होती है।

उल्लेखनीय है, विभिन्न मंत्रालयों और संसद में प्रस्तुत उत्तरों के अनुसार, पीएसयू हर वर्ष शिक्षा, स्वास्थ्य, कौशल विकास, पर्यावरण तथा ग्रामीण विकास जैसे क्षेत्रों में हजारों करोड़ रुपये सीएसआर मद से खर्च करते हैं।

परसवाड़ा में राजा भोज की प्रतिमा खंडित

अज्ञात तत्वों ने तोड़ी प्रतिमा, स्थानीय जनों ने जताई नाराजगी, पंवार मंगल भवन के पास लगी थी राजाभोज की प्रतिमा, पंवार समाज ने थाना प्रभारी को सौपा ज्ञापन,उग्र आंदोलन की दी चेतावनी

पद्मेश न्यूज। बालाघाट। नगर के गर्रा रेलवे ओवरब्रिज के राजाभोज नामकरण को लेकर हुए बड़े विवाद के बाद, राजाभोज की प्रतिमा तो तोड़े जाने का मामला सामने आया है।जहा किन्ही अज्ञात तत्वों द्वारा तहसील परसवाड़ा के पंवार समाज मंगल भवन के पास,लगी राजा भोज की प्रतिमा को खंडित कर दिया गया है जिससे पंवार समाज मे आक्रोश व्याप्त है। सुबह जब समाज के लोगो ने आराध्य राजाभोज की प्रतिमा को टूटी हालत में देखा तो समाज का आक्रोश भड़क उठा और फिर देखते ही देखते, सामाजिक लोग एकजुट होने लगे। जिसकी जानकारी लगने के बाद परसवाड़ा पुलिस भी घटनास्थल पहुंची और पंचनामा कार्यवाही के बाद, किसी अज्ञात असामाजिक तत्व द्वारा तोड़ी गई प्रतिमा को ससम्मान, सफेद वस्त्र में लपेटा गया। इस पूरे मामले में अपना आक्रोश जताते हुए समाजिक बन्धुओ ने थाना प्रभारी को ज्ञापन सौपते हुए मामले लिप्त आरोपियों की तत्काल गिरफ्तारी करने और इस साजिश में शामिल असामाजिक तत्वों पर वैधानिक कार्यवाही किए जाने की मांग की है।जहा उन्होंने जल्द से जल्द मांग पूरी ना होने पर सामाजिक बन्धुओ के साथ मिलकर उग्र आंदोलन की चेतावनी दी है।

बैठक कर सौपा ज्ञापन, घटना पर जताया आक्रोश

प्रतिमा को खंडित किए जाने के इस मामले को लेकर समाज ने बैठक करके परसवाड़ा थाना प्रभारी को मामले में समाज की धार्मिक भावनाएं आहत होने की बात कही और प्रतिमा को तोड़ने वाले असामाजिक तत्व पर कार्रवाई की मांग की। परसवाड़ा पुलिस ने आश्वस्त किया है कि मामले में पुलिस गंभीरता से कार्रवाई करते हुए प्रतिमा को खंडित करने वालो का पता लगाकर, कानून के अनुसार उसे दंड दिलाएगी।इस दौरान करीब एक सैकड़ा, सामाजिक लोग मौजूद रहे। जिसमें सर्कल सचिव चंद्रशेखर कटरे, योगेश शरणागत, तुलसीराम बघेल, शिखरचंद बघेल कमलेश बिसेन,

डामेश पटले, राहुल रेग्मी, राहुल पटले, कैलाश परिहार, महेश कटरे, उर्मिला पटले, चित्ररेखा अमूले, विमला ठाकरे, मीरा बिसेन, योगिता बिसेन, नीतू पटले, जितेंद्र राहंगडाले, रेशमलाल राणा, अमरलाल राणा, मुनेश कारे, रूपलाल ठाकरे, चुणेश राहंगडाले, हर्ष पटले, मिथलेश एडे,हरवंश पटले, विनोद एडे, होपराम चौधरी, ओमेश बिसेन, उम्मेद सिंह बिसेन, नेपलिट बिसेन, मूलचंद पटले, महलाद सिंह ठाकरे, लुकेश पटले, लोकेश राहंगडाले, टिकम राहंगडाले सहित अन्य सामाजिक बंधु उपस्थित रहे।

धार्मिक एवं सामाजिक भावनाएं आहत करने का किया जा रहा प्रयास

मामले पर आक्रोश जताते हुए पंवार समाज पदाधिकारियो ने बताया कि आराध्य चक्रवती सम्राट राजाभोज की प्रतिमा को तोड़े जाने से, ना केवल पंवार समाज की धार्मिक एवं सामाजिक भावनाएं आहत हुई हैं। बल्कि, इसको लेकर समाज में आक्रोश भी व्याप्त है, हमें आशंका है कि घटना को कारित करने वाले ने, सामाजिक सौहार्द बिगाड़ने का प्रयास किया है।समाज ने पुलिस प्रशासन से मांग की है कि मामले में अज्ञात आरोपियों की पहचान की जाए तथा उनकी शीघ्र गिरफ्तारी होकर उनके खिलाफ कठोर कार्रवाई की जाए। ताकि भविष्य में ऐसी घटनाओं की पुनरावृत्ति न हो।

ये हमारी सांस्कृतिक विरासत एवं सामाजिक सद्भाव पर आघात है- पटले

इस पूरे मामले को लेकर की गई चर्चा के दौरान पंवार समाज सर्किल अध्यक्ष तामेश्वर पटले ने बताया कि सम्राट राजा भोज भारतीय इतिहास के महान शासकों में से एक रहे हैं। उनकी प्रतिमा को नुकसान पहुंचाना केवल पंवार समाज ही नहीं, बल्कि सांस्कृतिक विरासत एवं सामाजिक सद्भाव पर भी आघात है। समाज ने पुलिस प्रशासन से निष्पक्ष एवं त्वरित कार्रवाई कर दोषियों को कानून के दायरे में लाने की मांग की है।वही उन्होंने मांग पूरी ना होने पर सामाजिक बन्धुओ के साथ मिलकर उग्र आंदोलन किए जाने की चेतावनी है।

शराब के नशे में दहेज को लेकर पत्नी से की मारपीट

घायल महिला को बेटी ने पहुंचाया अस्पताल

पद्मेश न्यूज। बालाघाट। भरवेली थाना क्षेत्र के ग्राम पाथरवाड़ा में शराब के नशे में एक व्यक्ति द्वारा अपनी पत्नी के साथ मारपीट करने का मामला सामने आया है। मारपीट में घायल महिला रुक्मणी पति मनोज बसेने 35 वर्ष को जिला अस्पताल बालाघाट में भर्ती कराया गया है। प्राप्त जानकारी के अनुसार रुक्मणी की शादी को 16 वर्ष हो चुके हैं। परिवार में पति मनोज के अलावा दो बच्चे हैं जिनमे 14 वर्षीय बेटी और 11 वर्षीय बेटा। रुक्मणी मजदूरी कर परिवार का भरण-पोषण करती है।जबकि पति मनोज मिस्त्री का काम करता है। बताया जा रहा है

कि मनोज शराब पीने का आदी है और नशे में अक्सर दहेज की मांग को लेकर पत्नी से मारपीट करता रहता था।18 जुलाई की शाम को भी मनोज शराब पीकर घर पहुंचा। इसी दौरान घरेलू बातों को लेकर उसने रुक्मणी से झगड़ा शुरू कर दिया और मारपीट करते हुए उसे घर से निकल जाने की धमकी दी और उसे जान से मारने की धमकी भी दी। इस दौरान रुक्मणी घायल हो गई। आसपास के लोगों के बीच-बचाव के बाद घायल रुक्मणी को उसकी 14 वर्षीय बेटी ने जिला अस्पताल बालाघाट लेकर पहुंची।जहां उसका इलाज चल रहा है। इस मामले की जांच पड़ताल भरवेली पुलिस द्वारा की जा रही है।

नशे से दूरी है जरूरी 2.0 अभियान के तहत चांगोटोला में जागरूकता की अलख

विद्यालयों, ग्रामीण क्षेत्रों और साप्ताहिक बाजार में जनजागरण अभियान विद्यार्थियों, ग्रामीणों व व्यापारियों ने ली नशामुक्ति की शपथ

पद्मेश न्यूज। चांगोटोला। मध्यप्रदेश शासन द्वारा संचालित नशे से दूरी है जरूरी 2.0 अभियान के अंतर्गत चांगोटोला थाना पुलिस द्वारा 18 एवं 19 जुलाई को लगातार दो दिनों तक व्यापक जनजागरूकता कार्यक्रम आयोजित कर नशामुक्त समाज का संदेश दिया गया। अभियान के तहत विद्यालयों, ग्रामीण क्षेत्रों और साप्ताहिक बाजार में लोगों को नशे के दुष्परिणामों से अवगत कराया गया तथा हजारों नागरिकों को नशा न करने और दूसरों को भी इसके प्रति जागरूक करने की शपथ दिलाई गई।

18 जुलाई को चांगोटोला थाना पुलिस ने शासकीय उच्चतर माध्यमिक विद्यालय चांगोटोला सहित क्षेत्र की निजी शिक्षण संस्थाओं में पहुंचकर छात्र-छात्राओं एवं शिक्षकों को नशे के सामाजिक, आर्थिक एवं स्वास्थ्य संबंधी दुष्प्रभावों की विस्तृत जानकारी दी। पुलिस अधिकारियों ने कहा कि नशा व्यक्ति के साथ-साथ पूरे परिवार और समाज को प्रभावित करता है, इसलिए युवाओं को इससे दूर रहकर अपने भविष्य का निर्माण करना चाहिए। इस दौरान सभी विद्यार्थियों एवं शिक्षकों को नशामुक्त समाज के निर्माण का संकल्प दिलाते हुए नशा मुक्ति की शपथ दिलाई गई।

इसके बाद विद्यालय के छात्र-छात्राओं ने हाथों में जागरूकता तख्तियां लेकर नगर में विशाल जनजागरूकता रैली निकाली। रैली के दौरान नशे से दूरी है जरूरी,नशा छोड़ो, जीवन जोड़ो, स्वस्थ युवा, समृद्ध भारत जैसे नारों के माध्यम से लोगों को नशे से दूर रहने का संदेश दिया गया। रैली में विद्यार्थियों, शिक्षकों और पुलिसकर्मियों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया।

रैली के उपरांत दरगाह के समीप स्थित विशाल मैदान में जनसभा का आयोजन किया गया। जिसमें बड़ी संख्या में ग्रामीणजन उपस्थित रहे। सभा को संबोधित करते हुए पुलिस अधिकारियों ने नशे की लत से होने वाले दुष्प्रभावों पर विस्तार से प्रकाश डाला और ग्रामीणों से अपील की कि वे स्वयं नशे से दूर रहें तथा अपने परिवार, रिश्तेदारों और आसपास के लोगों को भी नशामुक्त जीवन अपनाने के लिए प्रेरित करें। कार्यक्रम के अंत में उपस्थित सभी लोगों को नशामुक्ति की सामूहिक शपथ दिलाई गई।

अभियान के दूसरे दिन 19 जुलाई को चांगोटोला के साप्ताहिक बाजार में विशेष जनजागरूकता कार्यक्रम आयोजित किया गया। बाजार में पहुंचे ग्रामीणों, व्यापारियों, किसानों, महिलाओं और युवाओं से पुलिस अधिकारियों ने सीधे संवाद कर नशे के दुष्प्रभावों की जानकारी दी। जनसंवाद के माध्यम से लोगों को समझाया गया कि नशा केवल व्यक्ति का स्वास्थ्य ही नहीं बिगाड़ता, बल्कि परिवार की आर्थिक स्थिति, सामाजिक प्रतिष्ठा और आने वाली पीढ़ियों के भविष्य को भी प्रभावित करता है।

इस दौरान बाजार परिसर में आयोजित विशाल कार्यक्रम में बड़ी संख्या में लोगों ने भाग लिया। पुलिस द्वारा उपस्थित नागरिकों को नशा न करने, नशे का विरोध करने तथा समाज को नशामुक्त बनाने का सामूहिक संकल्प दिलाया गया। लोगों ने भी अभियान का समर्थन करते हुए नशामुक्त समाज के निर्माण में पुलिस प्रशासन का सहयोग करने का भरोसा दिलाया।

चांगोटोला थाना पुलिस ने बताया कि नशे से दूरी है जरूरी 2.0 अभियान का उद्देश्य युवाओं एवं समाज के प्रत्येक वर्ग को नशे के दुष्प्रभावों के प्रति जागरूक कर स्वस्थ, सुरक्षित एवं नशामुक्त समाज का निर्माण करना है। अभियान के दौरान लोगों का उत्साह और सहभागिता यह दर्शाती है कि समाज अब नशे के खिलाफ एकजुट होकर सकारात्मक पहल करने के लिए तैयार है।

इस अवसर पर चांगोटोला थाना प्रभारी एम एल भाटी सहित थाना पुलिस का समस्त स्टाफ, विद्यालयों के प्राचार्य, शिक्षकगण, छात्र-छात्राएं, जनप्रतिनिधि, ग्रामीण, व्यापारी एवं बड़ी संख्या में आम नागरिक उपस्थित रहे। दो दिवसीय यह अभियान पूरे क्षेत्र में नशामुक्ति के प्रति जनजागरण का प्रभावी संदेश देने में सफल रहा।

विश्व आदिवासी दिवस पर 9 अगस्त को नगर में निकाली जाएगी अधिकार रैली

हर्षोल्लास के साथ मनाया जाएगा विश्व आदिवासी दिवस, जगह जगह विभिन्न कार्यक्रमों के होंगे आयोजन, बैठक का आयोजन कर बनाई रूपरेखा

पद्मेश न्यूज। बालाघाट। केवल भारत देश ही नहीं बल्कि पूरे विश्व में 9 अगस्त के दिन को विश्व आदिवासी दिवस के रूप में मनाया जाता है। जहां आदिवासियों की सभ्यता, उनकी संस्कृति, वेशभूषा और उनके अधिकारों के संरक्षण की बात दोहराकर उनके हक अधिकारों को लेकर जनजागरूकता देने के साथ साथ आदिवासियों के योगदान को याद किया जाता है।इसी क ?ी में प्रतिवर्ष की तरह इस वर्ष भी जिला मुख्यालय सहित अन्य तहसीलो व ग्रामीण अंचलों में विश्व आदिवासी दिवस हर्षोल्लास के साथ मनाया जाएगा।9 अगस्त को आयोजित विश्व आदिवासी दिवस के अवसर पर आदिवासी समाज द्वारा विभिन्न कार्यक्रमों के आयोजन किए जाएंगे।जिसका मुख्य समारोह नगर मुख्यालय में आयोजित किया गया है।जिसमे नगर में निकाली जाने वाली अधिकार रैली, और उत्कृष्ट विघालय में आयोजित मंचीय कार्यक्रम सहित अन्य आयोजन होंगे जो सुबहा से लेकर देर शाम तक चलेंगे।उक्त जानकारी मध्य प्रदेश आदिवासी विकास परिषद अध्यक्ष दिनेश धुर्वे द्वारा रविवार को वारासिवनी रोड स्थित रानी दुर्गावती भवन में आयोजित एक बैठक के दौरान दी गई।जिन्होंने गोंड समाज, परधान समाज ,कोल समाज, माना समाज, हल्बा समाज, कंडरा समाज, बिझवा समाज,बैगा समाज, ओझा समाज,ओतकरी समाज ,भारिया समाज, नगारची समाज, गोंडी लुहार समाज सहित समाज के विभिन्न वर्गों, संगठनों उनके पदाधिकारी सदस्यों सहित सभी सामाजिक बन्धुओ से विश्व आदिवासी दिवस पर 9 अगस्त को आयोजित सभी कार्यक्रमों में

पारंपरिक वेशभूषा साधारण कर उपस्थित रहने का आग्रह किया है।

सामाजिक एकता का दिया जाएगा सन्देश

आगामी विश्व आदिवासी दिवस 9 अगस्त के सफल आयोजन को लेकर आयोजित इस बैठक में समाज के वरिष्ठजनों, पदाधिकारियों एवं विभिन्न आदिवासी समुदायों के प्रतिनिधियों ने भाग लिया। इस दौरान विश्व आदिवासी दिवस को गरिमामय एवं व्यापक जनभागीदारी के साथ मनाने के लिए कार्यक्रमों की विस्तृत रूपरेखा तैयार की गई।बैठक में बताया गया कि इस वर्ष विश्व आदिवासी दिवस का मूल विषय आदिवासी समुदाय और कृत्रिम बुद्धिमत्ता (एआई)= अधिकारों की रक्षा, भविष्य का निर्माण रखा गया है। कार्यक्रम के माध्यम से आदिवासी समाज की संस्कृति, परंपराओं, संवैधानिक अधिकारों एवं सामाजिक एकता का संदेश दिया जाएगा।

इन कार्यक्रमों के होंगे आयोजन

आदिवासी बाहुल्य, बालाघाट जिले में आदिवासी समाज द्वारा 09 अगस्त को विश्व आदिवासी दिवस उत्साह के साथ मनाने को लेकर तैयारी पूर्ण कर ली गई है।बताया गया कि विश्व आदिवासी दिवस के अवसर पर 7 से 9 अगस्त तक रोजाना विभिन्न कार्यक्रमों के आयोजन किए जाएंगे। निर्धारित कार्यक्रम के अनुसार 7 अगस्त को प्रात: 7 बजे मैराथन दौड़ तथा 8 अगस्त को प्रात: 9 बजे रक्तदान शिविर का आयोजन किया जाएगा।वही 9 अगस्त की सुबह वारासिवनी रोड स्थित रानी दुर्गावती चौक में गोंगो पूजन का आयोजन कर कार्यक्रम की शुरूवात की जाएगी।जिसके बाद नगर में सवैधानिक अधिकार रैली निकाली जाएगी। जिसमें आदिवासी समाज के सभी लोग अपने पारंपरिक वेशभूषा में नजर आएगे।वही रैली में वीर आदिवासी योद्धाओं, महापुरुषों, महान क्रांतिकारियों की झांकियां शामिल होगी। बैगा भाइयों द्वारा गोंडी संगीतो में सांस्कृतिक नृत्य, की प्रस्तुति दी जाएगी।तो वही सामाजिक युवक युवतियों द्वारा प्राकृतिक कार्यक्रम प्रस्तुत किए जाएंगे। इसके अलावा नगर के उत्कृष्ट विद्यालय में महापुरुषों के छायाचित्र पर माल्यार्पण एवं अतिथियों का सम्मान समारोह का आयोजन कर मंचीय उद्बोधन होगा। वही शाम को पुरस्कार वितरण व स्वल्पाहार के साथ कार्यक्रम का समापन किया जाएगा।

समाज को आज भी उसका हक अधिकार नहीं मिला- धुर्वे

आयोजित बैठक को लेकर की गई चर्चा के दौरान मप्र आदिवासी विकास परिषद जिला अध्यक्ष दिनेश धुर्वे ने बताया पिछले कई वर्षों से सामाजिक बन्धुओ द्वारा विश्व आदिवासी दिवस मनाया जा रहा है।जो केवल भारत देश ही नही कई देशों में 9 अगस्त को मनाया जाता है। इसके तहत विभिन्न कार्यक्रमों के आयोजन किए जाते हैं उन्होंने बताया कि आदिवासी समाज एक ऐसा समाज है जो आज भी पिछड़ा हुआ है उनके हक अधिकार आज तक उन्हें पूर्ण रूप से नहीं दिए गए हैं और ना ही सरकार ने इसके लिए कोई पहल की है।सिर्फ कागजों में ही उनके हक अधिकार की बातें की जाती है।लेकिन हकीकत में आज भी आदिवासी समाज के लोग अपने संवैधानिक हक और अधिकारो से वंचित है।जिसको लेकर 9 अगस्त विश्व आदिवासी दिवस के दिन सविधान अधिकार रैली निकाली जाएगी। इसके अलावा अन्य कार्यक्रम भी होंगे जो दिन भर चलेंगे। उसी की रूपरेखा बनाने के लिए आज बैठक का आयोजन किया गया था। पदाधिकारी को कार्यक्रम की जिम्मेदारी सौंपी गई है। यह कार्यक्रम भव्य रूप से आयोजित किया जाएगा।

महिला थाना पुलिस ने चलाया नशे से दूरी है जरूरी 2.0 अभियान

बालिका छात्रावास, बस स्टैंड और ऑटो स्टैंड पर जागरूकता कार्यक्रम

पद्मेश न्यूज। बालाघाट। मध्यप्रदेश शासन द्वारा संचालित नशे से दूरी है जरूरी 2.0 अभियान के तहत रविवार को महिला थाना बालाघाट द्वारा शहर के विभिन्न स्थानों पर व्यापक जनजागरूकता कार्यक्रम आयोजित किए गए। अभियान का उद्देश्य युवाओं, महिलाओं एवं आम नागरिकों को नशे के दुष्प्रभावों से अवगत कराना तथा नशामुक्त समाज के निर्माण के लिए जनभागीदारी सुनिश्चित करना रहा।

कार्यक्रम की शुरुआत शासकीय जटाशंकर त्रिवेदी बालिका छात्रावास, बालाघाट से हुई, जहां महिला थाना पुलिस की टीम ने छात्राओं को नशे के दुष्प्रभावों की विस्तृत जानकारी दी। पुलिस अधिकारियों ने बताया कि नशे की लत व्यक्ति के शारीरिक, मानसिक, सामाजिक एवं आर्थिक जीवन पर गंभीर प्रभाव डालती है। उन्होंने छात्राओं से स्वयं नशे से दूर रहने तथा अपने परिवार और समाज में भी नशामुक्ति का संदेश पहुंचाने का आह्वान किया।अभियान के अगले चरण में महिला थाना पुलिस की टीम बालाघाट बस स्टैंड पहुंची, जहां यात्रियों, वाहन चालकों, व्यापारियों एवं आम नागरिकों को नशे के दुष्परिणामों की जानकारी दी गई। पुलिस अधिकारियों ने बताया कि नशा न केवल व्यक्ति के स्वास्थ्य को नुकसान पहुंचाता है, बल्कि सड़क दुर्घटनाओं, घरेलू हिंसा, अपराध तथा सामाजिक विघटन जैसी अनेक समस्याओं का भी प्रमुख कारण बनता है। उपस्थित नागरिकों से नशे से दूर रहने तथा दूसरों को भी इसके प्रति जागरूक करने की अपील की गई। इस दौरान सभी को नशामुक्ति की शपथ भी दिलाई गई।इसके बाद महिला थाना पुलिस ने बैहर रोड ऑटो स्टैंड पहुंचकर ऑटो चालकों, यात्रियों एवं स्थानीय नागरिकों के बीच जनजागरूकता अभियान चलाया। पुलिस टीम ने नशे के दुष्परिणामों पर विस्तार से चर्चा करते हुए कहा कि वाहन चलाते समय किसी भी प्रकार का नशा व्यक्ति के साथ-साथ अन्य लोगों के जीवन के लिए भी गंभीर खतरा बन सकता है। ऑटो चालकों से विशेष रूप से अपील की गई कि वे नशे की अवस्था में कभी वाहन न चलाएं तथा सुरक्षित यातायात के नियमों का पालन करें। सभी उपस्थित लोगों को नशा न करने और समाज को नशामुक्त बनाने का सामूहिक संकल्प दिलाया गया।महिला थाना प्रभारी किरण वरकड़े ने कहा कि नशे से दूरी है जरूरी 2.0 अभियान का उद्देश्य केवल जागरूकता फैलाना ही नहीं, बल्कि समाज के प्रत्येक वर्ग को नशे के खिलाफ एकजुट करना भी है। युवाओं, महिलाओं, विद्यार्थियों और आम नागरिकों की सक्रिय भागीदारी से ही नशामुक्त और स्वस्थ समाज का निर्माण संभव है।इस अवसर पर महिला थाना पुलिस का समस्त स्टाफ, छात्रावास की अधीक्षिका एवं कर्मचारी, छात्राएं, बस स्टैंड एवं ऑटो स्टैंड के नागरिक, वाहन चालक तथा अन्य लोग बड़ी संख्या में उपस्थित रहे। पूरे कार्यक्रम के दौरान लोगों ने उत्साहपूर्वक भाग लेकर नशामुक्त समाज के निर्माण में अपना सहयोग देने का संकल्प लिया।

बारबेड वायर (कांटेदार तार)
एवं चेन लिंक जाली
उचित दाम पर उपलब्ध
लघु उद्योग निगम भोपाल से संबद्ध
निर्माता
तिरूपति इंजीनियरिंग वर्क्स
मयूर टॉकिज के सामने हनुमान चौक, बालाघाट
फोन:- 07632-243531
मो:- 8989976858, 9425139998

न्यूज गैलरी

अंशुमान राहंगडाले ने बढ़ाया जिले का मान,नीट परीक्षा हांसिल की 314 वी रेंक

पद्मेश न्यूज। बालाघाट। शहर स्थित प्रेमनगर निवासी समाजसेवी डीपी राहंगडाले के पोते अंशुमान राहंगडाले ने नीट 2026 परीक्षा में प्रथम प्रयास में ही 720 में से 680अंक प्राप्त कर जिले का मान बढ़ाया है जिन्होंने आल इंडिया रैंक 314 प्राप्त किया।बताया गया कि अंशुमान ने इसी वर्ष बारहवीं की परीक्षा सीबीएसई से 90.20 प्रतिशत अंकों से श्रीकृष्णा पब स्कूल इंदौर से उत्तीर्ण कि है। अंशुमान ने इंदौर भी शिक्षा ग्रहण की है।अंशुमान समाजसेवी डी पी राहंगडाले के छोटे सुपुत्र मिथिलेश्वर, पुत्र वधू पायल राहंगडाले का ज्येष्ठ पुत्र है।उन्हें अब किसी भी एम्स में प्रवेश मिल सकता

है।अंशुमान की सफलता पर दादा डीपी राहंगडाले दादी श्रीमति सुलोचना राहंगडाले, पापा मिथिलेश्वर मम्मी पायल राहंगडाले, बड़े पापा यशेश्वर बड़ी मम्मी मोना राहंगडाले, चचेरे बड़े भाई अमन,अर्पण, छोटा भाई आर्य राहंगडाले ने बधाई एवं आशीर्वाद दिया है।वही अर्जुनसिह सनोडिया, अनंत मोहन सुनेरी, पीताम्बर चौधरी, मुलामचंद एड़े, रेवाप्रसाद जतेरे, महेश जानी, नरेशचंद्र झाड़े ,तिलकचंद तुरकर, अशोक असाटी,पी बी लिल्हारे, दिलिप कुमार चौधरी,डा.रविन्द्र राहंगडाले,राजेश चौधरी, ओमकार पारधी, देवेन्द्र राहंगडाल,डा.सुरेश कटरे,किशोर राहंगडाले,डा.राजेन्द्र कटरे,मनोज भैरम, नाना युवराज बिसेन, नानी श्रीमति इन्दु बिसेन एवं सभी समाजसेवी,मित्रगणो एवं रिश्तेदारो ने बधाई एवं आशीर्वाद दिया है।

12.57 लाख की सनसनीखेज चोरी का खुलासा, अंतरराज्यीय चोर गिरोह के दो सदस्य गिरफ्तार, एक फरार

तमिलनाडु, तेलंगाना और महाराष्ट्र से जुड़े गिरोह ने प्रभुत्तम नगर के सूने मकान को बनाया था निशाना, जेवर हैदराबाद में बेचकर खरीदे वाहन

सिटी रिपोर्टर।
पद्मेश न्यूज। बालाघाट।

लगभग दस माह पहले शहर के प्रभुत्तम नगर में हुई 12.57 लाख रुपये की हाई-प्रोफाइल चोरी का खुलासा करते हुए कोतवाली पुलिस ने अंतरराज्यीय चोर गिरोह के दो सदस्यों को गिरफ्तार कर बड़ी सफलता हासिल की है। आरोपियों ने पूछताछ में बालाघाट में चोरी की वारदात को अंजाम देना स्वीकार कर लिया है। पुलिस ने उनके कब्जे से चोरी की रकम से खरीदी गई संपत्ति और अन्य महत्वपूर्ण साक्ष्य बरामद किए हैं, जबकि गिरोह का एक अन्य सदस्य अभी भी फरार है, जिसकी तलाश जारी है।

रविवार 19 जुलाई को पुलिस कंट्रोल रूम में आयोजित प्रेस वार्ता में पुलिस अधीक्षक आदित्य मिश्रा ने पूरे मामले का खुलासा करते हुए बताया कि यह एक अंतरराज्यीय पेशेवर चोर गिरोह है, जो अलग-अलग राज्यों में सूने मकानों की रेकी कर बड़ी चोरी की वारदातों को अंजाम देता है। गिरोह के सदस्य बालाघाट भी पूर्व योजना के तहत पहुंचे थे और शहर में कई स्थानों की रेकी करने के बाद प्रभुत्तम नगर स्थित सूने मकान को निशाना बनाया। उन्होंने बताया कि फरियादी आकाश बिसेन, निवासी प्रभुत्तम नगर बालाघाट ने शिकायत दर्ज कराई थी कि 18 से 20 सितंबर 2025 के बीच अज्ञात बदमाश उनके सूने मकान का ताला तोड़कर सोने-चांदी के आभूषण, 57 हजार रुपये नकद सहित करीब 12 लाख 57 हजार रुपये की संपत्ति चोरी कर ले गए थे। मामले में कोतवाली थाना पुलिस ने भारतीय न्याय संहिता की धारा 331(4), 305(ए) एवं 3(5) के तहत अपराध दर्ज कर जांच शुरू की थी। एसपी आदित्य मिश्रा ने बताया कि वारदात के बाद आरोपी एक छात्र की मोटरसाइकिल चोरी कर किरनापुर रोड की ओर छोड़कर ट्रेन के माध्यम से फरार हो गए थे। पुलिस ने तकनीकी साक्ष्यों, सीसीटीवी फुटेज, मोबाइल लोकेशन और अन्य इलेक्ट्रॉनिक प्रमाणों के आधार पर कई महीनों तक लगातार हैदराबाद, तेलंगाना और अन्य राज्यों में आरोपियों की तलाश की। आखिरकार लंबी पड़ताल और मुखबिर तंत्र की मदद से पुलिस आरोपियों तक पहुंचने में सफल रही। गिरफ्तार आरोपियों की पहचान वेंकटेशन पिता रंगनाथन, निवासी तिरूवरूर (तमिलनाडु), वर्तमान निवास हैदराबाद (तेलंगाना) तथा प्रभु सानिपति पिता सुब्रमण्यम सानिपति, निवासी रैयतवारी कॉलरी, चंद्रपुर (महाराष्ट्र) के रूप में हुई है। पूछताछ में दोनों ने अपने फरार साथी राकेश सानिपति के साथ मिलकर चोरी की वारदात को अंजाम देना स्वीकार किया। पुलिस के अनुसार आरोपियों ने चोरी के बाद सभी सोने-चांदी के आभूषण हैदराबाद में विभिन्न स्थानों पर बेच दिए। बिक्री से प्राप्त रकम से वाहन खरीदे गए तथा शेष राशि गिरोह के सदस्यों के बीच बांट ली गई। आरोपियों के मेमोरेण्डम के आधार पर पुलिस ने चोरी की रकम से खरीदी गई संपत्ति और अन्य महत्वपूर्ण साक्ष्य बरामद करने की कार्रवाई की है। एसपी ने बताया कि प्रारंभिक जांच में यह भी सामने आया है कि गिरोह ने प्रभुत्तम नगर क्षेत्र में तीन से चार स्थानों पर चोरी की घटनाओं को अंजाम दिया था। हालांकि सबसे बड़ी वारदात इसी मकान में हुई, जहां से लाखों रुपये के जेवर और नकदी चोरी की गई थी। पुलिस अब गिरोह के फरार सदस्य की तलाश के साथ-साथ यह भी जांच कर रही है कि आरोपियों ने जिले अथवा आसपास के क्षेत्रों में और कितनी चोरी की घटनाओं को अंजाम दिया है। दोनों गिरफ्तार आरोपियों को न्यायालय में पेश कर न्यायिक अभिरक्षा में जेल भेज दिया गया है, जबकि फरार आरोपी की गिरफ्तारी और चोरी की शेष संपत्ति की बरामदगी के लिए पुलिस की कार्रवाई लगातार जारी है। पुलिस का मानना है कि गिरोह से पूछताछ में अन्य राज्यों और जिलों की कई चोरी की वारदातों का भी खुलासा हो सकता है।

98 दिन का आंदोलन, फिर भी प्रशासन मौन

बूढ़ी शराब दुकान हटाने की मांग को लेकर महिलाओं ने शहर में निकाली जन-जागरूकता रैली

पद्मेश न्यूज। बालाघाट। शहर के वार्ड क्रमांक-12 बूढ़ी स्थित शराब दुकान के स्थान परिवर्तन की मांग को लेकर पिछले 98 दिनों से आंदोलनरत महिलाओं का विरोध प्रदर्शन लगातार जारी है। 19 जुलाई की शाम महिलाओं ने अपने आंदोलन के तहत नशा मुक्ति जन-जागरूकता रैली निकालकर शासन और प्रशासन का ध्यान अपनी मांग की ओर आकर्षित करने का प्रयास किया। महिलाओं का कहना है कि लंबे समय से शांतिपूर्ण आंदोलन के बावजूद अब तक उनकी मांग पर कोई ठोस निर्णय नहीं लिया गया है।

शाम करीब 7 बजे धरना स्थल से शुरू हुई यह रैली बूढ़ी मार्ग, शिव मंदिर, मेन रोड, अवंतीबाई चौक, काली पुतली चौक, जयस्तंभ चौक, त्रिपुर सुंदरी मंदिर और अस्पताल रोड से होते हुए पुनः धरना स्थल पहुंची। रैली के दौरान महिलाओं ने नशा मुक्ति के समर्थन में नारे लगाए और आम नागरिकों से भी नशे के खिलाफ जागरूक होने की अपील की। आंदोलन का नेतृत्व कर रहीं महिलाओं ने बताया कि वे पिछले 98 दिनों से लगातार अनिश्चितकालीन धरने पर बैठी हैं। इस दौरान उन्होंने धरना, प्रदर्शन, ज्ञापन, रैली और अन्य लोकतांत्रिक माध्यमों से अपनी बात शासन-प्रशासन तक पहुंचाने का प्रयास किया, लेकिन अब तक कोई ठोस कार्रवाई नहीं हुई। उनका कहना है कि उनका उद्देश्य किसी का विरोध करना नहीं, बल्कि रिहायशी क्षेत्र से शराब दुकान हटाकर क्षेत्र का सुरक्षित और स्वस्थ वातावरण बनाए रखना है। महिलाओं ने बताया कि आंदोलन के दौरान भाजपा और कांग्रेस सहित विभिन्न दलों के जनप्रतिनिधि, विधायक और सांसद

भी धरना स्थल पर पहुंचे। सभी ने उनकी मांग को उचित बताते हुए कार्रवाई का आश्वासन दिया, लेकिन आज तक शराब दुकान का स्थान परिवर्तन नहीं किया गया। इससे आंदोलनकारी महिलाओं में निराशा और असंतोष बढ़ता जा रहा है। बारिश के मौसम में भी महिलाओं ने अपना आंदोलन जारी रखा है। उन्होंने बताया कि लगातार बारिश के कारण खुले में धरना देना मुश्किल हो गया था, इसलिए उन्होंने शराब दुकान के सामने ही एक दुकान किराए पर लेकर वहीं से अपना अनिश्चितकालीन धरना जारी रखा है। उनका कहना है कि जब तक शराब दुकान को आबादी वाले क्षेत्र से नहीं हटाया जाएगा, तब तक आंदोलन समाप्त नहीं होगा। महिलाओं ने प्रदेश सरकार द्वारा संचालित नशे से दूरी है जरूरी 2.0 अभियान का भी उल्लेख किया। उनका कहना है कि सरकार एक ओर लोगों को नशे से दूर रहने का संदेश दे रही है, वहीं दूसरी ओर रिहायशी क्षेत्रों में संचालित शराब दुकानों के संबंध में स्थानीय लोगों की मांगों पर अपेक्षित कार्रवाई नहीं हो रही है। उनका मानना है कि यदि आबादी वाले क्षेत्रों से शराब दुकानों का उचित स्थान परिवर्तन किया जाए तो नशा मुक्ति अभियान को और अधिक प्रभावी बनाया जा सकता है। आंदोलनकारी महिलाओं ने जिला प्रशासन और राज्य सरकार से मांग की है कि जनभावनाओं का सम्मान करते हुए बूढ़ी स्थित शराब दुकान का शीघ्र स्थान परिवर्तन किया जाए। उन्होंने कहा कि यह आंदोलन केवल एक दुकान हटाने के लिए नहीं, बल्कि क्षेत्र के बच्चों, महिलाओं और परिवारों के बेहतर सामाजिक वातावरण तथा नशामुक्त समाज की दिशा में एक प्रयास है। यदि जल्द निर्णय नहीं लिया गया तो आंदोलन को आगे भी लोकतांत्रिक तरीके से जारी रखा जाएगा।

मानसून ने फिर पकड़ी रफ्तार, 30 घंटे बाद हुई बारिश

किसानों के खिले चेहरे, खेती का काम हुआ तेज, निचले इलाकों में भरा पानी

पद्मेश न्यूज। बालाघाट। रूठे हुए मानसून में एक बार फिर से गति पकड़ ली है जहां रविवार को बालाघाट में 30 घंटे बाद बारिश का दौर फिर शुरू हो गया।जिससे पड़ रही उमस भरी गर्मी से ना केवल राहत मिली है, बल्कि खेतो में भी फसल रोपाई के कार्य ने गति पकड़ ली है। दरअसल, 8 दिनों बाद गुरूवार शाम से बारिश का क्रम लगातार जारी था लेकिन शनिवार को सुबह 11 बजे से बारिश एकाएक बंद हो गई थी।रविवार को भी दोपहर तक मौसम साफ था और उमस भरी गर्मी से लोग परेशान थे

लेकिन सायंकाल 4 बजे, आसमान पर काले बादल छा गए।और् सुहाने मौसम के बीच झमाझम बारिश शुरू हो गई ।इस बारिश ने ना केवल नगरवासियों बल्कि किसानों को भी बड़ी राहत दी है।पुन: अच्छी बारीस होती देख किसानों ने खेती का काम तेज कर दिया है। हालांकि नगर के नीचे इलाकों में पानी निकासी की व्यवस्था न होने के चलते लोगों को कुछ देर के लिए परेशान भी होना पड़ा है।

पानी निकासी की व्यवस्था न होने से जगह जगह भरा पानी

हालांकि इस बारिश के चलते नगर के निचले इलाकों में निवास करने वाले लोगों को थोड़ी परेशानियों का सामना करना पड़ा है। जहां नगर के वार्ड नंबर 10 में पानी निकासी की व्यवस्था न होने के चलते करीब 2 घंटे सड़कों पर पानी भरा रहा,जिससे लोगों को अवगमन करने में भारी परेशानिया उठानी पड़ी। जहां पक्की नाली और पानी निकासी की पर्याप्त व्यवस्था न होने के चलते, कच्ची नालियों का पानी ओवरफ्लो होकर सड़कों से बहता हुआ नजर आया।तो वही पानी निकासी की उचित व्यवस्था न होने के चलते लंबे समय तक पानी की निकासी नहीं हो सकी। इसके अलावा हनुमान चौक, अंबेडकर चौक गार्डन के पास वार्ड नंबर 6, व 3 परिसर सहित नगर के अन्य इलाकों में भी कुछ देर के लिए जल भराव की स्थिति देखी गई। हालांकि बाद में हालात पूर्व की भांति सामान्य नजर आए।

अब भी बारिश में पिछड़ा है जिला

सरकारी आंकड़ों पर यदि गौर करें तो बारिश के मामले में अब भी बालाघाट पिछड़ा है। एक जानकारी के अनुसार बालाघाट जिले में 19 जुलाई तक 386 मिलीमीटर वर्षा हो गई हैं। जबकि बीते वर्ष में अब तक 627 मिलीमीटर वर्षा दर्ज की गई थी। जिले में सबसे ज्यादा वारासिवनी तहसील में 533 मिलीमीटर और सबसे कम बिरसा तहसील में 224 मिलीमीटर वर्षा रिकार्ड दर्ज की गई है।कृषि वैज्ञानिक उत्तम बिसेन ने बताया कि जो स्थिति 8 दिन पहले रोपा और फसल सुखने की कागार पर पहुंच गई थी। वह बारिश से बच गई है, खेतो में किसानों ने लगाई नर्सरी को खोदकर, रोपा लगाना शुरू कर दिया है।

जिले में तहसीलवार बारिश का आंकड़ा

जिले में 19 जुलाई तक बालाघाट तहसील में 497 मिलीमीटर, बैहर में 451, लांजी में 342, कटंगी में 369, किरनापुर में 509, खैरलांजी में 234, लालबर्रा में 366, परसवाड़ा में 313 और तिरोड़ी में 412 मिलीमीटर वर्षा दर्ज की गई है।

2025 में हुई बारिश का आंकड़ा

वर्ष 2025 में 19 जुलाई तक हुई बारिश में बालाघाट तहसील में 803 मिलीमीटर, वारासिवनी में 1000, बैहर में 764, लांजी में 338, कटंगी में 626, किरनापुर में 567, खैरलांजी में 275, लालबर्रा में 732, बिरसा में 440, परसवाड़ा में 733 और तिरोड़ी में 613 मिलीमीटर वर्षा रिकॉर्ड की गई थी।

कायदी बस स्टैंड पर बदहाल यात्री प्रतीक्षालय

बसों का इंतजार करने वाले यात्रियों को उठानी पड़ रही परेशानी, पुराना प्रतीक्षालय जर्जर- नया टिनशेड सड़क से दूर झाडियों में

पद्मेश न्यूज। बालाघाट। जिला मुख्यालय से वारासिवनी मार्ग पर स्थित कायदी बस स्टैंड पर यात्रियों के लिए बनाए गए प्रतीक्षालय अपनी उपयोगिता खो चुके हैं। यहां प्रतिदिन नागपुर, जबलपुर, भोपाल सहित विभिन्न शहरों के लिए बड़ी संख्या में यात्री बसों का इंतजार करते हैं। लेकिन उनके ठहरने के लिए न तो सुरक्षित और न ही सुविधाजनक यात्री प्रतीक्षालय उपलब्ध है। इसके कारण यात्रियों को धूप, बारिश और अन्य मौसम की प्रतिकूल परिस्थितियों में सड़क किनारे खड़े होकर बसों का इंतजार करना पड़ता है। जानकारी के अनुसार, बस स्टैंड पर लगभग 20 वर्ष पुराना पक्का यात्री प्रतीक्षालय बना हुआ है।जो वर्तमान में पूरी तरह जर्जर हो चुका है। इसकी स्थिति ऐसी है कि यात्री उसमें बैठना तो दूर, ठहरना भी सुरक्षित नहीं समझते। भवन के रखरखाव के अभाव में यह अब केवल नाम मात्र का प्रतीक्षालय बनकर रह गया है।यात्रियों की सुविधा के उद्देश्य से करीब दो वर्ष पूर्व एक टिनशेड यात्री प्रतीक्षालय भी बनाया गया था। लेकिन इसके निर्माण और स्थान चयन पर गंभीर सवाल उठ रहे हैं। यह टिनशेड मुख्य सड़क के किनारे न बनाकर सड़क से काफी दूर झाड़ियों के बीच स्थापित कर दिया गया है। परिणामस्वरूप वहां बैठने वाले यात्रियों को सड़क पर आने-जाने वाली बसें दिखाई ही नहीं देतीं। बस आने

पर यात्रियों को जल्दबाजी में दौड़कर सड़क तक पहुंचना पड़ता है। जिससे उन्हें असुविधा के साथ-साथ दुर्घटना का भी खतरा बना रहता है।स्थानीय लोगों का कहना है कि यदि टिनशेड को मुख्य सड़क के किनारे उचित स्थान पर बनाया जाता तो यात्रियों को इसका वास्तविक लाभ मिल सकता था। वर्तमान व्यवस्था के कारण अधिकांश यात्री टिनशेड का उपयोग नहीं करते और सड़क किनारे खड़े होकर बसों का इंतजार करने को मजबूर हैं।गौरतलब है कि कायदी बस स्टैंड से प्रतिदिन नागपुर, जबलपुर, भोपाल सहित अनेक प्रमुख शहरों के लिए बसों का संचालन होता है। बड़ी संख्या में विद्यार्थी, कर्मचारी, व्यापारी एवं ग्रामीण क्षेत्र के लोग इसी बस स्टैंड से यात्रा करते हैं। इसके बावजूद यहां यात्रियों के लिए व्यवस्थित, सुरक्षित और सुविधाजनक प्रतीक्षालय की व्यवस्था नहीं होना जिम्मेदार विभाग की कार्यप्रणाली पर प्रश्नचिह्न खड़ा करता है।स्थानीय नागरिकों एवं यात्रियों ने जिला प्रशासन और संबंधित विभाग से मांग की है कि जर्जर पुराने प्रतीक्षालय का शीघ्र जीर्णोद्धार कराया जाए तथा टिनशेड यात्री प्रतीक्षालय को मुख्य सड़क के किनारे उपयुक्त स्थान पर स्थानांतरित किया जाए ताकि यात्रियों को बसों की आवाजाही स्पष्ट दिखाई दे और उन्हें सुरक्षित एवं सुविधाजनक तरीके से बसों का इंतजार करने की सुविधा मिल सके। इससे प्रतिदिन यात्रा करने वाले हजारों यात्रियों को बड़ी राहत मिलेगी।

लाखों की लागत से बनी नाली बनी शोभा की सुपारी, एक घंटे की बारिश में जलमग्न हुआ लालबर्रा बस स्टैंड

यात्रियों और स्थानीय दुकानदारों को हो रही भारी परेशानी, पानी निकासी की व्यवस्था करने की उठी मांग

रिपोर्टर।
पद्मेश न्यूज। लालबर्रा।

नगर मुख्यालय का हृदय स्थल कहा जाने वाला लालबर्रा बस स्टैंड इन दिनों प्रशासनिक उदासीनता और बदइंतजामी का जीता-जागता उदाहरण बन चुका है। रविवार शाम को हुई मानसूनी बारिश ने यहां के ड्रेनेज सिस्टम (जल निकासी व्यवस्था) की पोल खोल कर रख दी है। बस स्टैंड में पानी निकासी की समुचित व्यवस्था नहीं होने के कारण करीब एक घंटे की झमाझम बारिश में ही पूरा बस स्टैंड परिसर तालाब में तब्दील हो गया। इस जलभराव के कारण यहां से गुजरने वाले राहगीरों, यात्रियों और स्थानीय दुकानदारों को भारी दिक्कतों का सामना करना पड़ रहा है। लेकिन जिम्मेदार अधिकारियों द्वारा इस गंभीर समस्या की ओर कोई ध्यान नहीं दिया जा रहा है। यात्रीगण एवं स्थानीय दुकानदारों ने प्रशासन से पानी निकासी की समुचित व्यवस्था बनाने की मांग की है।

लाखों खर्च, फिर भी तकनीकी खामी का शिकार

आपकों बता दे कि विगत वर्ष पूर्व प्रशासन द्वारा बस स्टैंड परिसर से पानी निकासी के लिए लाखों रूपयों की लागत से सड़क किनारे सीसी नाली का निर्माण करवाया गया था। लेकिन नाली निर्माण के समय तकनीकी खामियों को नजरअंदाज कर दिया गया, जिसके कारण पानी की निकासी सही तरीके से नहीं हो पा रही है। इसके साथ ही लंबे समय से इस नाली की साफ-सफाई भी नहीं की गई है। नतीजा यह है कि चंद घंटों की बारिश में भी लालबर्रा बस स्टैंड जलमग्न हो जाता है। प्रशासनिक लापरवाही के कारण लाखों की लागत से बनी यह नाली आज सिर्फ 'शोभा की सुपारी' बनकर रह गई है, जिससे शासकीय राशि का दुरूपयोग के आरोप भी लग रहे हैं। वहीं बारिश का पानी जमा होने से बस स्टैंड स्थित शौचालय की गंदगी और दूषित पानी बहकर सीधे बस स्टैंड के मुख्य हिस्से में जमा हो रहा है। यात्रियों को इसी बदबूदार और कीचड़युक्त पानी के बीच से होकर गुजरना पड़ रहा है, जिससे संक्रामक बीमारियों के फैलने का खतरा भी बढ़ गया है। स्थानीय दुकानदारों और यात्रियों ने प्रशासन के प्रति भारी आक्रोश व्यक्त करते हुए मांग की है कि बस स्टैंड परिसर में जलभराव की इस समस्या का स्थाई निराकरण किये जाये। नाली की तकनीकी कमियों को दूर कर पानी निकासी की समुचित व्यवस्था तत्काल शुरू करने की मांग की है ताकि आम जनता को इस समस्या से राहत मिल सके।

पानी जमा होने से होती है परेशानी - शाकिर

शाकिर खान ने बताया कि लालबर्रा बस स्टैण्ड परिसर का पानी निकासी हेतु गत वर्ष पूर्व सड़क किनारे से सीसी नाली का निर्माण किया गया है लेकिन तकनीकी खामियों के कारण पानी की निकासी नही हो पा रही है। रविवार की शाम में हुई तेज बारिश के कारण पूरा बस स्टैण्ड परिसर में पानी जमा हो गया था एवं पानी निकासी की कोई व्यवस्था न होने से शौचालय और गंदा पानी बहकर सीधे बस स्टैंड के मुख्य हिस्से में जमा हो रहा है। इस दूषित और बदबूदार पानी के बीच से होकर यात्रियों को घुटने-घुटने पानी से पार करना पड़ रहा है। इस दौरान कई राहगीर और मोटरसाइकिल सवार फिसलकर गिर रहे हैं, जिससे लोग चोटिल भी हो रहे हैं और उनके कपड़े खराब हो रहे हैं। लेकिन जिम्मेदारों के द्वारा इस समस्या की ओर कोई ध्यान नही दिया जा रहा है। श्री खान ने बताया कि चंद घंटों की बारिश में बस स्टैण्ड में यह स्थिति निर्मित हो जाती है और यह शुरूआती बारिश है, अभी तो बारिश शुरू हुई है, पूरा अगस्त, सितंबर की बारिश बाकी है। अगर एक-दो दिनों तक निरंतर बारिश होती है तो काफी परेशानी होगी। इसलिए स्थानीय प्रशासन से मांग है कि पानी निकासी की समुचित व्यवस्था करें ताकि यात्री सहित अन्य लोगों को परेशानियों का सामना न करना पड़े।

रामजीटोला में एक माह बाद बदला गया खराब ट्रांसफार्मर, किसानों ने ली राहत की सांस

बिजली समस्या हुई दूर, किसानों ने जताया विद्युत विभाग का आभार, तत्काल सुधार कार्य की उठाई मांग

पद्मेश न्यूज। लालबर्रा। नगर मुख्यालय की ग्राम पंचायत पांढरवानी के अंतर्गत आने वाले ग्राम रामजीटोला के किसानों को आखिरकार एक महीने से चली आ रही बिजली की भारी समस्या से निजात मिल गई है। विद्युत विभाग द्वारा पटबर्रा स्थित कृषि क्षेत्र के मुख्य विद्युत ट्रांसफार्मर को बदलकर नया ट्रांसफार्मर लगा दिया गया है। नया ट्रांसफार्मर लगते ही कृषि क्षेत्र में बिजली की सप्लाई सुचारू रूप से शुरू हो गई है, जिससे क्षेत्र के किसानों ने बड़ी राहत महसूस की है। उल्लेखनीय है कि ग्राम रामजीटोला के पटबर्रा मैदान में लगा कृषि क्षेत्र का मुख्य ट्रांसफार्मर पिछले करीब एक माह से जला हुआ था। इसके कारण खेतों की विद्युत सप्लाई पूरी तरह ठप थी और किसानों का कृषि कार्य बुरी तरह प्रभावित हो रहा था। किसान लगातार विद्युत विभाग के अधिकारियों से संपर्क कर नया ट्रांसफार्मर लगाने की मांग कर रहे थे, लेकिन उन्हें केवल आश्वासन ही मिल रहा था। वहीं परेशान होकर किसानों ने बीते दिनों विद्युत विभाग को ज्ञापन सौंपकर जल्द ट्रांसफार्मर न बदले जाने पर कठोर कदम उठाने की चेतावनी दी थी। साथ ही किसानों की इस गंभीर समस्या को लेकर बालाघाट एक्सप्रेस अखबार में प्रमुखता से समाचार भी प्रकाशित की गई थी। समाचार प्रकाशन और किसानों के आक्रोश को देखते हुए विद्युत विभाग ने त्वरित कार्यवाही करते हुए खराब ट्रांसफार्मर की जगह नया ट्रांसफार्मर स्थापित कर दिया है। जिससे कृषि क्षेत्र में बिजली की समस्या दुर हो चुकी है। करीब एक महीने के लंबे इंतजार के बाद बिजली की समस्या दूर होने पर रामजीटोला के किसानों ने विद्युत विभाग का आभार व्यक्त किया है। इसके साथ ही किसानों ने विभाग से यह मांग भी की है कि भविष्य में कभी ट्रांसफार्मर जलने या उसमें कोई तकनीकी खराबी आने पर उसे तत्काल दुरूस्त करें और निर्बाध बिजली सप्लाई सुनिश्चित की जाये। ताकि किसी भी किसान को इस तरह की परेशानी से न जूझना पड़े।

टेंगनीकला-मोहगांव जाम मार्ग बदहाल, जानलेवा गड्ढे दे रहे दुर्घटनाओं को दावत

सड़क खराब एवं गड्ढों में पानी जमा होने से राहगीर एवं ग्रामीणों को आवागमन में हो रही परेशानी, जिम्मेदार मौन, मरम्मत की उठी मांग

पद्मेश न्यूज। लालबर्रा। नगर मुख्यालय से लगभग 5 किमी दूर स्थित टेंगनीकला से मोहगांव जाम पहुंच मार्ग वर्तमान में अपनी दुर्दशा पर आंसू बहा रहा है। विकास के दावों को मुंह चिढ़ाती यह सड़क पूरी तरह से खस्ताहाल हो चुकी है। मार्ग पर जगह-जगह बड़े और गहरे गड्ढे हो चुके हैं। अब यह गड्ढे राहगीरों व ग्रामीणों के लिए सड़क मुसीबत बन चुकी है। सबसे बदतर स्थिति इस मानसूनी सीजन में हो गई है, जहां प्रशासनिक उदासीनता का खामियाजा आम जनता को भुगतना पड़ रहा है। स्थानीय ग्रामीणों एवं राहगीरों ने बताया कि लगातार हो रही बारिश के कारण सड़क पर बने इन बड़े-बड़े जानलेवा गड्ढों में पानी जमा हो रहा है। पानी जमा होने की वजह से वाहन चालकों को गड्ढों की गहराई का अंदाजा नहीं मिल पाता। नतीजा यह हो रहा है कि दुपहिया और चौपहिया वाहन चालकों सहित अन्य लोगों को आवागमन करने में बेहद परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है और हर समय बड़ी दुर्घटना होने की संभावना बनी हुई है। लेकिन जिम्मेदारों के द्वारा इस समस्या की ओर कोई ध्यान नही दिया जा रहा है जिससे ग्रामीणजनों एवं राहगीरों में प्रशासन के प्रति आक्रोश व्याप्त है।

दर्जनों गांवों की कनेक्टिविटी हुई प्रभावित

आपकों बता दे कि टेंगनीकला से मोहगांव जाम मार्ग कोई आम रास्ता नहीं है, बल्कि यह क्षेत्र के दर्जनों गांवों को आपस में जोड़ने वाला मुख्य मार्ग (लाइफलाइन) है। इस मार्ग का विगत वर्ष पूर्व निर्माण किया गया था लेकिन निर्माण कार्य गुणवत्तापूर्ण नही होने के कारण सड़क का खस्ताहाल हो चुका है। साथ ही जगह-जगह बड़े-बड़े गड्ढे बन गये है जिसके कारण आवागमन करने वालों को बेहद परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है। जबकि प्रतिदिन सैकड़ों की संख्या में ग्रामीण, स्कूली बच्चे, प्रसव जननी महिलाएं और किसान अपनी दैनिक आवश्यकताओं और इलाज के लिए इसी मार्ग से होकर गुजरते हैं। सड़क की इस कदर खराबी से न केवल आवागमन प्रभावित हो रहा है, बल्कि आपातकालीन स्थिति में एम्बुलेंस जैसी गाड़ियों को भी पहुंचने में भारी मशक्तत करनी पड़ रही है। वहीं एक स्थान पर सड़क के बीच एवं बाजू में बहुत बड़ा गड्ढा बन चुका है। अगर गड्ढे से बचने के लिए लोग पटरी किनारे से वाहन से निकलते है लेकिन पटरी किनारे बड़ी नाली बनी हुई है। अगर वाहन अनियंत्रित होता है तो वे सीधे कच्ची बड़ी नाली में गिर सकते है जिससे बहुत बड़ा हादसा घटित हो सकता है। इस गंभीर समस्या को लेकर कई बार शासन-प्रशासन के आला अधिकारियों को लिखित और मौखिक रूप से अवगत करवा दिया गया है। लेकिन हर बार सिर्फ खोखले आश्वासन ही मिल रहे है। ऐसा लगता है कि प्रशासन किसी बड़ी अनहोनी या जनहानि का इंतजार कर रहा है। सड़क के खस्ताहाल की ओर प्रशासन का कोई ध्यान नही है जिससे राहगीर एवं ग्रामीणजनों में आक्रोश व्याप्त है। ग्रामीणजन एवं राहगीरों ने शासन-प्रशासन से वर्तमान में सड़क में बने जानलेवा गड्ढों एवं सड़क का मरम्मत कार्य करवाने एवं बरसात के बाद नवीन डामरीकरण सड़क का निर्माण करवाने की मांग की है।

आदिवासी क्षेत्रों की शालाओं और छात्रावासों का सहायक आयुक्त का औचक निरीक्षण

पद्मेश न्यूज। बालाघाट। जनजातीय कार्य विभाग की सहायक आयुक्त श्रीमती शकुंतला डामोर ने शनिवार 18 जुलाई को आदिवासी बाहुल्य क्षेत्रों की शालाओं, छात्रावासों एवं आश्रमों का औचक निरीक्षण कर वहां की व्यवस्थाओं का जायजा लिया। निरीक्षण के दौरान उन्होंने छात्रावास अधीक्षकों की बैठक लेकर विद्यार्थियों से सीधे संवाद किया तथा उनकी समस्याएं सुनकर उनके शीघ्र समाधान के निर्देश संबंधित अधिकारियों को दिए। निरीक्षण के दौरान श्रीमती डामोर ने डाबरी, पाथरी, सोनगुड्डा और मोहनपुर हायर सेकेंडरी स्कूलों के साथ-साथ डाबरी, पाथरी, सोनगुड्डा, बिठली, सोनपुरी, उकवा एवं मोहनपुर छात्रावासों का निरीक्षण किया। उन्होंने छात्रावास भवनों की स्थिति, क्षतिग्रस्त भवनों तथा विद्यार्थियों को उपलब्ध कराई जा रही सुविधाओं की विस्तार से समीक्षा की। निरीक्षण में मोहनपुर हायर सेकेंडरी स्कूल में कंप्यूटर कक्षा का नियमित संचालन नहीं पाया गया। इस लापरवाही पर विद्यालय की प्राचार्य श्रीमती चित्ररेखा मेश्राम को कारण बताओ नोटिस जारी कर स्पष्टीकरण प्रस्तुत करने के निर्देश दिए गए। अधीक्षकों की बैठक में डाबरी आश्रम की अधीक्षिका श्रीमती आशा नागदेवे तथा कन्या छात्रावास बिठली की अधीक्षिका सुश्री प्रियंका काले के बिना सूचना अनुपस्थित रहने पर उनके विरुद्ध कारण बताओ नोटिस जारी करने के निर्देश दिए गए। वहीं सीनियर बालक छात्रावास उकवा के अधीक्षक श्री रामलाल पटले के विरुद्ध कक्षा 11वीं एवं 12वीं के पात्र विद्यार्थियों को प्रवेश नहीं देने की शिकायत मिलने पर भी नोटिस जारी करने के निर्देश दिए गए। सहायक आयुक्त ने स्पष्ट कहा कि पात्रता रखने वाले सभी विद्यार्थियों को उपलब्ध सीटों के अनुसार छात्रावास में प्रवेश दिया जाए। निरीक्षण के दौरान डाबरी स्कूल के विद्यार्थियों ने पेयजल की समस्या और क्षेत्र में मलेरिया के बढ़ते प्रकोप की जानकारी दी। इस पर श्रीमती डामोर ने विद्यालय के प्राचार्य को तत्काल विद्यार्थियों के लिए वाटर कूलर स्थापित कराने तथा बिरसा के खंड चिकित्सा अधिकारी से समन्वय कर बचों का नियमित स्वास्थ्य परीक्षण सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। उन्होंने विद्यालय में स्मार्ट क्लास का नियमित संचालन कर गुणवत्तापूर्ण शिक्षा उपलब्ध कराने पर भी विशेष जोर दिया। सहायक आयुक्त श्रीमती डामोर ने कहा कि छात्र-छात्राओं की शिक्षा, स्वास्थ्य और छात्रावासों की व्यवस्थाओं में किसी भी प्रकार की लापरवाही बर्दाश्त नहीं की जाएगी तथा सभी अधिकारी अपनी जिम्मेदारियों का पूरी गंभीरता से निर्वहन करें।

आज निकलेगी भगवान जगन्नाथ की भव्य रथयात्रा, श्रध्दालुओं में भारी उत्साह

पद्मेश न्यूज। लालबर्रा। नगर मुख्यालय से सटी ग्राम पंचायत अमोली स्थित बजरंग मंदिर से 20 जुलाई को शाम 4 बजे भगवान जगन्नाथ की भव्य रथ यात्रा निकाली जायेगी। लालबर्रा क्षेत्र में पहली बार भगवान जगन्नाथ की रथयात्रा का आयोजन किया जा रहा है, जिसे लेकर स्थानीय हिंदू धर्मावलंबियों में भारी उत्साह और उमंग का माहौल है। आयोजन समिति के पदाधिकारियों ने बताया कि भगवान जगन्नाथ की भव्य रथयात्रा ग्राम अमोली एवं नगर मुख्यालय के विभिन्न मार्गों का भ्रमण करते हुए मानपुर के अस्पताल कॉलोनी स्थित श्री मनकामेश्वर मंदिर पहुंचेगी। वहीं श्री मनकामेश्वर मंदिर में भगवान की विशेष पूजा-अर्चना और आरती के पश्चात महाप्रसादी का वितरण किया जायेगा जिसके साथ ही इस धार्मिक कार्यक्रम का समापन होगा। इस अवसर पर समस्त श्रध्दालुजनों से आग्रह किया गया है कि वे अधिक से अधिक संख्या में इस भव्य रथयात्रा में सम्मिलित होकर धर्मलाभ अर्जित करें और भगवान जगन्नाथ जी का आशीर्वाद प्राप्त करें।

भगवान जगन्नाथ की रथ यात्रा में उमड़ी भक्तों की भीड़

आस्था के साथ यात्रा में शामिल होकर लोगों ने खींचा भगवान जगन्नाथ का रथ

पद्मेश न्यूज। वारासिवनी। नगर में दूसरे वर्ष भी भगवान जगन्नाथ की रथ यात्रा का १९ जुलाई को श्री रामलला सेवा समिति एवं सहयोगी इस्कॉन बालाघाट के तत्वाधान में आयोजन किया गया। यह रथ यात्रा जगन्नाथ पुरी में निकाली जाने वाली भगवान जगन्नाथ रथ यात्रा की तर्ज पर हर्ष उल्लास के साथ निकाली गई। इस रथयात्रा में एक रथ के ऊपर भगवान जगन्नाथ, भाई बलभद्र और बहन सुभद्रा विराजित रहे। जगह.जगह लोगों के द्वारा शोभायात्रा का दुगने उत्साह के साथ स्वागत किया गया तो वहीं लोगों के द्वारा भगवान जगन्नाथ की आरती उतार कर आशीर्वाद ग्रहण किया जाता रहा। जहां उपस्थित लोगों के द्वारा भगवान जगन्नाथ के संगीतमय गीतों का वाचन कर जमकर नृत्य किया गया।

श्री कृष्ण मंदिर से निकाली गई रथ यात्रा

नगर के जैन मोहल्ला स्थित भगवान श्री कृष्ण मंदिर से भगवान जगन्नाथ की रथ यात्रा निकाली गई। इस दौरान भगवान श्री कृष्ण मंदिर में भगवान जगन्नाथ ,भाई बलभद्र ,बहन सुभद्रा की प्रतिमा विराजित की गई जहां पर संगीतमय भजन कीर्तन किए गए। तत्पश्चात मंदिर से निकलकर भगवान को रथ पर विराजित किया गया। जहां पूजा अर्चना के पश्चात आरती कर रथ यात्रा प्रारंभ की गई। जो गोलीबारी चौक ,आंबेडकर चौक ,नहेरु चौक ,जय स्तंभ चौक ,दीनदयाल चौक सहित विभिन्न चौक चौराहों का भ्रमण करते हुए वापस श्री राम मंदिर पहुंची। जहाँ भगवान जगन्नाथ की पूजा अर्चना कर उन्हें ५६ भोग लगाकर आरती की गई। तत्पश्चात महाप्रसादी स्वरूप भगवान जगन्नाथ की भात का वितरण किया गया। इस रथ यात्रा के दौरान भक्तो ने भगवान के रथ को अपने हाथो से खींचा वही रथ यात्रा में भक्तो का हुजूम नजर आया। इस नगर भ्रमण के दौरान हरे राम, हरे कृष्णा, हरे कृष्णा, हरे हरे की धुन गूंजते रही जहां पर लोगों के द्वारा जगह जगह जमकर नृत्य भी किया जाता रहा।

भगवान जगन्नाथ का रथ रहा आकर्षण का केंद्र

इस रथ यात्रा को अनुपम बनाने के लिए रथ यात्रा की बहुत ही सुंदर साज सज्जा की गई थी। भगवान जगन्नाथ ,भाई बलभद्र और बहन सुभद्रा रथ में विराजित कर नगर भ्रमण कराया गया। यह दूसरे वर्ष निकाली गई रथ यात्रा आकर्षण का केंद्र रही। वहीं अगले वर्ष और इसे भव्य रूप में निकाली जाने की बात समिति द्वारा कहीं गई। रथ यात्रा के दौरान बारिश के होते हुए भी भक्तों ने दोनों ओर लगे रस्से को हाथ से भक्तों ने रथ को खींचा। मंदिर से प्रारंभ होकर जैसे जैसे भगवान जगन्नाथ का रथ आगे बढ़ रहा था। भक्तों की अपार संख्या रथ को खींचने उमड़ पड़ी। हर कोई भगवान के रथ को खींचने खुद को धन्य मान रहा था।

जनप्रतिनिधियों ने भगवान जगन्नाथ का लिया आशीर्वाद

भगवान जगन्नाथ की रथ यात्रा में भ्रमण के दौरान जगह.जगह पुष्प वर्षा की गई भक्तों ने भगवान जगन्नाथ के दर्शन किए। वहीं रथ यात्रा में पुरुषों के साथ साथ महिलाओं की संख्या भी दिखाई दी। ढोल.नगाडो के साथ निकाली गई भगवान जगन्नाथ की यात्रा के दौरान विविध सामाजिक व धार्मिक संगठन के पदाधिकारी भी मौजूद रहे। वहीं भगवान जगन्नाथ की रथयात्रा में पूर्व मंत्री प्रदीप जायसवाल, विधायक विवेक पटेल, पूर्व विधायक डॉक्टर योगेंद्र निर्मल ,समाज सेवी संजय सिंह कछवाहा, विनय सुराना सहित अन्य लोग शामिल हुए। जिनके द्वारा भगवान जगन्नाथ के सामने माथा टेक कर नगर सहित क्षेत्र की सुख शांति समृद्धि की कामना कर रथ यात्रा के दौरान उपस्थिति बनाकर नगर भ्रमण किया गया।

जगह.जगह पानी और शरबत का किया गया वितरण

भगवान जगन्नाथ की रथ यात्रा के दौरान नगर के विभिन्न चौक चौराहा पर हिंदू धर्मलंबियों एवं गैर हिंदू धर्मलंबियों के द्वारा स्टाल लगाकर यात्रा में शामिल लोगों को शरबत और पानी का वितरण कर यात्रा का स्वागत किया जाता रहा। इस दौरान यात्रा का स्वागत कर शामिल लोगों को पानी का वितरण किया गया।

चप्पे चप्पे पर प्रशासन रहा मुस्तैद

नगर के विभिन्न चौक चौराहा और गलियों सहित संवेदनशील असंवेदनशील सभी प्रकार के स्थानों पर सुबह से पुलिस प्रशासन पूरी तरह मुस्तैदी के साथ खड़ा रहा। इस दौरान जिला पुलिस बल से फोर्स बुलाकर नगर में मुस्तैद कराया गया। वहीं रथ यात्रा के दौरान सभी अधिकारी थाना स्टाफ के साथ यात्रा के सामने निगरानी बनाए रखें। तो वहीं यात्रा के निकलने के लिए रूट डायवर्ट जैसी व्यवस्था बनाई जाती रही।

खैरलांजी में बनने वाले हॉस्पिटल के निर्माण कार्य स्थल का विधायक विवेक पटेल ने किया निरीक्षण

स्वास्थ्य के क्षेत्र में ग्रामीण क्षेत्रों के मरीजों को मिलेगा लाभ- विवेक पटेल

पद्मेश न्यूज। वारासिवनी। खैरलांजी में बनने वाले ५० बिस्तरीय हॉस्पिटल के निर्माण कार्य स्थल का विधायक विवेक पटेल ने संबंधित अधिकारियों के साथ निरीक्षण किया। विधायक विवेक पटेल ने हॉस्पिटल के निर्माण कार्यों की समीक्षा करते हुए अधिकारियों को चेतावनी दी कि निर्माण कार्य में अब देरी नहीं होनी चाहिए। वहीं एसडीओ विवेक साकरे ने विधायक विवेक पटेल को नक्शे के माध्यम से बनने वाले हॉस्पिटल के निर्माण कार्यों के बारे में अवगत कराया। वहीं विधायक विवेक पटेल ने समय सीमा के पूर्व निर्माण कार्य पूर्ण करने के निर्देश दिए। इस दौरान बीएमओ खिलेंद्र पाल, एसडीओ विवेक साकरे, इंजीनियर राजेश सिंह,स्वास्थ्य विभाग के सब इंजीनियर राकेश राहंगडाले, देवीप्रसाद लिल्हारे, नरेंद्र राहंगडाले, सुरेश दमाहे ,राजकुमार चौधरी,विक्की लिल्हारे,ज्ञानीराम लिल्हारे,सोनू पटले, विकास करपगए,अमित थोटे सहित ग्रामवासी मौजूद रहे। अधिकारियों ने विधायक विवेक पटेल को अवगत कराया कि १० करोड़ रुपयों की लागत से बनने वाला नवीन भवन सुसज्जित होगा। भू.तल पर ओपीडीए और ऊपरी तल पर जांच लैब और नीचे व ऊपरी तल पर मरीज वॉर्ड रहेगा। हॉस्पिटल के आवश्यकता के अनुसार फर्नीचर और उपकरण उपलब्ध कराएं जाएंगे। वहीं पुराने भवन को तोड़ने की प्रकिया प्रारंभ हो चुकी है। जिसके बाद कुछ महीनों तक मरीजों को समस्याओं को जूझना पड़ सकता है। हालांकि मरीजों को किसी भी प्रकार की परेशानी ना हो,हॉस्पिटल प्रबंधक ने पूरी व्यवस्था कर चुके है। ५० बिस्तरीय हॉस्पिटल का निर्माण कार्य ११ माह में पूर्ण करने को कहा है। विधायक विवेक पटेल ने प्रदेश के मुख्यमंत्री डॉक्टर मोहन यादव और स्वास्थ्य मंत्री से मुलाकात कर खैरलांजी में लंबे समय से स्वास्थ्य सेवाओं को बेहतर बनाने के लिए शासन प्रशासन से निर्माण कार्य प्रारंभ करवाने की मांग की थी। उन्होंने पत्र के माध्यम से उल्लेख किया था कि खैरलांजी क्षेत्र के सैकड़ों गांव के मरीजों को इलाज करवाने महाराष्ट्र या बालाघाट दूर जाना पड़ता है। विधायक विवेक पटेल के पत्र को गंभीरता से लेते हुए अधिकारियों ने बेहतर स्वास्थ्य सुविधाएं मिलने के उद्देश्य से निर्माण कार्य प्रारंभ करने का आदेश जारी किया है। विधायक विवेक पटेल ने कहा कि हॉस्पिटल के सभी लंबित कार्यों को तेजी से पूर्ण करने के निर्देश दिए है। हॉस्पिटल का निर्माण कार्य शीघ्र पूर्ण होने के पश्चात क्षेत्र वासियों को बेहतर स्वास्थ्य सुविधाएं मिलेगी और स्थानीय जनता को बड़ी राहत मिलेगी। स्थानीय निवासियों को अब बालाघाट या महाराष्ट्र इलाज के लिए नहीं जाना पड़ेगा। गंभीर मरीजो को समय पर इलाज मिल सकेगा। निर्माण कार्य पूर्ण होने के पश्चात सभी सुविधाएं इसी हॉस्पिटल में मिलेगी। वहीं डाक्टरों की कमी को भी बहुत जल्द पूरा किया जाएगा। वहीं उन्होंने कहा कि राशि के आभाव में निर्माण कार्य में देरी हुई है। विधायक बनने के बाद खैरलांजी में हमने १३२ केवी सबस्टेशन,शासकीय आई टी आईए और ५० बिस्तरीय हॉस्पिटल का क्षेत्र वासियों को सौगात दी है। बहुत जल्द तहसील कार्यालय लाने का भी प्रयास कर रहे है। हमने चुनाव के समय क्षेत्र वासियों से जो वादे किए थे उन्हीं वादों को पूरा कर रहे है।

सिकंद्रा कोस्ते के बीच डेंजर ज़ोन बनी पुलिया प्रशासन मौन

अंधा मोड़ गहरा ढलान और टूटी रेलिंग, ग्रामीणों ने की ब्लैक स्पॉट घोषित करने की मांग

पद्मेश न्यूज। वारासिवनी। वारासिवनी जनपद पंचायत अंतर्गत आने वाले ग्राम सिकंद्रा और कोस्ते के मध्य स्थित नाले की पुलिया इन दिनों राहगीरों के लिए काल का गाल साबित हो रही है। डोंगरमाली मार्ग पर स्थित यह पुलिया धीरे धीरे एक बड़े ब्लैक स्पॉट में तब्दील हो चुकी है। जहाँ बीते कुछ ही दिनों में कई गंभीर सड़क हादसे घटित हो चुके हैं। इसके बावजूद शासन प्रशासन की ओर से सुरक्षा के कोई मुकम्मल इंतजाम नहीं किए गए हैं जिससे ग्रामीणों और राहगीरों में गहरा आक्रोश व्याप्त है।

रोजाना हजारों वाहनों का आवागमन जोखिम में जिंदगियाँ

प्राप्त जानकारी के अनुसार यह नाला ग्राम सिकंद्रा और कोस्ते की सरहद निर्धारित करता है। डोंगरमाली मार्ग का यह हिस्सा बेहद व्यस्तम मार्गों में से एक है जहाँ से रोजाना हजारों की संख्या में छोटे बड़े वाहनों का आना जाना होता है। क्षेत्र के बड़ी संख्या में ग्रामीण अपनी दैनिक आवश्यकता , रोजगार, शिक्षा और स्वास्थ्य संबंधी कार्यों के लिए इसी मार्ग से होकर वारासिवनी मुख्यालय पहुँचते हैं। ऐसे में इस क्षतिग्रस्त पुलिया की वजह से हर पल किसी बड़ी अनहोनी की आशंका बनी रहती है। इस पुलिया की भौगोलिक बनावट ऐसी हैं की कोस्ते ग्राम की ओर जाते समय यहाँ एक गहरा ढलान है जिसके तुरंत बाद एक खतरनाक अंधा मोड़ आता है। सड़क इतनी संकरी है कि जब सामने से कोई भारी वाहन जैसे ट्रक, ट्रैक्टर या डंपर आता है तो मोटरसाइकिल चालकों या पैदल चलने वालों को मजबूरी में सड़क से नीचे उतरना पड़ता है। सड़क के किनारे साइड शोल्डर पूरी तरह से धंस चुके हैं इस पुलिया की सुरक्षा रेलिंग पूरी तरह से टूट चुकी है। हादसे का शिकार होने वाले लोगों के लिए यह टूटी रेलिंग और अधिक जानलेवा साबित हो रही है। पुलिया के किनारे बिखरे सीमेंट के ९.इंची ब्लॉक और बाहर की ओर निकले नुकीले लोहे के सरियों से टकराकर कई बाइक सवार गंभीर रूप से घायल हो चुके हैं। इसके अलावा सड़क पर दूर दूर तक फैली रेत और मुरुम के कारण दोपहिया वाहन लगातार स्लिप हो रहे हैं जिससे आए दिन लोग चोटिल हो रहे हैं। वर्तमान में इस मार्ग से गुजरने वाले राहगीर बेहद डर और सहम के साए में यात्रा करने को मजबूर हैं। ग्रामीणों ने मांग की है कि इस डेंजर जोन को तत्काल ब्लैक स्पॉट निर्धारित किया जायें पुलिया के दोनों ओर आवश्यक चेतावनी बोर्ड लगा कर साइड शोल्डर को दुरुस्त कर आवश्यक कार्य किया जायें।

मार्ग सकरा है जिससे आये दिन दुर्घटनायें हो रही है-विक्की बिसेन

राहगीर विक्की बिसेन ने बताया की मैं ऑटो चलाता हूं रोजाना इस मार्ग पर पुलिया के ऊपर से होकर आना जाना लगा रहता है। आगे जो टर्निंग है वहां स्पष्ट कुछ समझ नहीं आता है अचानक कोई भी वाहन सामने आ जाता है कई बार दुर्घटनाओं से बचाना होता है। यह मार्ग भी सकरा है और पुलिया पर आजू.बाजू साइड शोल्डर खाली है जहां ऑटो उतारने के बाद चढ़ाना मुश्किल हो जाता है। हर समय तकलीफ होती है इस पर जिम्मेदार अधिकारियों ने ध्यान देना चाहिए। कोस्ते जाते समय वाहन की गति बहुत ज्यादा होती है क्योंकि ढलान के कारण यह गति बढ़ जाती है और आगे अंधा मोड़ है जहां आगे का दिख नहीं पता है यह सबसे बड़ी दिक्कत है।

प्रशासन को पुलिया पर ध्यान देकर व्यवस्था बनानी चाहिए-पियूष बसंतवानी

राहगीर पियूष बसंतवानी ने बताया यह डोंगरमाली रोड़ है यातायात बहुत ज्यादा रहता है पिछले कुछ दिनों से देखने में आ रहा है की दुर्घटनाएं बढ़ गई है। इसका कारण सड़क पर रेत और मुरुम जो फैली हुई है उससे मोटरसाइकिल स्लिप हो रही है। तो वही अचानक बड़ा वाहन सामने आ जाने के कारण भी वाहन अनियंत्रित हो जाते हैं। अभी कुछ दिन पहले ही एक व्यक्ति यहां पर बहुत ज्यादा चोटिल हो गया था जिसे जिला चिकित्सालय भेजना पड़ा था। प्रशासन को इस पुलिया पर ध्यान देकर आवश्यक व्यवस्था बनानी चाहिए।

पुलिया की रेलिंग पूरी तरह टूट गई है- हेमराज चौधरी

ग्रामीण हेमराज चौधरी ने बताया की मैं सिकंद्रा रहता हूं यही पास में हमारा मकान है लगातार हम यहां पर दुर्घटनाएं देखते रहते हैं। कई बार तो बहुत ज्यादा गंभीर छोटे लोगों को आ जाती है यह जो पुलिया है इसके दोनों तरफ साइड शोल्डर कांक्रेट के धसे हुए हैं वहीं रेलिंग भी पूरी तरह टूट गई है। जिससे मोटरसाइकिल चालक बड़े वाहन आता देख पहले पुलिया क्रॉस करने या पुलिया के पहले रुकने को देखते है और इसी में हादसे हो जाते हैं। यहां पर हर समय दुर्घटना की संभावना बनी रहती है सुरक्षा के कोई इंतजाम यहां पर जिम्मेदार अधिकारियों के द्वारा नहीं किए गए हैं। सड़क जब बनी थी तो पुलिया पर चौड़ी बनाना था परंतु वह भी नहीं किया गया जिस कारण से अब दिक्कतें हो रही है।

चंदन नदी में नहाने गए चार बच्चों में से एक लापता

पुलिस का रेस्क्यू और सर्च ऑपरेशन जारी

पद्मेश न्यूज। वारासिवनी। नगर के समीप से गुजरने वाली चंदन नदी में १९ जुलाई की शाम को एक बड़ा हादसा सामने आया है। नदी में नहाने गए चार बच्चों में से एक ११ वर्षीय बालक अचानक लापता हो गया। घटना की सूचना मिलते ही स्थानीय पुलिस प्रशासन तुरंत हरकत में आया और मौके पर पहुंचकर जांच व तलाश शुरू कर दी। हालांकि रात का अंधेरा होने के कारण रेस्क्यू ऑपरेशन में भारी दिक्कतों का सामना करना पड़ रहा है। प्राप्त जानकारी के अनुसार नगर के वार्ड नंबर १३ के रहने वाले चार बच्चे शाम के समय नहाने के लिए चंदन नदी की ओर निकले थे। चारों बच्चे रामपायली चौक से पुरानी महेंदीवाड़ा सड़क होते हुए नदी किनारे पहुंचे और पानी में उतरकर स्नान करने लगे। सभी बच्चे नदी में नहाने का आनंद ले रहे थे कि तभी अचानक एक बड़ा हादसा हो गया। नहाने के दौरान ११ वर्षीय बालक श्रेयांश पिता देवेंद्र देशमुख अचानक गहरे पानी में चला गया और कहीं नजर नहीं आया। जब उसके साथियों ने श्रेयांश को आसपास नहीं पाया तो वे घबरा गए। श्रेयांश के लापता होने के तुरंत बाद नदी से बाहर निकले तीनों बच्चों

ने बिना वक्त गंवाए दौड़कर उसके परिजनों को घटना की जानकारी दी। बच्चे के गायब होने की खबर सुनते ही परिवार में हड़कंप मच गया और आनन.फानन में परिजन व स्थानीय लोग नदी किनारे पहुंचे। ग्रामीणों और परिजनों ने अपने स्तर पर तुरंत मौके पर छानबीन और खोजबीन शुरू कर दी। साथ ही पुलिस को सूचित किया घटना की सूचना मिलते ही पुलिस प्रशासन की टीम दल बल के साथ तुरंत मौके पर पहुंच गई। पुलिस ने गोताखोरों और स्थानीय लोगों की मदद से बालक की तलाश शुरू करवाई। लेकिन शाम ढलने और देखते ही देखते घना अंधेरा हो जाने के कारण नदी के गहरे पानी में रेस्क्यू अभियान चलाना बेहद चुनौतीपूर्ण और असंभव प्रतीत होने लगा। फ्लिहाल सुरक्षा और रात के जोखिम को देखते हुए बड़े पैमाने पर रेस्क्यू को रोकना पड़ा है लेकिन पुलिस प्रशासन पूरी तरह मुस्तैद है। पुलिस बल द्वारा नदी के संभावित क्षेत्रों और किनारों पर जगह जगह निगरानी रखी जा रही है और लगातार तलाश अभियान चलाया जा रहा है। प्रशासन के द्वारा सुबह होते ही दोबारा सघन सर्च ऑपरेशन शुरू करने की तैयारी की जा रही है।

ज़िंदगी और कूटनीति-शतरंज सिर्फ खेल नहीं, जीने का सलीका है

जब खेल खत्म होता है, तो राजा और प्यादा दोनों एक ही डिब्बे में बंद कर दिए जाते हैं। शतरंज की बिसात का यह सबसे सीधा नियम, असल में हमारी जिंदगी का भी सबसे बड़ा कड़वा सच है। आज दुनिया अंतर्राष्ट्रीय शतरंज दिवस मना रही है लेकिन यकीन मानिए, यह महज किसी एक खेल का जश्न नहीं है। यह तो इंसानी दिमाग के उस अनोखे जादू का सम्मान है, जो लकड़ी के चंद टुकड़ों और 64 खानों के भीतर पूरी कायनात के फैसले तय कर देता है। आज के इस दौर में, जब मोबाइल की रील्स और शॉर्ट्स ने हमारी गहराई से सोचने की आदत को लगभग खत्म कर दिया है, शतरंज की अहमियत पहले से कहीं ज्यादा बढ़ गई है। एक मजे की बात देखिए, जिस खेल को आज पूरी दुनिया कूटनीति और दिमाग की सबसे बड़ी कसौटी मानती है, उसकी असली जड़ें हमारे अपने हिंदुस्तान में हैं। सदियों पहले हमारे पुरखे इसे चतुरंग कहते थे। भारत की मिट्टी से निकला यह खेल दुनिया भर का चक्कर लगाकर आज वापस अपने घर में एक नए अवतार में लौट आया है। आज जब हम इस खेल को देखते हैं, तो सीना गर्व से चौड़ा हो जाता है। भारतीय शतरंज इस समय अपने स्वर्णिम दौर में है। विश्वनाथन आनंद ने जिस सिलसिले को शुरू किया था, उसे आज डी. गुकेश, आर. प्रज्ञानंद और अर्जुन एरिगैसी जैसे युवाओं ने दुनिया के नक्शे पर चमका दिया है। इन लड़कों ने दुनिया के बड़े-बड़े धुरंधरों को घुटने टेकने पर मजबूर कर दिया है और यह साबित किया है कि भारत सिर्फ शतरंज की शुरुआत करने वाला देश नहीं है, बल्कि इसका बॉस भी है। पर क्या शतरंज को सिर्फ एक खेल के चश्मे से देखना सही होगा? बिल्कुल नहीं। अगर आप इसे थोड़ा ठहरकर समझेंगे, तो यह लाइफ मैनेजमेंट की सबसे बेहतरीन गाइड बुक है। यह खेल हमें सिखाता है कि आप जो भी कदम उठाते हैं, उसकी एक कीमत चुकानी पड़ती है। बिना सोचे-समझे चली गई एक भी लापरवाही भरी चाल आपको बर्बादी की तरफ ले जा सकती है। यही बात हमारी रोजमर्रा की जिंदगी पर भी फिट बैठती है। आज की हमारी नई पीढ़ी, जो हर चीज में तुरंत नतीजा चाहती है और बहुत जल्दी धैर्य खो देती है, उसके लिए शतरंज से बड़ा कोई गुरु नहीं हो सकता। यह खेल हमें ठंडे दिमाग से सोचना सिखाता है और यह भी बताता है कि कभी-कभी किसी बड़ी कामयाबी को पाने के लिए अपने छोटे-छोटे स्वार्थों या प्यादों की कुर्बानी भी देनी पड़ती है। सिर्फ जिंदगी ही क्यों, आज की ग्लोबल पॉलिटिक्स और अखबारों के पहले पन्ने की खबरों को समझने के लिए भी शतरंज की बिसात सबसे बढ़िया जरिया है। दुनिया के ताकतवर देशों के बीच जो इस वक्त खींचतान चल रही है, वो और कुछ नहीं बल्कि शह और मात का ही खेल है। वहां भी कमजोरों को मोहरा बनाकर आगे कर दिया जाता है और असली खिलाड़ी पीछे बैठकर रिमोट कंट्रोल चलाते हैं। जो नेता या देश दूर की चाल नहीं भांप पाता, वो इतिहास के पन्नों में हमेशा के लिए मात खा जाता है। वैश्विक राजनीति की इस बिसात पर आज कोई भी देश पूरी तरह आज़ाद नहीं है। भारत भी इस समय एक ऐसी मुश्किल स्थिति में है, जहाँ उसे अपनी जरूरतों के लिए रूस से दोस्ती भी निभानी है और व्यापार के लिए अमेरिका के साथ भी तालमेल बिठाना है। दुनिया में जब भी कोई नया तनाव या युद्ध शुरू होता है, तो किसी एक बड़ी ताकत के पीछे आंख मूंदकर चलने के बजाय, अपने देश के फायदे को ध्यान में रखकर कदम उठाना ही असली कूटनीति है। तनाव के इस दौर के बीच, आज कंप्यूटर और एआई खेल के मैदान पर इंसानों से कहीं ज़्यादा तेजी से चालें सोच लेते हैं। लेकिन इसके बावजूद शतरंज का असली मानवीय रोमांच कभी कम नहीं हो सकता। कोई भी सॉफ्टवेयर उस इंसानी दिमाग की जगह नहीं ले सकता, जो हार के डर और भारी दबाव के बीच भी अपनी सूझबूझ से हारी हुई बाजी पलट देता है।

विक्रम-1 से भारत-ब्रिटेन एफटीए तक -क्या जुलाई 2026 विश्व अर्थव्यवस्था और भारतीय शेयर बाजार का टर्निंग पॉइंट है?

वैश्विक स्तरपर जुलाई 2026 के दूसरे सप्ताह में विश्व और भारत में अनेक ऐसी घटनाएं हुई जिन्होंने निवेशकों,उद्योग जगत, नीति-निर्माताओं तथा वैश्विक वित्तीय संस्थानों का ध्यान अपनी ओर आकर्षित किया। रविवार दिनांक 18 जुलाई 2026 को भारत में निजी क्षेत्र के पहले ऑर्बिटल रॉकेट विक्रम-1 के प्रक्षेपण की दिशा में ऐतिहासिक प्रगति जिसने पूरे विश्व का ध्यान आकर्षित किया,भारत-ब्रिटेन मुक्त व्यापार समझौते का 15 जुलाई से लागू होना,20 जुलाई से 13 अगस्त 2026 प्रारंभ होने वाला संसद का मानसून सत्र,पश्चिम एशिया में ईरान-अमेरिका संघर्ष का विस्तार तथा होरमुज़ क्षेत्र में बढ़ता सैन्य तनाव,साथ ही ट्रांसपेरेंसी इंटरनेशनल की भ्रष्टाचार धारणा रिपोर्ट जैसे घटनाक्रम केवल समाचार नहीं हैं, बल्कि वैश्विक पूंजी प्रवाह,ऊर्जा कीमतों,मुद्रा बाजार, निवेश विश्वास और आर्थिक विकास को प्रभावित करने वाले महत्वपूर्ण कारक हैं। जिस पर पूरे विश्व की निगाहें हैं इसलिए मैं एडवोकेट किशन सनमुखदास भावनानीं गोंदिया महाराष्ट्र पूरे भारत व अंतरराष्ट्रीय स्तरपर इस आर्टिकल के माध्यम से इन डेवलपमेंट्स कों शेयर कर बताना चाहूंगा कि इससे भारतीय अर्थव्यवस्था व शेयर मार्केट पर क्या असर पड़ेगा।भारत के लिए सबसे सकारात्मक घटनाओं में निजी अंतरिक्ष क्षेत्र का तेजी से उभरना है। स्काईरूट एयरोस्पेस का विक्रम-1 मिशन भारत के अंतरिक्ष क्षेत्र में निजी भागीदारी की नई शुरुआत का प्रतीक है। सरकार के अनुसार भारत का अंतरिक्ष उद्योग 2030 तक लगभग 40-45 अरब डॉलर और 2040 तक 100 अरब डॉलर तक पहुंचने का लक्ष्य रखता है। इससे एयरोस्पेस, रक्षा, इलेक्ट्रॉनिक्स,सैटेलाइट सेवाओं,कृत्रिम बुद्धिमत्ता तथा उच्च तकनीकी विनिर्माण क्षेत्र की सूचीबद्ध कंपनियों में दीर्घकालिक निवेश आकर्षित होने की संभावना है। विदेशी निवेशकों के लिए भी यह संकेत है कि भारत केवल सेवा आधारित अर्थव्यवस्था नहीं, बल्कि उच्च प्रौद्योगिकी निर्माण की दिशा में भी तेजी से आगे बढ़ रहा है।

साथियों, 15 जुलाई 2026 से भारत-ब्रिटेन मुक्त व्यापार समझौते का लागू होना भारतीय निर्यातकों के लिए एक महत्वपूर्ण अवसर है।वस्त्र,ऑटो कंपोनेंट फार्मास्यूटिकल्स इंजीनियरिंग, कृषि-प्रसंस्करण, रत्न एवं आभूषण तथा आईटी सेवाओं को बेहतर बाजार मिलने की संभावना है। यदि निर्यात बढ़ता है तो भारतीय कंपनियों के मुनाफे में वृद्धि हो सकती है,जिसका सकारात्मक प्रभाव शेयर बाजार पर भी पड़ सकता है।साथ ही विदेशी कंपनियों का भारत में निवेश बढ़ने से रोजगार, उत्पादन और कर संग्रह में भी वृद्धि संभव है।

साथियों, 20 जुलाई से 13 अगस्त तक प्रस्तावित संसद का मानसून सत्र निवेशकों के लिए अत्यंत महत्वपूर्ण रहेगा क्योंकि इस दौरान कर सुधार,एमएसएमई,निवेश, बैंकिंग तथा अन्य आर्थिक विधेयकों पर चर्चा और निर्णय संभावित हैं। यदि सुधारवादी नीतियां आगे बढ़ती हैं तो बाजार इसे सकारात्मक संकेत के रूप में देख सकता है। वहीं यदि राजनीतिक गतिरोध बढ़ता है और महत्वपूर्ण विधेयक लंबित रह जाते हैं तो निवेशकों में अस्थायी अनिश्चितता भी उत्पन्न हो सकती है।दूसरी ओर, पश्चिम एशिया का संकट वैश्विक अर्थव्यवस्था के लिए सबसे बड़ा जोखिम बना हुआ है। ईरान और अमेरिका के बीच बढ़ता सैन्य तनाव तथा खाड़ी क्षेत्र में संघर्ष की घटनाएं तेल आपूर्ति और समुद्री व्यापार मार्गों के लिए गंभीर चुनौती बन सकती हैं। यदि होरमुज़ जलडमरूमध्य में व्यवधान बढ़ता है तो कच्चे तेल की कीमतों में तेज उछाल संभव है। भारत अपनी ऊर्जा आवश्यकताओं का बड़ा भाग आयात करता है,इसलिए तेल महंगा होने पर महंगाई, चालू खाते का घाटा और वित्तीय दबाव बढ़ सकता है।तेल की बढ़ती कीमतों का सीधा प्रभाव भारतीय शेयर बाजार के विभिन्न क्षेत्रों पर अलग- अलग पड़ सकता है। तेल विपणन कंपनियों, विमानन, परिवहन, रसायन और पेंट उद्योग पर लागत का दबाव बढ़ सकता है, जबकि तेल एवं गैस खोज, ऊर्जा तथा रक्षा क्षेत्र की कुछ कंपनियों को लाभ मिल सकता है। इसलिए बाजार में क्षेत्रवार प्रदर्शन में बड़ा अंतर दिखाई दे सकता है।अंतरराष्ट्रीय शेयर बाजार सामान्यत: युद्ध और भू- राजनीतिक तनाव के समय जोखिम से बचने की रणनीति अपनाते हैं। ऐसे समय निवेशक शेयरों से धन निकालकर सोना,अमेरिकी डॉलर, सरकारी बॉन्ड और अन्य सुरक्षित परिसंपत्तियों की ओर रुख करते हैं। यदि पश्चिम एशिया का संघर्ष लंबा चलता है तो वैश्विक पूंजी बाजारों में अस्थिरता बनी रह सकती है और उभरते देशों में विदेशी निवेश का प्रवाह धीमा पड़ सकता है।

साथियों,ट्रांसपेरेंसीइंटरनेशनल की भ्रष्टाचार धारणा रिपोर्ट भी निवेशकों के लिए एक महत्वपूर्ण संकेतक मानी जाती है। यदि किसी देश की रैंकिंग कमजोर होती है तो विदेशी निवेशक शासन व्यवस्था, नियामकीय पारदर्शिता और कारोबारी वातावरण को लेकर अधिक सतर्क हो सकते हैं। हालांकि किसी एक रिपोर्ट के आधार पर निवेश निर्णय नहीं लिए जाते, फिर भी दीर्घकाल में पारदर्शिता, न्यायिक दक्षता और नीति-स्थिरता विदेशी निवेश आकर्षित करने के सटीकता से प्रमुख आधार बने रहते हैं।

साथियों, 17 जुलाई 2026 तक भारतीय शेयर बाजार का समग्र रुझान यह संकेत देता है कि निवेशक एक ओर भारत की विकास क्षमता, एफटीए,अंतरिक्ष क्षेत्र और बुनियादी ढांचा सुधारों को सकारात्मक रूप में देख रहे हैं,वहीं दूसरी ओर पश्चिम एशिया के संकट और वैश्विक महंगाई के जोखिमों को लेकर सतर्क भी हैं। ऐसी स्थिति में बाजार में उतार-चढ़ाव स्वाभाविक माना जाता है।शेयर बाजार पर प्रभाव का आकलन संभावनाओं परआधारित होता है, क्योंकि वास्तविक बाजार अनेक घरेलू एवं वैश्विक कारकों से प्रभावित होता है।विदेशी संस्थागत निवेशकों की रणनीति भी इसी संतुलन पर निर्भर करेगी।यदि वैश्विक जोखिम बढ़ते हैं तो वे कुछ समय के लिए पूंजी सुरक्षित बाजारों में स्थानांतरित कर सकते हैं,लेकिन भारत की मजबूत विकास दर, जनसांख्यिकीय लाभ, डिजिटल अर्थव्यवस्था और विनिर्माण विस्तार दीर्घकालिक निवेश को आकर्षित करते रह सकते हैं।भारतीय रुपया भी इन घटनाओं से प्रभावित हो सकता है। तेल महंगा होने और विदेशी निवेश में कमी आने पर रुपये पर दबाव बढ़ सकता है, जबकि निर्यात वृद्धि,एफटीए के लाभ तथा निरंतर प्रत्यक्ष विदेशी निवेश रुपये को समर्थन दे सकते हैं। भारतीय रिजर्व बैंक की मौद्रिक नीति भी बाजार की दिशा तय करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगी।

साथियों, नीट पेपर लीक प्रकरण में केंद्रीय शिक्षामंत्री के इस्तीफे की मांग को लेकर जारी राजनीतिक विवाद तथा लगभग 21 दिनों के आंदोलन के बाद सामाजिक कार्यकर्ता सोनम वांगचुक को रविवार दिनांक 18 जुलाई 2026 धरना स्थल से पुलिस द्वारा हटाकर अस्पताल में भर्ती कराए जाने जैसी घटनाएं स्वाभाविक रूप से राष्ट्रीय स्तर पर राजनीतिक बहस और सामाजिक असंतोष को बढ़ाती हैं। यदि ऐसे घटनाक्रम लंबे समय तक जारी रहें, तो उनका अप्रत्यक्ष प्रभाव निवेशकों की धारणा (इन्वेस्टर सेंटीमेंट) और आर्थिक विश्वास (इकोनॉमिक कॉन्फिडेंस) पर पड़ सकता है। हालांकि भारतीय शेयर बाजार का प्रदर्शन मुख्यत: कॉर्पोरेट आय,महंगाई,ब्याज दरों,विदेशी निवेश,वैश्विक आर्थिक परिस्थितियों और सरकारीनीतियों जैसे व्यापक आर्थिक कारकों से निर्धारित होता है, फिर भी बड़े राजनीतिक आंदोलनों या अस्थिरता के दौर में अल्पकालिक उतार-चढ़ाव देखने को मिल सकते हैं। यदि विरोध-प्रदर्शन शांतिपूर्ण और सीमित दायरे में रहते हैं, तो उनका व्यापक आर्थिक प्रभाव सामान्यत: सीमित रहता है। लेकिन यदि वे देशव्यापी अवरोध, प्रशासनिक व्यवधान या नीति- निर्माण में देरी का कारण बनें, तो निवेशकों में सतर्कता बढ़ सकती है तथा कुछ समय के लिए पूंजी बाजार, पर्यटन, उपभोग और व्यापारिक गतिविधियों पर दबाव दिखाई दे सकता है। इसलिए ऐसी परिस्थितियों का समाधान लोकतांत्रिक संवाद, पारदर्शी जांच और संस्थागत विश्वास को मजबूत करने के माध्यम से किया जाना भारतीय अर्थव्यवस्था और बाजारों की दीर्घकालिक स्थिरता के लिए सटीकता से अधिक अनुकूल माना जाता है।

साथियों, वैश्विक स्तरपर अमेरिका, यूरोप, जापान और चीन के बाजार भी इन घटनाओं से प्रभावित होंगे। ऊर्जा आयातक देशों के लिए तेल कीमतों में वृद्धि आर्थिक चुनौती बनेगी, जबकि ऊर्जा निर्यातक देशों को अतिरिक्त राजस्व प्राप्त हो सकता है। इससे वैश्विक पूंजी का पुनर्संतुलन देखने को मिल सकता है।यदि समग्र दृष्टि से देखा जाए तो भारत के सामने इस समय दो समानांतर चित्र दिखाई देते हैं। पहला, उच्च प्रौद्योगिकी, अंतरिक्ष, मुक्त व्यापार, डिजिटल अर्थव्यवस्था और सुधारवादी नीतियों के माध्यम से तेज आर्थिक विकास का अवसर। दूसरा, वैश्विक युद्ध, ऊर्जा संकट, महंगाई और भू-राजनीतिक अस्थिरता जैसी चुनौतियां। आने वाले महीनों में भारतीय अर्थव्यवस्था की सफलता इस बात पर निर्भर करेगी कि वह इन अवसरों का लाभ उठाते हुए बाहरी जोखिमों का कितनी कुशलता से सामना करती है।

अत:अगर उपरोक्त पूरे विवरण का अध्ययन कर इसका विश्लेषण करें तो हम पाएंगे कि,जुलाई 2026 का यह सप्ताह भारत और विश्व की अर्थव्यवस्था के लिए अत्यंत महत्वपूर्ण माना जा सकता है।यदि अंतरराष्ट्रीय तनाव नियंत्रित रहता है और भारत सुधारों, निर्यात विस्तार, तकनीकी नवाचार तथा नीति-स्थिरता की दिशा में आगे बढ़ता है, तो भारतीय शेयर बाजार दीर्घकाल में वैश्विक निवेशकों के लिए आकर्षण का प्रमुख केंद्र बना रह सकता है। वहीं यदि युद्ध का दायरा बढ़ता है, ऊर्जा आपूर्ति बाधित होती है और वैश्विक वित्तीय अस्थिरता गहराती है, तो अल्पकाल में विश्वभर के शेयर बाजारों में तेज उतार-चढ़ाव देखने को मिल सकता है। भारत के लिए सबसे बड़ी रणनीति यही होगी कि वह अपने मजबूत घरेलू आर्थिक आधार, तकनीकी प्रगति और संतुलित विदेश नीति के माध्यम से इन वैश्विक चुनौतियों को अवसर में परिवर्तित करे।

-एडवोकेट किशन सनमुखदास भावनानीं

धैर्य के फल कितने मीठे कितने मधुर,विपत्ति में संयम ही सफलता का सबसे बड़ा आधार

-कांतिलाल मांडोत

जीवन का प्रत्येक क्षण मनुष्य की परीक्षा लेता है। कभी परिस्थितियाँ अनुकूल होती हैं तो कभी संकटों के बादल चारों ओर छा जाते हैं। ऐसे समय में मनुष्य की वास्तविक शक्ति उसके धन वैभव या बाहुबल से नहीं बल्कि उसके धैर्य से पहचानी जाती है। धैर्य वह शक्ति है जो व्यक्ति को कठिन से कठिन परिस्थितियों में भी टूटने नहीं देती और उसे लक्ष्य तक पहुँचने का साहस प्रदान करती है। यही कारण है कि हमारे ऋषि मुनियों ने धैर्य को सफलता का मूल मंत्र बताया है। कहा भी गया है कि धैर्य का फल सदैव मीठा होता है क्योंकि जो व्यक्ति विपत्ति में भी संयम बनाए रखता है अंतत: विजय उसी के चरण चूमती है।

धैर्य केवल प्रतीक्षा करने का नाम नहीं है बल्कि सही समय तक विवेकपूर्वक अपने प्रयासों को निरंतर जारी रखने की कला है। अधीर व्यक्ति छोटी-सी बाधा से घबरा जाता है और अपने लक्ष्य से भटक जाता है जबकि धैर्यवान व्यक्ति हर कठिनाई को सीख में बदल देता है। वह जानता है कि संघर्ष जितना बड़ा होगा सफलता भी उतनी ही गौरवपूर्ण होगी। जीवन के हर क्षेत्र में चाहे शिक्षा हो व्यापार हो समाज सेवा हो या आध्यात्मिक साधना धैर्य के बिना कोई भी उपलब्धि स्थायी नहीं हो सकती।

आज का युग तेज गति का युग है। हर व्यक्ति कम समय में अधिक पाने की इच्छा रखता है। यही जल्दबाजी अनेक बार असफलता का कारण बन जाती है। बिना सोचे समझे लिया गया निर्णय व्यक्ति को ऐसी कठिनाइयों में डाल देता है जिनसे निकलना आसान नहीं होता। इसके विपरीत धैर्यपूर्वक सोच विचार कर उठाया गया कदम सफलता की मजबूत नींव बनता है। धीरे धीरे आगे बढ़ने वाला व्यक्ति भले ही देर से मंजिल तक पहुँचे लेकिन वह सुरक्षित और स्थायी सफलता प्राप्त करता है। यही कारण है कि अनुभव और इतिहास दोनों धैर्य को जीवन का सबसे बड़ा मित्र मानते हैं।

धैर्य आत्मविश्वास की जननी भी है। जब मनुष्य कठिन परिस्थितियों में भी स्वयं पर विश्वास बनाए रखता है तब उसके भीतर नई ऊर्जा का संचार होता है। संकट उसे कमजोर नहीं बल्कि और अधिक मजबूत बनाते हैं। इतिहास में जितने भी महान व्यक्तित्व हुए उन्होंने विपरीत परिस्थितियों में धैर्य का परिचय देकर ही महानता प्राप्त की। यदि वे कठिन समय में अधीर हो जाते तो शायद दुनिया उन्हें कभी याद नहीं रखती।

महाराणा प्रताप इसका सबसे प्रेरक उदाहरण हैं। हल्दीघाटी के युद्ध के बाद परिस्थितियाँ उनके प्रतिकूल थीं। उन्हें जंगलों में रहना पड़ा। परिवार ने अभाव सहे। घास की रोटियाँ तक खानी पड़ीं। अनेक बार ऐसा लगा कि संघर्ष समाप्त हो जाएगा। यदि उस समय महाराणा प्रताप धैर्य खो देते और मुगल सत्ता के सामने आत्मसमर्पण कर देते तो वे इतिहास के अमर योद्धा नहीं बन पाते। उन्होंने धैर्य साहस और आत्मसम्मान को कभी नहीं छोड़ा। वर्षों तक संघर्ष करते रहे और अंतत: अपने अनेक क्षेत्रों को पुन: स्वतंत्र कराने में सफल हुए। उनका जीवन सिखाता है कि कठिनाइयाँ स्थायी नहीं होतीं लेकिन धैर्य और संकल्प स्थायी विजय का मार्ग बनाते हैं। आज भी महाराणा प्रताप का नाम वीरता और स्वाभिमान के साथ इसलिए लिया जाता है क्योंकि उन्होंने विपत्ति में धैर्य नहीं छोड़ा।

धैर्य का महत्व केवल युद्धभूमि तक सीमित नहीं है बल्कि सामान्य जीवन में भी उतना ही आवश्यक है। विद्यार्थी यदि धैर्यपूर्वक अध्ययन करे तो उसे ज्ञान की गहराई प्राप्त होती है। किसान धैर्य से बीज बोता है और समय आने पर भरपूर फसल काटता है। वैज्ञानिक वर्षों तक प्रयोग करते हैं तब जाकर कोई नई खोज सामने आती है। कलाकार अनगिनत अभ्यास के बाद उत्कृष्ट कृति रचता है। इन सभी सफलताओं के पीछे धैर्य ही सबसे बड़ी शक्ति बनकर खड़ा रहता है।

धैर्य का एक अत्यंत प्रेरक उदाहरण विद्वान मनोरंजन के जीवन से मिलता है। उन्होंने अपने वर्षों के साधना अनुभवों को एक पांडुलिपि में संजोया था। संयोगवश वह पांडुलिपि एक मित्र की भूल से कहीं खो गई। यह उनके जीवन की सबसे बड़ी पूंजी थी। कोई भी व्यक्ति ऐसी स्थिति में टूट सकता था लेकिन उन्होंने धैर्य नहीं खोया। उन्होंने मित्र को दोष देने के बजाय केवल इतना कहा कि यदि संभव हो तो पांडुलिपि खोजने का प्रयास करें। कुछ समय बाद दीपावली की सफाई के दौरान वह पांडुलिपि सुरक्षित मिल गई और उन्हें वापस मिल गई। यदि उस समय वे क्रोध और अधीरता में अपना मानसिक संतुलन खो देते तो शायद मित्रता भी टूट जाती और मन की शांति भी समाप्त हो जाती। उनके धैर्य ने उन्हें उनकी अमूल्य धरोहर भी लौटाई और समाज में सम्मान भी दिलाया।

आध्यात्मिक जीवन में तो धैर्य का महत्व और भी अधिक है। साधना का मार्ग सरल नहीं होता। मन को नियंत्रित करना संसार की सबसे कठिन साधनाओं में से एक है। अनेक प्रकार के आकर्षण और बाधाएँ साधक को विचलित करती हैं। जो साधक धैर्य बनाए रखते हैं वही आत्मिक उन्नति प्राप्त करते हैं। अधीर होकर साधना छोड़ देने वाला व्यक्ति लक्ष्य से दूर हो जाता है जबकि धैर्यवान साधक धीरे धीरे आत्मशांति और आत्मबोध की ऊँचाइयों तक पहुँच जाता है।

आज के आधुनिक जीवन में भी धैर्य की आवश्यकता पहले से कहीं अधिक बढ़ गई है। सड़क पर वाहन चलाते समय एक क्षण की जल्दबाजी दुर्घटना का कारण बन सकती है। बिजली गैस और आधुनिक मशीनों के उपयोग में थोड़ी-सी असावधानी बड़ा नुकसान पहुँचा सकती है। परिवार और समाज में भी आवेश में लिया गया निर्णय संबंधों को तोड़ देता है जबकि धैर्य से किया गया संवाद समस्याओं का समाधान बन जाता है। इसलिए धैर्य केवल नैतिक गुण नहीं बल्कि सुरक्षित और सफल जीवन की अनिवार्य शर्त है।

वास्तव में अधीरता दु:ख का द्वार है और धैर्य सुख का भव्य भवन। जो व्यक्ति संकटों में मुस्कराकर संघर्ष करता है वही अंतत: सफलता का आनंद प्राप्त करता है। आँसुओं और घबराहट से कोई समस्या हल नहीं होती लेकिन धैर्य और विवेक हर कठिनाई का समाधान खोज लेते हैं। जीवन में हार और जीत दोनों आती रहती हैं पर जो व्यक्ति धैर्य नहीं छोड़ता वही सच्चा विजेता कहलाता है।

आज आवश्यकता इस बात की है कि हम अपने बच्चों और युवाओं को केवल सफलता के सपने ही न दिखाएँ बल्कि उन्हें धैर्य का महत्व भी समझाएँ। क्योंकि सफलता का वृक्ष रातोंरात नहीं फलता। उसे परिश्रम विश्वास और धैर्य के जल से सींचना पड़ता है। जो इस सत्य को समझ लेता है उसके लिए जीवन का हर संघर्ष नई संभावना बन जाता है। सच तो यही है कि धैर्य के फल सचमुच सबसे मीठे और सबसे मधुर होते हैं।

संघ की शताब्दी यात्रा-संघ की जीवंत परम्परा की सूरत सत्य के आईने में

सृजन में शोर नहीं होता। साधना के जुबान नहीं होती। किंतु सिद्धि में वह शक्ति होती है कि हजारों पर्वतों को तोड़कर भी उजागर हो उठती है। यह कथन राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ पर अक्षरश: सत्य सिद्ध होता है। संघ अपने स्थापना के सौवें वर्ष में प्रवेश कर चुका है। वर्ष 1925 में डॉ. केशव बलिराम हेडगेवार द्वारा बोया गया एक छोटा-सा संगठनात्मक बीज आज भारतीय समाज के सबसे व्यापक स्वयंसेवी संगठनों में विकसित हो चुका है। इन सौ वर्षों में संघ ने अनेक उतार-चढ़ाव देखे-स्वतंत्रता आंदोलन का दौर, देश का विभाजन, प्रतिबंध, आपातकाल, सामाजिक परिवर्तन, वैश्वीकरण, कोरोना महामारी और विकसित भारत की नई आकांक्षाएं। इन सभी चरणों में संघ ने स्वयं को केवल एक संगठन के रूप में नहीं, बल्कि सेवा, संस्कार, संगठन और राष्ट्रचेतना के माध्यम के रूप में प्रस्तुत करने का प्रयास किया है। यही कारण है कि संघ की शताब्दी केवल किसी संगठन की यात्रा का उत्सव नहीं, बल्कि इस सार्थक एवं राष्ट्र-निर्माण की विचार-यात्रा का मूल्यांकन भी है। इसी ऐतिहासिक पृष्ठभूमि में प्रकाशित 'आरएसएस एट 100- एक सदी संकल्प की' अत्यंत महत्त्वपूर्ण पुस्तक बनकर सामने आती है। प्रभात प्रकाशन से प्रकाशित इस कृति के लेखक श्याम जाजू और अनुपम त्रिवेदी हैं। लेखक द्वय की इस पुस्तक में संघ के अतीत एवं भविष्य की विवेचना करते हुए भारत एवं नया भारत निर्मित करने में उसकी भूमिका को उजागर किया है और उसके इतिहास में सच्चाई के प्रतिबिम्बों को उभारने पर बल दिया है। संघ के इतिहास को धूमिल किया गया, धुंधलाया गया है, अन्यथा संघ का इतिहास दुनिया के लिये एक प्रेरणा है, अनुकरणीय है। क्योंकि संघ एक ऐसा शांति-अहिंसामय संगठन है, जो हर मोड पर निरंतरता लिये हुए सृजनात्मक बना रहा है। इसी निरंतरता में संघ की पहली शताब्दी का महत्व निहित है और शायद अगली शताब्दी के संकल्पों की दिशा भी। सम्पूर्ण दुनिया भारत की ओर देख रही है, उसमें विश्व गुरु की पात्रता निरन्तर प्रवहमान रही है, हमने कोरोना महामारी के एक जटिल एवं संघर्षमय दौर में दुनिया के सभी देशों के हित-चिन्तन का भाव रखा, सबका साथ, सबका विकास एवं सबका विश्वास मंत्र के द्वारा प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने साबित किया कि वसुधैव कुटुम्बकम- दुनिया एक परिवार है, का भारतीय दर्शन ही मानवता का उजला भविष्य है। इसी विचार पर राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ आगे बढ़ रहा है, वह एक अनोखा और दुनिया का सबसे बड़ा गैर राजनीतिक संगठन है। यह भारतीय राष्ट्रवाद की सबसे मुखर, सबसे प्रखर आवाज है। देश की सुरक्षा, एकता और अखंडता उसका मूल उद्देश्य है। जैसे-जैसे संघ का वैचारिक, सांस्कृतिक, सामाजिक प्रभाव देश और दुनिया में बढ़ रहा है, वैसे-वैसे हिंदुत्व और राष्ट्र के प्रति समर्पित इस संगठन के बारे में जानने और समझने की ललक लोगों के बीच बढ़ती जा रही है। इस विशाल संगठन के विभिन्न विषयों पर विचार तथा इसकी कार्यप्रणाली से आमजन परिचित होना चाहते हैं। जाजू एवं त्रिवेदी की पुस्तक संघ से जुड़ी जिज्ञासाओं का प्रभावी, प्रासंगिक एवं तथ्यपरक विवेचन करती है। एक सामाजिक-सांस्कृतिक संगठन होते हुए भी संघ ने भारतीय राजनीति की दिशा को राष्ट्रीयता की ओर कैसे परिवर्तित किया है, यह समझने के लिए भी यह पुस्तक पढ़ना आवश्यक है। भारत का विश्वगुरु के रूप में अभ्युदय एक महत्वपूर्ण प्रश्न रहा जिसकी विवेचना लेखक ने समग्र रूप से प्रस्तुत पुस्तक में की है, जो संघ के शताब्दी वर्ष की आयोजना का मूल केन्द्र है। इस महत्वपूर्ण पुस्तक का लोकार्पण भारत के उपराष्ट्रपति श्री सी. पी. राधाकृष्णन ने उपराष्ट्रपति एन्क्लेव में किया। समारोह में रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह, वरिष्ठ पत्रकार रामबहादुर राय तथा अनेक विशिष्ट जनों की उपस्थिति ने इसे केवल पुस्तक-विमोचन तक सीमित नहीं रहने दिया, बल्कि संघ की शताब्दी यात्रा पर एक राष्ट्रीय विमर्श का स्वरूप प्रदान किया। रक्षा मंत्री श्री राजनाथ सिंह ने संघ-इतिहास से जु?ी अनेक नये सन्दर्भो एवं बातों को विवेचित करते हुए कहा कि किस तरह से संघ पिछले सौ वर्षों से राष्ट्र और समाज की सेवा कर रहा है, किंतु उसके बारे में आज भी अनेक भ्रांतियां और पूर्वाग्रह मौजूद हैं। उन्होंने विश्वास व्यक्त किया कि यह पुस्तक उन भ्रमों को दूर करने और संघ के वास्तविक स्वरूप को समझने का सशक्त माध्यम बनेगी। यह टिप्पणी इस पुस्तक की मूल आत्मा भी है, क्योंकि इसका उद्देश्य केवल संघ का गुणगान करना नहीं, बल्कि उसकी वैचारिक यात्रा, संगठनात्मक विकास, राष्ट्र निर्माण में भूमिका तथा भविष्य की दिशा को तथ्यपरक ढंग से सामने रखना है। इस पुस्तक की सबसे बड़ी विशेषता यह है कि यह संघ को केवल अतीत के संदर्भ में नहीं देखती, बल्कि विकसित भारत-2047, सांस्कृतिक पुनर्जागरण, सामाजिक समरसता, आत्मनिर्भरता, सेवा, राष्ट्रीय सुरक्षा और वैश्विक भारत की उभरती भूमिका के साथ जोड़कर उसका विश्लेषण करती है। इसलिए यह केवल संघ के इतिहास का दस्तावेज नहीं, बल्कि नए भारत के वैचारिक विमर्श का भी एक महत्त्वपूर्ण ग्रंथ है। पुस्तक का स्वतंत्रता संग्राम से जुड़ा अध्याय विशेष रूप से उल्लेखनीय है। लंबे समय से यह आरोप लगाया जाता रहा है कि संघ का स्वतंत्रता आंदोलन में कोई योगदान नहीं था। पुस्तक इस धारणा का ऐतिहासिक तथ्यों के आधार पर प्रतिवाद करती है। इसमें डॉ. हेडगेवार की स्वतंत्रता आंदोलन में सक्रिय भूमिका, उनके कारावास, भारत छोड़ो आंदोलन के दौरान स्वयंसेवकों द्वारा क्रांतिकारियों को सहयोग तथा विभाजन के समय राहत और सुरक्षा कार्यों का विस्तार से उल्लेख किया गया है। पुस्तक का एक अन्य महत्त्वपूर्ण पक्ष यह है कि इसमें संघ को राजनीति से जोड़कर देखने की सीमित दृष्टि का विस्तार किया गया है। इसमें स्पष्ट किया गया है कि संघ स्वयं राजनीतिक दल नहीं है, बल्कि समाज के विभिन्न क्षेत्रों में कार्य करने वाले व्यक्तियों का निर्माण करने वाला संगठन है। शिक्षा, ग्राम विकास, पर्यावरण, सेवा, संस्कृति, श्रमिक संगठन, छात्र आंदोलन, महिला सशक्तीकरण, अनुसूचित वर्गों के उत्थान तथा आपदा राहत जैसे अनेक क्षेत्रों में संघ प्रेरित संगठनों की भूमिका का विस्तृत परिचय दिया गया है। विशेष रूप से सेवा कार्यों का विवरण इस पुस्तक की आत्मा है। कोरोना महामारी, प्राकृतिक आपदाओं, सीमावर्ती क्षेत्रों, वनवासी समाज तथा अभावग्रस्त वर्गों के बीच संघ और उसके स्वयंसेवकों द्वारा किए गए कार्यों को तथ्यात्मक रूप में प्रस्तुत किया गया है। इससे स्पष्ट होता है कि संघ का सेवा कार्य केवल संकट के समय तक सीमित नहीं, बल्कि निरंतर चलने वाली सामाजिक साधना है। पुस्तक में संघ से जुड़े अनेक मिथकों और विवादों पर भी खुलकर चर्चा की गई है। हिंदू राष्ट्र की अवधारणा, जाति व्यवस्था, आरक्षण, महिलाओं की भूमिका, अल्पसंख्यकों के प्रति दृष्टिकोण तथा लोकतंत्र के प्रति संघ की प्रतिबद्धता जैसे विषयों को विस्तार से समझाया गया है।

विशेष रूप से राष्ट्र सेविका समिति के माध्यम से महिलाओं की सहभागिता का विवरण उन धारणाओं को चुनौती देता है कि संघ में महिलाओं के लिए कोई स्थान नहीं है। पुस्तक का एक आकर्षक अध्याय प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व और वैश्विक स्तर पर भारत की बढ़ती भूमिका को संघ की वैचारिक दृष्टि से देखता है। वैचारिक दृष्टि से देखें तो पुस्तक बार-बार इस तथ्य को रेखांकित करती है कि संघ का मूल उद्देश्य सत्ता प्राप्ति नहीं, बल्कि चरित्रवान नागरिकों का निर्माण है। संघ के अनुसार राष्ट्र निर्माण का आधार व्यक्ति निर्माण है। शाखा इसी उद्देश्य की प्रयोगशाला है, जहां अनुशासन, सेवा, नेतृत्व और सामाजिक समरसता का अभ्यास कराया जाता है। यही कारण है कि पुस्तक बार-बार यह स्थापित करती है कि स्वयंसेवक ही संघ का वास्तविक परिचय है। निस्संदेह किसी भी वैचारिक पुस्तक की तरह इस पुस्तक को भी विभिन्न दृष्टिकोणों से पढ़ा जा सकता है। आलोचक इसके कुछ निष्कर्षों पर असहमति व्यक्त कर सकते हैं, जबकि समर्थकों को इसमें अपने विचारों का प्रामाणिक आधार मिलेगा। किंतु इसकी सबसे बड़ी विशेषता यह है कि यह पाठक को पूर्वाग्रहों से ऊपर उठकर संघ को उसके अपने संदर्भों में समझने का अवसर देती है। यही किसी भी गंभीर वैचारिक पुस्तक की सफलता होती है।

-ललित गर्ग

त्योहारों की दस्तक, मंडियों में सन्नाटा, तेल-तिलहन बाजार में जोरदार उछाल

नई दिल्ली। एजेंसी। आगामी त्योहारों की बढ़ती मांग और मंडियों में किसानों की कम आवक के चलते देश के तेल-तिलहन बाजारों में जोरदार तेजी दर्ज की गई। बीते सप्ताह सरसों, मूंगफली, सोयाबीन तेल-तिलहन समेत कच्चा पामतेल (सीपीओ) और बिनौला तेल के दाम में मजबूती देखी गई। बाजार विशेषज्ञों के अनुसार किसानों को सोयाबीन जैसी फसलों के पहले ही बेहतर दाम मिल चुके हैं, जिसके चलते वे अब कम कीमत पर बिक्री से कतरा रहे हैं। मंडियों में आवक बेहद कम बनी हुई है, खासकर सोयाबीन की आवक दैनिक खपत की तुलना में काफी कम है। बिनौले की उपलब्धता तो लगभग नगण्य है। दूसरी ओर आगामी त्योहारी मांग जोर पकड़ रही है। बरसात के मौसम में अचार उद्योग से सरसों की मांग बढ़ी है। बिनौले की अनुपलब्धता के कारण ब्रांडेड कंपनियां मूंगफली तेल की ओर रुख कर रही हैं। इसके अलावा, डॉलर के मुकाबले रुपये की गिरावट और सरकार द्वारा पाम-पामोलीन के आयात शुल्क मूल्य में वृद्धि ने भी आयातित तेलों को महंगा कर दिया है, जिससे सभी खाद्य तेलों में मजबूती आई है। इस स्थिति में सरसों का तेल अब सोयाबीन और पाम-पामोलीन से 10-15 रुपये प्रति किलो महंगा बिक रहा है। महाराष्ट्र के लातूर में सोयाबीन प्लांटों ने किसानों को आकर्षित करने के लिए भविष्य के खरीद भाव 7,700 से बढ़ाकर 8,100 रुपये प्रति क्विंटल कर दिए हैं। वहीं, नगण्य उपलब्धता के कारण देश की लगभग 97त्न बिनौला पेराई मिलें बंद हो चुकी हैं, जिससे बिनौला तेल में भी तेजी है। आयातित खाद्य तेलों में पहले हो रहे घाटे में भी कुछ कमी आई है।

सूत्रों ने बताया कि बीते सप्ताह सरसों दाना 350 रुपये के सुधार के साथ 8,075-8,100 रुपये प्रति क्विंटल, सरसों तेल 650 रुपये के सुधार के साथ 16,550 रुपये प्रति क्विंटल, सरसों पक्की और कच्ची घानी तेल क्रमश- 90-90 रुपये के सुधार के साथ क्रमश- 2,705-2,805 रुपये और 2,705-2,855 रुपये टिन (15 किलो) पर बंद हुआ। समीक्षाधीन सप्ताह में सोयाबीन दाना और सोयाबीन लूज का थोक भाव क्रमश- 375-375 रुपये के सुधार के साथ क्रमश- 7,550-7,600 रुपये और 7,400-7,475 रुपये प्रति क्विंटल पर बंद हुआ। इसी प्रकार दिल्ली में सोयाबीन तेल 275 रुपये के सुधार के साथ 15,825 रुपये प्रति क्विंटल, सोयाबीन इंदौर तेल 375 रुपये के सुधार के साथ 15,675 रुपये और सोयाबीन डीगम तेल 300 रुपये के सुधार के साथ 12,350 रुपये प्रति क्विंटल पर बंद हुआ।औद्योगिक मांग बढ़ने के बीच बीते सप्ताह मूंगफली तिलहन का दाम 400 रुपये के सुधार के साथ 7,350-7,925 रुपये क्विंटल, मूंगफली तेल गुजरात 1,000 रुपये के सुधार के साथ 17,000 रुपये क्विंटल और मूंगफली साल्वेंट रिफाइंड तेल 105 रुपये के सुधार के साथ 2,665-2,965 रुपये प्रति टिन पर बंद हुआ। लागत से नीचे दाम पर बिकवाली का अंतर पहले के मुकाबले घटने के कारण समीक्षाधीन सप्ताह में सीपीओ तेल का दाम 225 रुपये के सुधार के साथ 13,850 रुपये प्रति क्विंटल पर बंद हुआ। पामोलीन दिल्ली 300 रुपये के सुधार के साथ 15,825 रुपये प्रति क्विंटल तथा पामोलीन एक्स कांडला तेल 300 रुपये के सुधार के साथ 14,625 रुपये प्रति क्विंटल पर बंद हुआ। औद्योगिक मांग बढ़ने के बीच बिनौला तेल का दाम भी 500 रुपये के सुधार के साथ 16,500 रुपये प्रति क्विंटल पर बंद हुआ।

आरबीआई लाने जा रहा प्लास्टिक के नोट, शुरू होंगे 10 और 20 रुपए से

नई दिल्ली। एजेंसी। भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) भारतीय मुद्रा के स्वरूप में एक बड़ा और क्रांतिकारी बदलाव करने की तैयारी में है। जल्द ही आपके बटुए में कागज की जगह टिकाऊ और सुरक्षित प्लास्टिक (पॉलीमर) के नोट देखने को मिल सकते हैं। यह कदम नोटों के फटने और खराब होने की दशकों पुरानी समस्या का समाधान करेगा, जिससे उनकी उम्र कई गुना बढ़ जाएगी। एक रिपोर्ट के अनुसार, शुरुआती चरण में 10 और 20 रुपये के नोट प्लास्टिक में जारी होंगे। मौजूदा कागज के नोटों के जल्द फटने और पानी से खराब होने की समस्या आम है। इससे निजात पाने और नोटों की उम्र बढ़ाने के लिए आरबीआई ने पॉलीमर नोट्स लाने का फैसला किया है। ये नोट पानी, नमी और धूल से सुरक्षित रहेंगे, जिससे उनकी मजबूती और जीवनकाल बढ़ जाएगा। इस दिशा में कदम बढ़ाते हुए आरबीआई की नोट छापने वाली कंपनी, भारतीय रिजर्व बैंक नोट मुद्रा प्राइवेट लिमिटेड (बीआरबीएनएमपीएल) ने देश में पॉलीमर सबस्ट्रेट शीट बनाने की सुविधा शुरू करने के लिए एक्सप्रेशन ऑफ इंटरेस्ट (ईओआई) जारी किया है। इसका लक्ष्य न केवल सामग्री आयात करना है, बल्कि प्रौद्योगिकी हस्तांतरण और सहयोग के माध्यम से घरेलू स्तर पर सिक्योरिटी-ग्रेड पॉलीमर सबस्ट्रेट का उत्पादन करना है। ईओआई अभी खरीद आदेश नहीं, बल्कि एक योग्य भागीदार और आवश्यक तकनीक की तलाश है। दुनिया के 60 से अधिक देशों में पहले से ही प्लास्टिक नोट प्रचलन में हैं, जो उनकी मजबूती और लंबे जीवन के लिए जाने जाते हैं।

पीएनबी के मुनाफे में तीन गुना से ज्यादा का बंपर उछाल

मुंबई। एजेंसी। सरकारी बैंक पंजाब नेशनल बैंक (पीएनबी) ने अप्रैल-जून 2026 तिमाही के नतीजे जारी कर दिए हैं। इस दौरान बैंक का मुनाफा बढ़कर 5,253 करोड़ रुपये पहुंच गया। पिछले साल इसी तिमाही में बैंक का मुनाफा 1,675 करोड़ रुपये था। यानी इस बार बैंक ने तीन गुना से ज्यादा मुनाफा कमाया है। बैंक ने शेयर बाजार को दी गई जानकारी में बताया कि जून तिमाही में उसकी कुल आय 37,231 करोड़ रुपये रही, जो पिछले साल के मुकाबले लगभग बराबर रही। हालांकि, ब्याज से होने वाली कमाई बढ़कर 32,897 करोड़ रुपये हो गई। एक साल पहले यह 31,964 करोड़ रुपये थी। जून तिमाही में बैंक का ऑपरेटिंग प्रॉफिट भी बढ़ा है। यह 7,519 करोड़ रुपये रहा, जबकि पिछले साल इसी अवधि में यह 7,081 करोड़ रुपये था। बैंक के खराब कर्ज में भी सुधार देखने को मिला। जून 2026 के अंत तक यह घटकर 2.78 फीसदी रह गया, जबकि एक साल पहले यह 3.78 फीसदी था। रकम के हिसाब से जीएनपीए 42,673 करोड़ रुपये से घटकर 35,381 करोड़ रुपये रह गया। यानी इसमें 7,292 करोड़ रुपये की कमी आई। वहीं, नेट एनपीए भी 0.38 फीसदी से घटकर 0.26 फीसदी पर आ गया।

तिमाही नतीजे, पश्चिम एशिया तनाव तय करेंगे शेयर बाजार की दिशा

मुंबई। एजेंसी। भारतीय शेयर बाजार इस सप्ताह कई महत्वपूर्ण घटनाक्रमों के कारण अत्यधिक उतार-चढ़ाव का सामना कर सकता है। विश्लेषकों का मानना है कि कंपनियों के पहली तिमाही के नतीजे, पश्चिम एशिया में बढ़ते भू-राजनीतिक तनाव और वैश्विक कच्चे तेल की कीमतों की दिशा दलाल स्ट्रीट की चाल को निर्धारित करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगी। इसके अलावा, दक्षिण-पश्चिम मानसून की प्रगति और विदेशी निवेशकों की गतिविधियां भी बाजार के लिए प्रमुख संकेतक रहेंगी। बाजार के जानकारों के अनुसार इस सप्ताह घरेलू कंपनियों के तिमाही परिणाम और वृहद आर्थिक आंकड़े बाजार की दिशा तय करने में अहम भूमिका निभाएंगे। उन्होंने बताया कि मानसून की प्रगति और खरीफ फसलों की बुवाई की स्थिति पर निवेशकों की गहरी नजर रहेगी, क्योंकि इनका सीधा असर ग्रामीण मांग, खाद्य महंगाई

और भारतीय रिजर्व बैंक की भविष्य की मौद्रिक नीतियों पर पड़ सकता है। वैश्विक स्तर पर पश्चिम एशिया में जारी भू-राजनीतिक तनाव और उसके कारण कच्चे तेल की कीमतों पर पड़ने वाले प्रभाव पर निवेशक करीबी नजर रखेंगे। उनका कहना है कि अमेरिका और ईरान के बीच तनाव में कमी आने से बाजार में सकारात्मक माहौल बन सकता है, जबकि सैन्य तनाव बढ़ने या होर्मुज जलडमरूमध्य से आपूर्ति प्रभावित होने की स्थिति में वैश्विक बाजारों में अस्थिरता बढ़ सकती है। इस सप्ताह कई बड़ी कंपनियां अपने तिमाही परिणाम जारी करेंगी, जिनमें इन्फोसिस, वन97 कम्युनिकेशंस, अल्ट्राटेक सीमेंट, अदाणी एनर्जी सॉल्यूशंस, बजाज ऑटो, डॉ. रेड्डीज लैब, इंडसइंड बैंक, नेस्ले इंडिया और बैंक ऑफ बड़ौदा जैसी प्रमुख कंपनियां शामिल हैं। पिछले सप्ताह रिलायंस इंडस्ट्रीज के शुद्ध लाभ में कमी आई थी, हालांकि कंपनी का मुख्य परिचालन लाभ रिकॉर्ड स्तर पर पहुंच गया। वहीं एचडीएफसी बैंक, आईसीआईसीआई बैंक, कोटक महिंद्रा बैंक और एक्सिस बैंक ने मजबूत तिमाही मुनाफा दर्ज किया, जिसने बाजार को कुछ राहत दी।

केजी-डी6 गैस उत्पादन में बड़ी गिरावट, रिलायंस-बीपी को झटका

नई दिल्ली। एजेंसी। रिलायंस इंडस्ट्रीज और बीपी द्वारा संचालित कृष्णा-गोदावरी (केजी-डी6) ब्लॉक से प्राकृतिक गैस उत्पादन में चालू वित्त वर्ष की पहली तिमाही (अप्रैल-जून) में सालाना आधार पर करीब सात प्रतिशत की गिरावट दर्ज की गई है। इस अवधि में उत्पादन घटकर 2.48 करोड़ मानक घन मीटर प्रतिदिन (एमएमएससीएमडी) रह गया, जबकि पिछले वर्ष की समान अवधि में यह 2.66 करोड़ एमएमएससीएमडी था। कंपनी ने बताया कि यह गिरावट प्राकृतिक आधार पर जारी है, और पिछली जनवरी-मार्च तिमाही में उत्पादन 2.52 करोड़ एमएमएससीएमडी था। विश्लेषकों से बातचीत में कंपनी ने स्वीकार किया कि केजी-डी6 के दूसरे चरण की गैस परियोजनाओं का उत्पादन जनवरी-मार्च 2024 में 3.06 करोड़ एमएमएससीएमडी के शीर्ष पर पहुंचा था, जिसके बाद से इसमें लगभग 19 प्रतिशत की कमी आई है। रिलायंस ने तत्काल यह नहीं बताया कि उत्पादन में गिरावट कब तक जारी रहेगी। हालांकि, कंपनी के एक अधिकारी ने कहा कि इस गिरावट की भरपाई के लिए योजना तैयार की गई है, जिसकी जानकारी जल्द दी जाएगी। केजी-डी6 ब्लॉक में रिलायंस इंडस्ट्रीज की 66.67 प्रतिशत और बीपी की 33.33 प्रतिशत हिस्सेदारी है। पुराने डी-1 और डी-3 क्षेत्रों के बंद होने के बाद, रिलायंस और बीपी ने आर-क्लस्टर, सैटेलाइट क्लस्टर और एमजे जैसी गहरे समुद्र की गैस परियोजनाओं में लगभग 5 अरब डॉलर का निवेश कर उत्पादन शुरू किया था। अप्रैल-जून तिमाही में गैस से औसत प्राप्ति कीमत 8.89 प्रति इकाई (एमएमबीटीयू) रही, जो पिछले वर्ष की समान अवधि के 9.97 डॉलर से कम थी। वहीं, तेल/कंडन्सेट से औसत प्राप्ति कीमत बढ़कर 107.4 डॉलर प्रति बैरल हो गई, जो एक वर्ष पहले 69.9 प्रति बैरल थी। इन परियोजनाओं से एक समय भारत की कुल गैस मांग का लगभग 15 प्रतिशत पूरा होने की उम्मीद जताई गई थी।

सेबी ने फॉरेंसिक ऑडिट पैनल का विस्तार किया, वित्तीय निगरानी को मिलेगा बल

नई दिल्ली। एजेंसी। भारतीय प्रतिभूति एवं विनिमय बोर्ड (सेबी) ने सूचीबद्ध कंपनियों के वित्तीय विवरणों के फॉरेंसिक ऑडिट के लिए अपने विशेषज्ञ पैनल में 18 नई फर्मों को शामिल किया है। यह कदम वित्तीय पारदर्शिता को मजबूत करने और निवेशकों के हितों की बेहतर सुरक्षा सुनिश्चित करने के नियामक के प्रयासों का हिस्सा है। इस विस्तार के साथ, सेबी की सूचीबद्ध कंपनियों की वित्तीय जांच की क्षमता और गहरी होगी। सेबी ने 15 जुलाई को जारी एक अधिसूचना में बताया कि इन फॉरेंसिक ऑडिटरों का चयन एक निर्धारित सार्वजनिक खरीद प्रक्रिया के तहत किया गया है। ये फर्म पहले से मौजूद ऑडिटरों की सूची के अतिरिक्त होंगी, जिससे पैनल की समग्र क्षमता में वृद्धि होगी। नई सूची के प्रकाशन की तारीख से ये कंपनियां अगले तीन साल तक सेबी के पैनल में अपनी सेवाएं देंगी। पैनल में शामिल प्रमुख फर्मों में अर्न्स्ट एंड यंग एलएलपी, केपीएमजी एश्योरेंस एंड कंसल्टिंग सर्विसेज एलएलपी, जेडएक्स ग्रांट थॉर्नटन भारत एलएलपी और नांगिया एंड कंपनी एलएलपी शामिल हैं। इनके अतिरिक्त जे सी काबरा एंड एसोसिएट्स, जे मंडल एंड कंपनी एलएलपी, पिपारा एंड कंपनी एलएलपी, आर एस पटेल एंड कंपनी, सारथ एंड एसोसिएट्स, एएसए एंड एसोसिएट्स एलएलपी समेत कुल 18 विशेषज्ञ कंपनियों को इस पैनल में जगह मिली है। नांगिया एंड कंपनी एलएलपी के फॉरेंसिक सलाहकार विभाग के एक वरिष्ठ भागीदार ने इस कदम का स्वागत करते हुए कहा कि पैनल में शामिल होना इन कंपनियों की फॉरेंसिक विशेषज्ञता और वित्तीय पारदर्शिता के प्रति प्रतिबद्धता को दर्शाता है। उन्होंने जोर दिया कि यह मान्यता वित्तीय पारिस्थितिकी तंत्र में उनके भरोसेमंद भागीदार के रूप में उनकी भूमिका को और मजबूत करेगी, जिससे निवेशक हितों की बेहतर सुरक्षा हो सकेगी।

मेष- आज का दिन व्यस्तता से भरा रहेगा, लेकिन यही भागदौड़ आपको सफलता की नई दिशा भी दिखाएगी। कुछ बड़ा करने का उत्साह बना रहेगा, हालांकि जोखिम भरे फैसलों से दूरी बनाए रखना ही समझदारी होगी। भाई की सेहत को लेकर थोड़ी चिंता हो सकती है, इसलिए समय रहते ध्यान देना बेहतर रहेगा। यदि कहीं यात्रा का कार्यक्रम बना रहे हैं, तो माता-पिता का आशीर्वाद लेकर ही निकलें।

वृषभ- आज का दिन नई खुशियां लेकर आ सकता है। यदि लंबे समय से घर या प्रॉपर्टी खरीदने का सपना देख रहे थे, तो उसके पूरे होने के संकेत हैं। प्रेम जीवन में भी नई हलचल महसूस हो सकती है और अविवाहित लोगों की किसी खास व्यक्ति से मुलाकात होने की संभावना है। मन में चल रही उलझनों को नजरअंदाज न करें, बल्कि शांत मन से उनका समाधान खोजें। परिवार के साथ बिताया गया समय आपको सुकून देगा।

मिथुन- आज छोटे-छोटे प्रयास आपको बड़ी सफलता की ओर ले जा सकते हैं। भाग्य का पूरा साथ मिलेगा, लेकिन मेहनत में कोई कमी न आने दें। जरूरत पड़ने पर किसी से मदद मांगने में संकोच न करें, क्योंकि आपको पूरा सहयोग मिलेगा। दूसरों की सहायता करने की भावना आपके व्यक्तित्व को और निखारेगी। अपनी प्राथमिकताओं को सही ढंग से तय करेंगे, तो दिन और भी सफल रहेगा।

कर्क- आज का दिन राहत और सफलता लेकर आ सकता है। यदि कोई कानूनी मामला चल रहा है, तो उसमें आपके पक्ष में परिणाम आने की संभावना है। मन की कोई पुरानी इच्छा पूरी होने से खुशी दोगुनी हो जाएगी। परिवार में विवाह या किसी शुभ कार्य की चर्चा से घर का माहौल उत्सव जैसा रहेगा। विचारों का मतभेद हो सकता है, लेकिन धैर्य और समझदारी से बात रखने पर हर समस्या का समाधान निकल आएगा। गुस्से पर नियंत्रण रखना आज बेहद जरूरी रहेगा।

सिंह- आज आर्थिक मामलों में संतुलन बनाए रखना आपकी प्राथमिकता होनी चाहिए। आय और खर्च के बीच सही तालमेल बनाकर चलेंगे, तो भविष्य सुरक्षित रहेगा। स्वास्थ्य में हल्का उतार-चढ़ाव महसूस हो सकता है, इसलिए खुद पर ध्यान दें। किसी भी काम में लापरवाही आपकी मेहनत पर असर डाल सकती है। परिवार में विवाह से जुड़ी कोई अड़चन दूर होने से खुशी का माहौल बनेगा। घर की मरम्मत या रिनोवेशन का विचार भी मन में आ सकता है।

कन्या- आज किस्मत आपके पक्ष में दिखाई दे रही है और तरक्की के नए अवसर आपके सामने आ सकते हैं। विद्यार्थियों को पढ़ाई में शानदार सफलता मिलने के संकेत हैं। घर की सुख-सुविधाओं पर खर्च बढ़ सकता है, जिससे परिवार का माहौल और आरामदायक बनेगा। भाई-बहनों के साथ किसी बात पर बहस हो सकती है, इसलिए धैर्य बनाए रखें।

तुला- आज का दिन खुशियों और सकारात्मक ऊर्जा से भरपूर रहेगा। पुराने विरोधी भी आज आपके प्रति नरम रुख अपना सकते हैं। परिवार में किसी नए सदस्य के आने की खुशखबरी माहौल को और भी आनंदमय बना देगी। रिश्तेदारों का सहयोग मिलेगा और किसी करीबी मित्र की सलाह आपके लिए फायदेमंद साबित होगी।

वृश्चिक- आज कार्यक्षेत्र में आपकी मेहनत रंग लाएगी और काम को लेकर संतुष्टि महसूस होगी। यात्रा के दौरान कोई महत्वपूर्ण जानकारी मिल सकती है, जो आगे चलकर आपके लिए लाभदायक साबित होगी। विदेश से जुड़े व्यापार में सावधानी बरतने की जरूरत है। माताजी आपको कोई महत्वपूर्ण जिम्मेदारी सौंप सकती हैं, जिसे आप पूरी निष्ठा से निभाएंगे।

धनु- आज अचानक मिलने वाला कोई लाभ आपका दिन खास बना सकता है। संपत्ति या पुराने निवेश से अच्छा फायदा मिलने की संभावना है। नए अवसरों को अपनाने की कोशिश करेंगे, लेकिन जल्दबाजी से बचना जरूरी होगा। कामकाज में बदलाव सोच-समझकर करें, क्योंकि यही भविष्य की सफलता की नींव बनेगा। कोई बड़ा लक्ष्य पूरा होने से आत्मविश्वास बढ़ेगा। परिवार में प्रेम और अपनापन बना रहेगा।

मकर- आज धैर्य और संयम आपकी सबसे बड़ी ताकत साबित होंगे। छोटे बच्चों के साथ बिताया गया समय आपको सुकून और खुशी देगा। यदि पैतृक संपत्ति को लेकर कोई विवाद चल रहा था, तो उसमें समाधान मिलने के संकेत हैं। नया काम शुरू करने का विचार आगे बढ़ सकता है। प्रेम संबंधों में छोटी-मोटी गलतफहमियों से बचने के लिए सोच-समझकर बोलें।

कुंभ- आज आर्थिक स्थिति मजबूत होने के संकेत हैं। कोई सुखद समाचार आपके चेहरे पर मुस्कान ला सकता है, खासकर अविवाहित लोगों के लिए दिन शुभ रहेगा। माता-पिता के सहयोग और आशीर्वाद से रुके हुए कार्य पूरे होंगे। प्रेम और सहयोग की भावना रिश्तों को मजबूत बनाएगी। दिखावे में आकर खर्च करने से बचें।

मीन- आज का दिन सम्मान, उपलब्धि और सफलता लेकर आ सकता है। कार्यक्षेत्र में आपके काम की सराहना होगी और किसी पुरस्कार या नई जिम्मेदारी मिलने की संभावना है। बड़ों की सलाह आपके लिए सही मार्गदर्शन साबित होगी। यदि स्वास्थ्य से जुड़ी कोई समस्या परेशान कर रही है, तो समय रहते डॉक्टर से सलाह लें।

शब्दजाल - 8325

शब्दजाल में 'उर्मिला मातोंडकर' अभिनीत दस फिल्मों के नाम ढूंढिए. दिए गए नाम उपर से नीचे व तिरछे हो सकते हैं.

मासूम,चमत्कार,द्रोही,रंगीला,जुदाई, दौड़,अफलातून,कौन,खूबसूरत,सत्या

रं	रा	जें	द्र	कु	मा	य	च	ज	पे	यी
द	गी	ल	प्रे	व	जी	म	द	म	कां	रा
जु	स	ला	म	न	क	रा	ल	ल	त्का	म
दा	स	स	क	मा	सू	म	ध	त्रि	श	र
ई	आ	द्रो	ही	स	ज	ना	तू	दे	झ	प
न	ल	अ	र	दि	म	उ	ती	कौ	घ	दौ
क	व	रि	फ	जी	प	बा	ज	न	व	ड़
श	एं	वा	ई	ला	ब	ई	डू	ए	श	ब्रा
मी	ड	ल	फू	ल	तू	र	स	त्या	शी	आ
र	गॉ	ल	प	लि	जी	न	ला	कौ	ल	द
वि	ज	अ	ग्रि	ख़ू	ब	सू	र	त	प	म

शब्दजाल - 8324 का हल

[illegible]

Jagrutidaur.com, Bangalore

फिल्म वर्ग पहेली- 7269

बायें से दायें:-

१. 'दिल ने ये कहा हैदिल से' गीत वाली अक्षयकुमार, शिल्पा की फिल्म-४
४. देवआनंद, जैकी, गोविंदा, रेखा की 'इस तरह देखो ना' गीत वाली फिल्म-३
६. 'ना कजरे की धार' गीत वाली अक्षयकुमार, रवीना की फिल्म-३
१०. अनिल, माधुरी दीक्षित की 'आँखों के आगे पीछे' गीत वाली फिल्म-५
१३. 'आदमी मुसाफिर है' गीत वाली संजीव कुमार, सुलक्षणा की फिल्म-५
१४. अतिन भल्ला, संदली की 'साँवली सी इक लड़की' गीत वाली फिल्म-२
१८. 'हुन हुना रे हुन हुना' गीत वाली विकास भल्ला, काजोल की फिल्म-३
१९. गोविंदा, मनीषा की 'ठहरो तो सही सोचो तो जरा' गीत वाली फिल्म-४
२०. एम. एफ. हुसैन की फिल्म 'मीनाक्सी' की नायिका कौन है-२
२१. 'बाबुल का ये घर बहना' गीत वाली मिथुन, रंजीता, पद्मिनी की फिल्म-२
२२. ऋषिकपूर, पद्मिनी की 'मेरी किस्मत में तू नहीं' गीत वाली फिल्म-४
२४. 'मेरी शादी का खयाल' गीत वाली राजेश खन्ना, टीना की फिल्म-३
२६. विवेक, दीया मिर्जा की बाबूजी जरा धीरे' गीत वाली फिल्म-२
२७. 'जब चाहा जजबात से खेले' गीत वाली चंदनदास का गजल एलबम-२
२८. मिथुन, रंभा की 'पीलो इश्क दी विस्की' गीत वाली फिल्म-२
२९. 'सच कहते हैं हं' गीत वाली अक्षयकुमार, करिश्मा की फिल्म-४
३०. फिल्म 'राजा जानी' में धर्मेन्द्र के साथ नायिका कौन थी-२

ऊपर से नीचे:-

१. नवीन निश्चल, प्राण, रेखा की फिल्म-२
२. 'मोहब्बत हुई हुई' गीत वाली फिल्म-२
३. विश्वजीत, वहीदा रहमान की फिल्म-३
५. 'ऐ जिंदगी गले लगा' गीत वाली फिल्म-३
७. दीनो मारिया, बिपाशा बसु की फिल्म-२
८. विवेक ओबेराय, अंतरा की 'खल्लास बचके तू रहना रे' गीत वाली फिल्म-३
९. 'करवटें बदलते' गीत वाली संजीव, राजेश खन्ना, मुमताज की फिल्म-२,१,३
११. 'लंबूजी लंबूजी' गीत वाली फिल्म-२
१२. अभिषेक, भूमिका चावला की फिल्म-२
१५. फिल्म 'सब से बड़ा खिलाड़ी' में अक्षयकुमार के साथ नायिका कौन थी-३
१६. शत्रुघ्न, हेमा, मिथन की 'बचके मेरी जान बचके' गीत वाली फिल्म-४
१७. 'मैं तो हर मोड़ पर' गीत वाली अनिल धवन, रेहाना सुलतान की फिल्म-३
२१.राजेश, शर्मिला, राखी की 'मेरे दिल में आज' गीत वाली फिल्म-२
२२. 'ओ मेरी चूड़ियाँ बजी' गीत वाली संजयकपूर, तब्बू की फिल्म-२
२३. फिल्म 'बरसात की रात' के संगीतकार कौन थे-३
२४. विनोद खन्ना, योगिता बाली की फिल्म-२
२५. फिल्म 'बागी' में सलमान खान के साथ नायिका कौन थी-३
२६. उमादेवी का गाया गीत 'अफसाना लिख रही हूँ' किस फिल्म का है-२
२७. नसीरूद्दीनशाह, अतुल अग्निहोत्री पूजा भट्ट की फिल्म-२

फिल्म वर्ग पहेली- 7268

[illegible]

Jagrutidaur.com, Bangalore

दैनिक पंचांग

20 जुलाई 2026 को सूर्योदय के समय की ग्रह स्थिति

ग्रह	स्थिति	लग्नारंभ समय	
सूर्य	कर्क में	कर्क	05.11 बजे से
चंद्र	कन्या में	सिंह	07.31 बजे से
मंगल	वृष में	कन्या	09.43 बजे से
बुध	मिथुन में	तुला	11.54 बजे से
गुरु	कर्क में	वृश्चिक	14.08 ब.से
शुक्र	सिंह में	धनु	16.24 बजे से
शनि	मीन में	मकर	18.30 बजे से
राहु	कुंभ में	कुंभ	20.16 बजे से
केतु	सिंह में	मीन	21.49 बजे से
राहुकाल		मेष	23.19 बजे से
7.30 से 9.00		वृष	00.59 बजे से
बजे तक		मिथुन	02.58 बजे से

सोमवार 2026 वर्ष का 201 वा दिन
दिशाशूल पूर्व **ऋतु** वर्षा।
विक्रम संवत् 2083 **शक संवत्** 1948
मास आषाढ़ **पक्ष** शुक्ल
तिथि सप्तमी 04.03 बजे रात्र को समाप्त।
नक्षत्र हस्त 19.10 बजे को समाप्त।
योग शिव 18.37 बजे को समाप्त।
करण गर 15.41 बजे तदनन्तर वणिज 04.03 बजे रात्र को समाप्त।
चन्द्रायु 5.6 घण्टे
रवि क्रान्ति उत्तर 20° 42'
सूर्य दक्षिणायन
कलि अहर्गण 1872776
जूलियन दिन 2461241.5
कलियुग संवत् 5128
कल्पारंभ संवत् 1972949128
सृष्टि ग्रहारंभ संवत् 1955885128
वीरनिर्वाण संवत् 2552
हिजरी सन् 1448
महीना सफर
तारीख 05

दिन का चौघड़िया			रात का चौघड़िया		
अमृत	05.53 से	07.22 बजे तक	चर	05.43 से	07.14 बजे तक
काल	07.22 से	08.50 बजे तक	रोग	07.14 से	08.45 बजे तक
शुभ	08.50 से	10.19 बजे तक	काल	08.45 से	10.17 बजे तक
रोग	10.19 से	11.48 बजे तक	लाभ	10.17 से	11.48 बजे तक
उद्वेग	11.48 से	01.17 बजे तक	उद्वेग	11.48 से	01.19 बजे तक
चर	01.17 से	02.45 बजे तक	शुभ	01.19 से	02.51 बजे तक
लाभ	02.45 से	04.14 बजे तक	अमृत	02.51 से	04.2 बजे तक
अमृत	04.14 से	05.43 बजे तक	चर	04.22 से	05.53 बजे तक

चौघड़िया शुभाशुभ- शुभत्व श्रेष्ठ शुभ, अमृत व लाभ, **मध्यम** चर, **अशुभ** उद्वेग, रोग व काल। सभी समय भारतीय मानक समय की मध्य रेखा बिन्दु के आधार पर है अतः आप अपने स्थानीय समयानुसार ही देखें। ■ Jagrutidaur.com, Bangalore

प्रसंगतः कल की चिंता

एक शहर में धर्मदत्त नामक सेठ रहता था। अपार संपत्ति का स्वामी होने के बावजूद वह हमेशा उदास रहा करता था। उसे अपनी भावी पीढ़ी की चिंता सताती रहती थी। एक बार भगवान महावीर उस शहर में आए। गंगा के तट पर उनका प्रवचन हो रहा था। धर्मदत्त भी वहां पहुंचा। वह पहली कतार में बैठ कर प्रवचन सुन रहा था, लेकिन उसका मन कहीं और था। प्रवचन के बाद भगवान महावीर ने उसकी उदासी का कारण पूछा तो सेठ ने कहा, 'प्रभु, मुझे किसी चीज की कमी नहीं है। मेरे पास इतनी दौलत है कि मेरी सात पीढ़ियां आराम से खा-पी सकें। लेकिन मुझे चिंता है कि मेरी आठवीं पीढ़ी का गुजर-बसर कैसे होगा?' भगवान महावीर ने कहा, 'तुम्हारी चिंता मैं दूर कर देता हूं। तुम्हें इतनी दौलत दे दूंगा कि तुम्हारी आठवीं पीढ़ी सुख से रहेगी। इसके लिए तुम्हें एक काम करना होगा। यहां एक आश्रम के पीछे झोपड़ी में एक मजदूर का परिवार रहता है। तुम उससे कहो कि वह अपनी आवश्यकता का आटा अपने पास रख कर बाकी तुम्हें दे दे।' सेठ वहां गया और उसने वैसा ही कहा। मजदूर की पत्नी घर के अंदर से एक हंडिया ले आई और उसे देते हुए बोली, 'ले जाओ भाई। मेरे पास इतना ही आटा है।' सेठ ने कहा, 'नहीं, नहीं, तुम अपनी जरूरत का आटा रख लो, जो बचे उसे दो।' मजदूर की पत्नी बोली, 'अगर मैंने अपनी जरूरत का आटा रख लिया तो तुम्हें क्या दूंगी। मुझे जिसने आज दिया है वह कल भी देगा।' सेठ खाली हाथ लौट आया और उसने भगवान महावीर को सारी बात बताई। भगवान महावीर बोले, 'सेठ, एक वह मजदूर स्त्री है, जिसे कल की भी चिंता नहीं है और एक तुम हो कि अपनी आठवीं पीढ़ी की चिंता में अपने को गला रहे हो। क्या तुम्हारी आगामी पीढ़ी अपाहिज, काहिल और निकम्मी होगी कि जिसके लिए तुम चिंतित हो।' उस दिन से सेठ ने चिंता छोड़ दी।

सूडोकु नवताल- 7578

★★★★★ कठिनतम

7							4	
		5		3			7	
					8			2
					1	9		
	2						8	
		6	7					
1			4					
	9			2		5		
	8							1

Jagrutidaur.com, Bangalore

■ प्रत्येक पंक्ति में 1 से 9 तक के अंक भरे जाने आवश्यक हैं.
■ प्रत्येक आड़ी और खड़ी पंक्ति में एवं 3×3 के वर्ग में किसी भी अंक की पुनरावृत्ति न हो इसका विशेष ध्यान रखें.
■ पहले से मौजूद अंकों को आप हटा नहीं सकते.
■ पहेली का केवल एक ही हल है.

सूडोकु नवताल - 7577 का हल

8	4	5	6	1	3	7	2	9
7	2	6	4	9	5	3	8	1
9	3	1	7	8	2	6	5	4
1	7	2	9	6	8	4	3	5
5	6	9	3	2	4	1	7	8
4	8	3	5	7	1	9	6	2
2	9	7	1	5	6	8	4	3
3	1	8	2	4	7	5	9	6
6	5	4	8	3	9	2	1	7

शब्द पहेली - 8793

बाएँ से दाएँ

1.ईश्वरीय कृपा-4
4.कुंए पर पानी भरने का चबूतरा-4
6.दुर्बल का विलोम-3
8.सुनसान,नीरव-3
9.प्रेम प्रतिद्वंदी (उर्दू-3)
11.घोषवाक्य-2
13.चित्रपट,मायानगरी -3,2
15.सूर्य,भास्कर-2
16.उपनदी,कैनाल-3
18.व्यंग,परिहास-3
19.कौर,ग्रास-3
20.दफन करना-4
22.भूल,असावधानी-4

ऊपर से नीचे

1.अगुवा,रास्ता दिखाने वाला-4
2.सरुर,नशा,गरुर-2
3.चिंतन,विचारना-3
4.परजन भावना,गैरपन-5
5.भिड़ना,मुठभेड़-4
7.रेखा,लाईन-3
10.झाग बनना-5
12.सीमा,हद,बॉर्डर-4
14.शाखा,डाली-3
17.रिवाज,परंपरा-4
18.पाबंदी,रोक-3
21.स्वच्छ-2

शब्द पहेली-8792 का हल

[illegible]

Jagrutidaur.com, Bangalore

उचित पानी निकासी के अभाव में बदहाल हुआ साप्ताहिक बाजार

कीचड़ व गंदगी से सराबोर बाजार के अंदर मार्ग

पद्मेश न्यूज। लांजी। रविवार बाजार की यह बदहाली अब किसी एक दिन की समस्या नहीं, बल्कि नगर परिषद लांजी की कार्यप्रणाली पर स्थायी प्रश्नचिह्न बन चुकी है। जब राजस्व वसूली में कोई कमी नहीं छोड़ी जाती, तो फिर जनता को सुरक्षित रास्ते, स्वच्छ वातावरण, जल निकासी और बुनियादी सुविधाएं देने में आखिर इतनी उदासीनता क्यों? नगर परिषद और उसके जिम्मेदार अधिकारियों को अब कागजी दावों से बाहर निकलकर धरातल पर जवाब देना होगा, क्योंकि विकास फाइलों में नहीं, जनता की सुविधाओं में दिखाई देता है। नगर परिषद लांजी के मुख्य नगर पालिका अधिकारी और इंजीनियर यदि कभी अपने वातानुकूलित कार्यालयों से निकलकर रविवार बाजार की वास्तविक तस्वीर देखने पहुंचें, तो शायद उन्हें एहसास हो कि कागजों में विकास और धरातल पर विकास में कितना बड़ा अंतर है। जिस रविवार बाजार से नगर परिषद हर वर्ष लाखों रुपये का राजस्व वसूलती है, उसी बाजार को मूलभूत सुविधाओं के लिए तरसा दिया गया है। रविवार को महज एक घंटे की बारिश ने नगर परिषद की पूरी व्यवस्था को पानी में बहा दिया। बाजार के अधिकांश मार्ग दलदल में तब्दील हो गए, चारों ओर कीचड़, गंदगी और जलभराव का साम्राज्य फैल गया, जबकि हजारों खरीदार और व्यापारी बदहाली के बीच बाजार करने को मजबूर रहे। यह दृश्य किसी प्राकृतिक आपदा का नहीं, बल्कि नगर परिषद की वर्षों से चली आ रही प्रशासनिक उदासीनता का जीवंत प्रमाण था। नगर परिषद करोड़ों की योजनाओं और विकास के दावे करने में कभी पीछे नहीं रहती, लेकिन जिस बाजार से उसे नियमित आय होती है, वहीं आज तक पक्के मार्ग, समुचित जल निकासी, शौचालय और मूत्रालय जैसी बुनियादी सुविधाएं उपलब्ध नहीं करा सकी। परिणामस्वरूप हर बारिश के साथ बाजार दलदल में बदल जाता है और जिम्मेदार अधिकारी कार्यालयों में बैठकर फाइलों में विकास तलाशते रहते हैं।

मछली-मटन मार्केट की स्थिति सबसे भयावह, बारिश ने व्यापारियों की मेहनत पर फेरा पानी

बाजार के मछली और मटन विक्रय क्षेत्र की हालत सबसे चिंताजनक बनी हुई है। बारिश के कारण गंदा पानी जमा होने से बदबू फैल रही है। स्वच्छता और जल निकासी की समुचित व्यवस्था नहीं होने से संक्रमण का खतरा भी बढ़ गया है। यदि समय रहते सफाई और जल निकासी की व्यवस्था नहीं की गई तो यह स्थिति जनस्वास्थ्य के लिए गंभीर चुनौती बन सकती है। लगातार हुई बारिश से अनाज, दाल और सब्जी व्यापारियों को भारी नुकसान उठाना पड़ा। कई व्यापारियों को अपना सामान बचाने के लिए तिरपाल और प्लास्टिक का सहारा लेना पड़ा, फिर भी बड़ी मात्रा में सामग्री भीग गई। खरीदारों की संख्या भी कम हो गई, जिससे व्यापार प्रभावित हुआ। व्यापारियों का कहना है कि यदि पक्के मार्ग और उचित जल निकासी की व्यवस्था होती तो नुकसान काफी कम हो सकता था।

कॉम्प्लेक्स निर्माण बना मुसीबत, अधूरा काम और फैला मलबा

नगर परिषद द्वारा बाजार परिसर में कॉम्प्लेक्स का निर्माण कार्य लंबे समय से अधूरा पड़ा हुआ है। निर्माण सामग्री और मलबा जगह-जगह फैला होने से बाजार की स्थिति और भी खराब हो गई है। बारिश के दौरान यही मलबा और कीचड़ मिलकर लोगों के लिए जोखिम बन गया। लोगों का कहना है कि यदि निर्माण कार्य समय पर पूरा होता तो बाजार की व्यवस्था काफ ी हद तक सुधर सकती थी, लेकिन सुस्त कार्यप्रणाली का खामियाजा जनता भुगत रही है।

इनका कहना है

इस संबंध में मुझे जानकारी है, बाजार पहुंचने वाले लोगों द्वारा मुझसे संपर्क किया गया और बाजार की वस्तुस्थिति से अवगत कराया है इससे पहले ही हमारे द्वारा बाजार ठेकेदार को बुलाकर बाजार में आने जाने वाले लोगों की निकासी और आवागमन के लिये समुचित व्यवस्था बनाने के लिये मौखिक रूप से कहा जा चुका है, फिर भी सुधार नहीं होता तो ठेकेदार के विरूद्ध अनुशासनात्मक कार्यवाही की जाएगी।

मयूर वाहने, सीएमओ
नगर परिषद, लांजी

गंभीर हादसा टला

विशालकाय महुआ का पेड़ अचानक मार्ग पर हुआ धराशायी

पद्मेश न्यूज। लांजी। जनपद पंचायत लांजी अंतर्गत ग्राम पंचायत पौसेरा में रविवार सुबह एक बड़ा हादसा टल गया। जैतलाल के खेत के समीप स्थित विशालकाय महुआ का पेड़ अचानक मार्ग पर धराशायी हो गया, जिससे आवागमन पूरी तरह बाधित हो गया। गनीमत रही कि पेड़ गिरने के समय वहां से कोई राहगीर नहीं गुजर रहा थाए अन्यथा बड़ी जनहानि से इनकार नहीं किया जा सकता था। घटना की सूचना मिलते ही ग्राम पंचायत के सरपंच कृष्णा पांचे एवं सचिव संजय वंशपाल तत्काल मौके पर पहुंचे और स्थिति का जायजा लिया। इसके बाद महेश चौधरी, चैतन नेताम सहित ग्रामीणों के सहयोग से पेड़ हटाने का कार्य युद्धस्तर पर शुरू कराया गया। करीब एक घंटे की कड़ी मशक्कत के बाद विशालकाय महुआ के पेड़ को मार्ग से हटाकर आवागमन पूरी तरह सुचारू कर दिया गया। ग्रामीणों ने पंचायत प्रतिनिधियों की त्वरित पहल और सक्रियता की सराहना करते हुए कहा कि समय पर की गई कार्रवाई से लोगों को परेशानी से राहत मिली। साथ ही, सभी ने राहत की सांस ली कि इस घटना में किसी प्रकार की जनहानि या अन्य अप्रिय घटना नहीं हुई।

नशे से दूरी है जरूरी- पुलिस ने लांजी के साप्ताहिक बाजार में किया विशेष जागरूकता कार्यक्रम

पद्मेश न्यूज। लांजी। क्षेत्र में बढ़ती नशे की लत पर अंकुश लगाने और आमजन को इसके दुष्प्रभावों के प्रति जागरूक करने के लिए रविवार 19 जुलाई की दोपहर लांजी पुलिस द्वारा पुलिस मुख्यालय के निर्देशानुसार चलाए जा रहे नशे से दूरी है जरूरी 2.0 अभियान के तहत लांजी के व्यस्त साप्ताहिक बाजार में एक विशेष जागरूकता कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इस दौरान पुलिस टीम ने साप्ताहिक बाजार में उमड़ी ग्रामीणों और व्यापारियों की भीड़ के बीच नुक्कड़ नाटक की जीवंत प्रस्तुति दी। नाटक के माध्यम से बेहद सरल और प्रभावकारी ढंग से दिखाया गया कि किस तरह नशा न सिर्फ एक हंसते-खेलते परिवार को बर्बाद कर देता है, बल्कि सामाजिक और आर्थिक रूप से भी व्यक्ति को खोखला कर देता है। अभियान का नेतृत्व कर रहे थाना प्रभारी मुकेश दुबोलिया और उपनिरीक्षक विधि पांडे ने उपस्थित जनसमुदाय को संबोधित करते हुए नशे के खिलाफ इस जंग में पुलिस का साथ देने की अपील की। उन्होंने कहा कि युवा पीढ़ी को नशे के दलदल से बचाना हम सबकी सामूहिक जिम्मेदारी है। इस जागरूकता अभियान और नुक्कड़ नाटक को सफल बनाने में हेड कांस्टेबल नरेंद्र सोनवे, दीपक डोहरे, आशुतोष राजपूत, पवन धाकड़, प्रीति प्रजापति सहित एसएसयू स्टाफ के सभी सदस्यों ने सक्रिय भूमिका निभाई। पुलिसकर्मियों ने हाथों में स्लोगन और पोस्टर लेकर लोगों को नशे से हमेशा दूर रहने का संकल्प भी दिलाया। बाजार में आए सैकड़ों ग्रामीणों ने पुलिस के इस प्रयास की सराहना की और माना कि मनोरंजन के साथ-साथ समाज को जागरूक करने का यह तरीका बेहद असरदार है।

शास. प्राथमिक शाला कलपाथरी में पदस्थ शिक्षिका तरुणा चौहान व कल्पना नगपुरे को स्थानांतरण पर विदाई

पद्मेश न्यूज। लांजी। शासकीय प्राथमिक शाला कलपाथरी में रविवार को भावनात्मक एवं गरिमामय वातावरण में पदस्थ शिक्षिका श्रीमती तरुणा चौहान एवं श्रीमती कल्पना नगपुरे के स्थानांतरण पर विदाई समारोह का आयोजन किया गया। इस अवसर पर शाला परिवार, जनप्रतिनिधियों, शिक्षकों एवं विद्यार्थियों ने दोनों शिक्षिकाओं के शैक्षणिक योगदान को याद करते हुए उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना की। कार्यक्रम में बताया गया कि श्रीमती तरुणा चौहान, मूल निवासी अमेडा (पा.), की प्रथम नियुक्ति 14 अक्टूबर 2009 को शासकीय प्राथमिक शाला कलपाथरी में हुई थी। लगभग 16 वर्ष 8 माह तक उन्होंने विद्यालय में सेवाएं देते हुए विद्यार्थियों के सर्वांगीण विकास, शैक्षणिक गुणवत्ता और विद्यालय की प्रगति के लिए उल्लेखनीय योगदान दिया। उनका स्थानांतरण 6 जुलाई 2026 को शासकीय प्राथमिक शाला मेहराटोला, सिरेगांव में हुआ है। अपने लंबे कार्यकाल के दौरान उन्होंने समर्पण, अनुशासन, कर्तव्यनिष्ठा और स्नेहपूर्ण व्यवहार से विद्यार्थियों, अभिभावकों एवं सहकर्मियों के बीच विशेष पहचान बनाई। उनके सरल, सहयोगी और प्रेरणादायी व्यक्तित्व ने विद्यालय परिवार पर अमिट छाप छोड़ी। वहीं, श्रीमती कल्पना नगपुरे ने अपने लगभग एक वर्ष के कार्यकाल में विद्यार्थियों के सर्वांगीण विकास के लिए सक्रिय भूमिका निभाई। उन्होंने अपने कार्यकुशल, मिलनसार और सामंजस्यपूर्ण व्यवहार से विद्यालय में सकारात्मक शैक्षणिक वातावरण तैयार किया तथा सहकर्मियों एवं विद्यार्थियों का विश्वास और स्नेह अर्जित किया। विदाई समारोह में शाला परिवार की ओर से दोनों शिक्षिकाओं का पुष्पगुच्छ एवं स्मृति-चिन्ह भेंटकर सम्मान किया गया। वक्ताओं ने उनके योगदान की सराहना करते हुए नए कार्यस्थल पर भी इसी समर्पण और निष्ठा के साथ शिक्षा के क्षेत्र में उत्कृष्ट कार्य करने की शुभकामनाएं दीं। कार्यक्रम शाला प्रबंधन समिति के अध्यक्ष संजू धनोले की अध्यक्षता तथा ग्राम पंचायत कलपाथरी के सरपंच लिकेश एडे के विशेष आतिथ्य में संपन्न हुआ। इस अवसर पर शिक्षक गजेंद्र बिसेन, मिलेश्वर पटले, देवराम धारणे, गजेंद्र राहंगडाले, नीतू भौंडेकर, निरंजना बंसोड, विद्यालय के समस्त छात्र-छात्राएं, रसोइया एवं ग्रामीणजन उपस्थित रहे। कार्यक्रम का सफल संचालन एवं आभार प्रदर्शन शाला के प्रधान पाठक ईश्वर बंसोड ने किया।

सामाजिक सुरक्षा पेंशन योजनाओं के हजारों हितग्राहियों को चार माह से नहीं मिली पेंशन राशि, कांग्रेस कमेटी करेगी आंदोलन

पद्मेश न्यूज। लांजी। प्रदेश की सामाजिक सुरक्षा पेंशन योजनाओं के हजारों हितग्राहियों को पिछले चार माह से पेंशन राशि नहीं मिलने का मामला अब राजनीतिक तूल पकड़ने लगा है। कांग्रेस कमेटी बहेला के अध्यक्ष ऋषि पटेल दसरिया ने प्रदेश सरकार पर जरूरतमंद वर्गों की अनदेखी का आरोप लगाते हुए कहा कि जिन लोगों के जीवन-यापन का प्रमुख आधार सामाजिक सुरक्षा पेंशन है, उन्हें महीनों से भुगतान के लिए भटकना पड़ रहा है। यह स्थिति सरकार की संवेदनहीन कार्यप्रणाली को उजागर करती है। ऋषि पटेल दसरिया ने बताया कि अप्रैल माह से अब तक इंदिरा गांधी वृद्धावस्था पेंशन योजना, इंदिरा गांधी विधवा पेंशन योजना, इंदिरा गांधी निशक्त पेंशन योजना, निराश्रित पेंशन योजना एवं मुख्यमंत्री कल्याणी पेंशन योजना के हितग्राहियों के खातों में पेंशन राशि नहीं पहुंची है। इसके कारण हजारों वृद्धजन, विधवाएं, दिव्यांग एवं निराश्रित नागरिक गंभीर आर्थिक संकट का सामना कर रहे हैं। उन्होंने कहा कि सरकार बार-बार गरीबों और कमजोर वर्गों के कल्याण के बड़े-बड़े दावे करती है, लेकिन जमीनी हकीकत इसके बिल्कुल विपरीत है। कई हितग्राही अपनी दवाइयों, भोजन और दैनिक जरूरतों के लिए पूरी तरह पेंशन पर निर्भर हैं। लगातार चार माह तक भुगतान नहीं होना प्रशासनिक लापरवाही का गंभीर उदाहरण है। कांग्रेस नेता ने सवाल उठाते हुए कहा कि यदि सरकार सामाजिक सुरक्षा योजनाओं के हितग्राहियों को समय पर उनका अधिकार भी उपलब्ध नहीं करा पा रही है, तो आखिर इन योजनाओं का औचित्य क्या रह जाता है? उन्होंने प्रदेश सरकार से मांग की कि सभी लंबित पेंशन राशि तत्काल जारी कर प्रत्येक माह नियमित भुगतान सुनिश्चित किया जाए, ताकि गरीब एवं जरूरतमंद नागरिकों को परेशानियों का सामना न करना पड़े। उन्होंने चेतावनी दी कि यदि शीघ्र ही लंबित पेंशन का भुगतान नहीं किया गया तो कांग्रेस कमेटी जनहित में चरणबद्ध लोकतांत्रिक आंदोलन शुरू करेगी, जिसकी संपूर्ण जिम्मेदारी प्रदेश सरकार की होगी।

लांजी में ''पद्मेश''
इंटरनेट (ब्राडबेंड)
कनेक्शन के लिये संपर्क करें
Mo. 8319969927

यात्रियों के स्वास्थ्य से कोई समझौता नहीं- रेलवे बेस किचनों पर संयुक्त कार्रवाई, एक्सपायरी खाद्य सामग्री जब्त, एक बेस किचन सील

भोपाल। एजेंसी। रेलवे यात्रियों को सुरक्षित, स्वच्छ एवं गुणवत्तापूर्ण भोजन उपलब्ध कराने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कार्रवाई करते हुए रेलवे सुरक्षा बल (आरपीएफ) इटारसी/भोपाल मंडल, खाद्य सुरक्षा एवं औषधि प्रशासन, राजस्व प्रशासन तथा सिटी पुलिस की संयुक्त टीम ने रविवार, 19 जुलाई 2026 को रेलवे में भोजन आपूर्ति करने वाले विभिन्न बेस किचनों का औचक निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान एक्सपायरी एवं खराब गुणवत्ता की खाद्य सामग्री जब्त कर नष्ट कराई गई तथा गंभीर अनियमितता पाए जाने पर एक बेस किचन को सील कर दिया गया।

संयुक्त टीम ने राहुल इंटरप्राइजेज प्राइवेट लिमिटेड, अतुल अवस्थी प्राइवेट लिमिटेड एवं होटल धर्मराज प्राइवेट लिमिटेड के बेस किचनों का गहन निरीक्षण किया। इस कार्रवाई में तहसीलदार इटारसी सुनीता साहनी, एसडीएम नीलेश शर्मा, एडीएम के.के. शुक्ला, खाद्य सुरक्षा अधिकारी कमलेश दियावार, निरीक्षक जितेंद्र सहीराना (नर्मदापुरम) सहित

संबंधित विभागों के अधिकारी एवं आरपीएफ इटारसी के अधिकारी उपस्थित रहे। निरीक्षण के दौरान ब्रेड एवं मसालों के एक्सपायरी पैकेट, खुले खाद्य पदार्थ, समोसे, आलू, गोभी, चावल, सब्जियां, प्रयुक्त कुकिंग ऑयल तथा अन्य खाद्य सामग्री की सघन जांच की गई। एक्सपायरी एवं खराब गुणवत्ता की खाद्य सामग्री के नमूने परीक्षण हेतु एकत्रित किए गए तथा अनुपयोगी सामग्री को नियमानुसार नष्ट कराया गया।

संयुक्त निरीक्षण के दौरान होटल धर्मराज प्राइवेट लिमिटेड के बेस किचन में आवश्यक वैध खाद्य लाइसेंस उपलब्ध नहीं पाया गया। खाद्य सुरक्षा संबंधी नियमों के उल्लंघन को गंभीरता से लेते हुए संबंधित विभाग द्वारा नियमानुसार उक्त बेस किचन को तत्काल प्रभाव से सील कर दिया गया।

रेलवे प्रशासन एवं संबंधित विभागों ने स्पष्ट किया है कि रेलवे यात्रियों के स्वास्थ्य, खाद्य सुरक्षा एवं गुणवत्ता के साथ किसी भी प्रकार का समझौता नहीं किया जाएगा। रेलवे में भोजन उपलब्ध कराने वाले सभी बेस किचनों एवं कैटरिंग इकाइयों का समय-समय पर संयुक्त निरीक्षण जारी रहेगा तथा नियमों का उल्लंघन करने वालों के विरुद्ध सख्त वैधानिक कार्रवाई की जाएगी।

इस संयुक्त अभियान का उद्देश्य रेलवे यात्रियों को स्वच्छ, सुरक्षित एवं मानकों के अनुरूप भोजन उपलब्ध कराना तथा खाद्य सुरक्षा संबंधी सभी मानकों का कड़ाई से पालन सुनिश्चित करना है।

सोनम के समर्थन में 20 जुलाई को सुभाष चौक पर अनशन

कोरबा। एजेंसी। अधिवक्ता अब्दुल नफीस खान के नेतृत्व में शिक्षा, लोकतंत्र और जनहित के समर्थन में एक दिवसीय अनशन कोरबा में किया जाएगा। यह अनशन सोनम वांगचुक के आंदोलन और 21 दिन से चल रहे अनशन के समर्थन में सुभाष चौक निहारिका में किया जाएगा।

अब्दुल नफीस ने श्री वांगचुक के समर्थन में कहा है कि सोनम वांगचुक जिन मुद्दों को लेकर संघर्ष कर रहे हैं, वे केवल उनके व्यक्तिगत मुद्दे नहीं हैं। वे नीट सहित प्रतियोगी परीक्षाओं में पेपर लीक और अनियमितताओं की निष्पक्ष जांच, परीक्षा प्रणाली में व्यापक सुधार, छात्रों के भविष्य की सुरक्षा, प्रभावित छात्रों को न्याय, शिक्षा व्यवस्था में पारदर्शिता एवं जवाबदेही, लद्दाख को संविधान की छठी अनुसूची के अंतर्गत संरक्षण तथा लद्दाख के पर्यावरण और प्राकृतिक संसाधनों की रक्षा जैसे महत्वपूर्ण सवाल उठा रहे हैं। उन्होंने देशवासियों से 20 जुलाई को उनके आंदोलन के समर्थन में एकजुट होने का आह्वान किया था, लेकिन उन्हें बलपूर्वक अस्पताल ले जाया गया।

अधिवक्ता नफीस ने कहा है कि हर नागरिक दिल्ली नहीं जा सकता, लेकिन अपने शहर में रहकर लोकतंत्र की इस आवाज़ के साथ खड़ा जरूर हो सकता है। इसीलिए मैं और मेरे कुछ साथी सोनम वांगचुक के शांतिपूर्ण आंदोलन और उनकी जनहित की मांगों के समर्थन में, 20 जुलाई को सुबह 9 बजे सुभाष चौक, निहारिका, कोरबा में एक दिवसीय शांतिपूर्ण एवं संविधानसम्मत अनशन पर बैठ रहे हैं।

यह अनशन किसी व्यक्ति या राजनीतिक दल के विरोध में नहीं, बल्कि शिक्षा में पारदर्शिता, परीक्षा प्रणाली में सुधार, छात्रों के भविष्य की सुरक्षा, संविधान की गरिमा, लोकतांत्रिक अधिकारों और शांतिपूर्ण असहमति के सम्मान के समर्थन में है। अनशन के दौरान महामहिम राष्ट्रपति महोदया के नाम ज्ञापन भी प्रेषित किया जाएगा, जिसमें सोनम वांगचुक की मांगों पर गंभीरतापूर्वक विचार करने, उनसे सार्थक संवाद स्थापित करने तथा शिक्षा व्यवस्था में पारदर्शिता और जवाबदेही सुनिश्चित करने का आग्रह किया जाएगा।

अब्दुल नफीस ने कोरबा के सभी नागरिकों, विद्यार्थियों, अभिभावकों, शिक्षकों, अधिवक्ताओं, सामाजिक कार्यकर्ताओं, बुद्धिजीवियों, युवाओं और हर जागरूक नागरिक से अपील की है कि इस शांतिपूर्ण लोकतांत्रिक अभियान में अपनी सहभागिता दें। आप पूरे दिन अनशन नहीं कर सकते तो कुछ समय के लिए उपस्थित होकर अपना नैतिक समर्थन दें।

दिव्यांगजनों के लिए भरोसे का माध्यम बनी सीएम हेल्पलाइन

रायपुर। एजेंसी। मुख्यमंत्री विष्णु देव साय के नेतृत्व में संचालित सीएम हेल्पलाइन प्रदेशवासियों की समस्याओं के त्वरित, पारदर्शी और प्रभावी समाधान का सशक्त माध्यम बनकर उभरी है। विशेष रूप से दिव्यांगजनों और जरूरतमंद नागरिकों के लिए यह व्यवस्था राहत, विश्वास और सुशासन का प्रतीक बन रही है। हेल्पलाइन के माध्यम से लंबे समय से लंबित मामलों का भी समयबद्ध निराकरण सुनिश्चित किया जा रहा है। जशपुर जिले के पत्थलगांव विकासखंड के ग्राम पंडरीपानी निवासी प्रमनाथ मिर्रे का मामला इसका एक प्रेरक उदाहरण है। दिव्यांग पेंशन प्राप्त करने के लिए, लगातार प्रयास करने के बावजूद उनकी पेंशन स्वीकृत नहीं हो पा रही थी, जिससे उन्हें आर्थिक कठिनाइयों का सामना करना पड़ रहा था। जब अन्य प्रयास सफल नहीं हुए, तब उनके पुत्र प्रताप मिर्रे ने सीएम हेल्पलाइन में शिकायत दर्ज कराई। शिकायत प्राप्त होते ही संबंधित विभाग ने प्रकरण को प्राथमिकता देते हुए आवश्यक कार्यवाही शुरू की। सभी आवश्यक प्रक्रियाएं समयबद्ध रूप से पूरी की गईं और मात्र 12 दिनों के भीतर शिकायत का निराकरण कर प्रमनाथ मिर्रे की दिव्यांग पेंशन प्रारंभ कर दी गई। पेंशन शुरू होने के बाद प्रमनाथ मिर्रे और उनके परिवार ने प्रसन्नता व्यक्त करते हुए मुख्यमंत्री विष्णु देव साय तथा जिला प्रशासन के प्रति हार्दिक आभार जताया।

CM हेल्पलाइन 1076 समस्या तुम्हर, समाधान हमर

उन्होंने कहा कि जिस कार्य के लिए वे लंबे समय से प्रयासरत थे, वह सीएम हेल्पलाइन के माध्यम से कुछ ही दिनों में पूरा हो गया। परिवार का कहना है कि सीएम हेल्पलाइन दिव्यांगों, वरिष्ठ नागरिकों और जरूरतमंद लोगों के लिए अत्यंत उपयोगी एवं भरोसेमंद व्यवस्था बनकर सामने आई है। इससे आम नागरिकों को अपनी समस्याओं के समाधान के लिए एक प्रभावी मंच मिला है, जहां शिकायतों का त्वरित और संवेदनशील तरीके से निराकरण किया जाता है।

प्रमनाथ मिर्रे की यह सफलता की कहानी मुख्यमंत्री विष्णु देव साय के नेतृत्व में सुशासन, जवाबदेही और जनसेवा के प्रति शासन की प्रतिबद्धता को दर्शाती है। सीएम हेल्पलाइन के माध्यम से पात्र हितग्राहियों तक योजनाओं का लाभ समय पर पहुंच रहा है, जिससे आम नागरिकों का शासन के प्रति विश्वास और अधिक मजबूत हो रहा है।

बालिका गृह से 5 मासूम गायब

नर्मदापुरम। एजेंसी। जिले के इटारसी मुस्कान बालिका गृह से पांच नाबालिग लड़कियों के रहस्यमय ढंग से गायब होने की खबर ने पूरे इलाके में हड़कंप मच गया है। इस संवेदनशील और गंभीर मामले में पुलिस ने पूरी ताकत झोंक दी है। शनिवार को पुलिस अधीक्षक साई कृष्णा थोटा ने कड़ा रुख अपनाते हुए मामले की परतें खोलने के लिए एक विशेष जांच दल का गठन कर दिया है। दरअसल यह पांचों नाबालिग बालिकाएं बालिका गृह से लापता हो गईं। इस लापरवाही के बाद बालिका गृह प्रबंधन की कार्यप्रणाली और सुरक्षा दावों पर सवाल उठ रहे हैं। आखिर सख्त पहरे के बीच से पांच मासूम कैसे गायब हो गईं? मामले की गंभीरता को देखते हुए एसपी ने अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक अभिषेक राजन के नेतृत्व और एसडीओपी इटारसी वीरेंद्र मिश्रा के सुपरविजन में एक हाई-लेवल स्क्वॉड मैदान में उतारी है। टीम में एक इंस्पेक्टर और तीन सब-इंस्पेक्टर शामिल हैं। पुलिस अफसरों ने पूरे परिसर का कोना-कोना छान मारा और संस्था की सुरक्षा व्यवस्थाओं की धज्जियां उड़ते हुए देखा।

प्रधानमंत्री मोदी ने अमृत भारत स्टेशन योजना के तहत पुनर्विकसित रेलवे स्टेशन बालोद का किया उद्घाटन

रायपुर। एजेंसी। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने अमृत भारत स्टेशन योजना के तहत देशभर के 75 पुनर्विकसित रेलवे स्टेशनों का उद्घाटन कर उन्हें राष्ट्र को समर्पित किया। लगभग 1,570 करोड़ रुपये की लागत से विकसित ये स्टेशन 20 राज्यों में स्थित हैं और इन्हें आधुनिक, यात्री सुविधाओं से लैस तथा स्थानीय सांस्कृतिक विरासत को दर्शाने वाले ट्रांजिट हब के रूप में विकसित किया गया है। यह अमृत भारत स्टेशन योजना के तहत पुनर्विकसित स्टेशनों का प्रधानमंत्री द्वारा दूसरा बड़ा राष्ट्रव्यापी समर्पण कार्यक्रम है। इससे पहले 22 मई 2025 को 18 राज्यों एवं केंद्र शासित प्रदेशों के 103 पुनर्विकसित रेलवे स्टेशनों का लोकार्पण किया गया था। दक्षिण पूर्व मध्य रेलवे के अंतर्गत इस बार छत्तीसगढ़ के सरोना, बालोद और चांपा तथा मध्यप्रदेश के छिंदवाड़ा, नैनपुर और बालाघाट स्टेशनों को राष्ट्र को समर्पित किया गया। इन स्टेशनों की डिजाइन स्थानीय संस्कृति, कला, कृषि और क्षेत्रीय विरासत को ध्यान में रखकर तैयार की गई है। छत्तीसगढ़ के बालोद स्टेशन में कृषि और बुनाई की परंपराओं की झलक दिखाई गई है, चांपा जंक्शन को क्षेत्रीय संपर्क और कृषि विरासत के अनुरूप विकसित किया गया है, जबकि सरोना स्टेशन में स्थानीय बुनाई परंपरा और बेहतर कनेक्टिविटी को प्रमुखता दी गई है। वहीं मध्यप्रदेश के छिंदवाड़ा स्टेशन को वन विरासत, नैनपुर जंक्शन को ऐतिहासिक रेलवे धरोहर तथा बालाघाट स्टेशन को जनजातीय कला और वन संस्कृति की थीम पर विकसित किया गया है।

रेल मंत्रालय ने दिसंबर 2022 में शुरू की गई अमृत भारत स्टेशन योजना के तहत अब तक 261 रेलवे स्टेशनों का पुनर्विकास पूरा कर लिया है। योजना के अंतर्गत देशभर के 1,340 रेलवे स्टेशनों का चरणबद्ध तरीके से आधुनिकीकरण किया जा रहा है। इस परियोजना के तहत बेहतर स्टेशन भवन, आधुनिक प्रतीक्षालय, चौड़े फुटओवर ब्रिज, लिफ्ट, दिव्यांगजन अनुकूल सुविधाएं, उन्नत यात्री सूचना प्रणाली, पार्किंग, एग्जीक्यूटिव लाउंज और टिकाऊ शहरी डिज़ाइन जैसी सुविधाएं विकसित की जा रही हैं।

युवाओं का सबसे बड़ा नशा हो लक्ष्य, मादक पदार्थ नहीं

इंदौर। एजेंसी। सफलता और व्यसन कभी साथ नहीं चल सकते। युवाओं का सबसे बड़ा नशा उनका लक्ष्य होना चाहिए। यह संदेश आबकारी विभाग ने नशा मुक्त भारत अभियान 2.0 के तहत आकार आईएएस एकेडमी में आयोजित जागरूकता कार्यक्रम में दिया।

कलेक्टर शिवम वर्मा के आदेश और सहायक आयुक्त आबकारी अभिषेक तिवारी के निर्देश पर आयोजित कार्यक्रम में सहायक जिला आबकारी अधिकारी कमलेश सोलंकी ने कहा कि नशा व्यक्ति के स्वास्थ्य, व्यक्तित्व और भविष्य को प्रभावित करता है। प्रतियोगी परीक्षाओं की तैयारी कर रहे युवाओं के लिए आत्मअनुशासन और सकारात्मक सोच सफलता की कुंजी है।

आबकारी उप निरीक्षक आशीष जैन ने कहा कि नशे की शुरुआत अक्सर छोटी आदत से होती है, जो धीरे-धीरे इच्छाशक्ति और निर्णय क्षमता को कमजोर कर देती है। उन्होंने अभ्यर्थियों से लक्ष्य पर केंद्रित रहने और नशामुक्त जीवनशैली अपनाने का आह्वान किया।

आबकारी उप निरीक्षक त्रिअंबिका शर्मा ने युवाओं को नशे से दूर रहने और परिवार, मित्रों व समाज को जागरूक करने का संकल्प दिलाया।

कार्यक्रम में फैकल्टी सदस्य, विभागीय अधिकारी और बड़ी संख्या में प्रतियोगी परीक्षा अभ्यर्थी उपस्थित रहे। वक्ताओं ने कहा कि नशा मुक्त भारत अभियान 2.0 का उद्देश्य जनभागीदारी से नशे के विरुद्ध जागरूकता बढ़ाकर स्वस्थ और सुरक्षित समाज का निर्माण करना है।

भोपाल-देवास हाईवे पर बसों से वसूला गया गलत टोल

हाईकोर्ट ने 11 करोड़ रुपये वापस करने का दिया आदेश

जबलपुर। एजेंसी। मध्य प्रदेश हाईकोर्ट ने भोपाल-देवास फोरलेन हाईवे पर फास्टैग के माध्यम से की गई अतिरिक्त टोल वसूली के मामले में महत्वपूर्ण फैसला सुनाते हुए लगभग 11 करोड़ रुपये संबंधित वाहन मालिकों को लौटाने का आदेश दिया है। अदालत ने स्पष्ट किया कि जिन वाहन चालकों से गलत तरीके से अधिक टोल वसूला गया है, उन्हें पूरी राशि वापस की जाए। यदि इस राशि का कोई हिस्सा मध्य प्रदेश रोड डेवलपमेंट कॉर्पोरेशन (एमपीआरडीसी) को मिला है, तो उसे भी वापस करना होगा।

न्यायमूर्ति विवेक रूसिया और प्रदीप मित्तल की खंडपीठ ने सभी पक्षों की दलीलें सुनने के बाद यह आदेश पारित किया। साथ ही, अधिक वसूली के बावजूद मामले को अदालत में चुनौती देने पर संबंधित कंपनी पर 25 हजार रुपये की लागत (कॉस्ट) भी लगाई गई। मामला भोपाल-देवास कॉरिडोर प्राइवेट लिमिटेड से जुड़ा है, जिसे वर्ष 2007 में भोपाल-देवास फोरलेन

हाईवे पर टोल वसूली का ठेका दिया गया था। प्रारंभ में टोल की वसूली मैनुअल प्रणाली से होती थी, लेकिन बाद में नेशनल इलेक्ट्रॉनिक टोल कलेक्शन (फास्टैग) प्रणाली लागू कर दी गई। फास्टैग लागू होने के बाद विवाद तब शुरू हुआ, जब तीन एक्सल वाली बसें को मल्टी-एक्सल श्रेणी में दर्ज कर उनसे अधिक टोल वसूला जाने लगा। बस संचालकों का आरोप था कि जहां तीन एक्सल बसों पर लगभग 1.64 रुपये प्रति किलोमीटर की दर लागू होनी चाहिए थी, वहीं उनसे 3.93 रुपये प्रति किलोमीटर की दर से शुल्क लिया गया। इस पर बस मालिकों ने एमपीआरडीसी के समक्ष शिकायत दर्ज कराई।

जांच के बाद एमपीआरडीसी ने माना कि कंपनी ने गलत श्रेणी में रखकर अतिरिक्त टोल वसूला है और करीब 11 करोड़ रुपये लौटाने का निर्देश दिया था। इसी आदेश को कंपनी ने हाईकोर्ट में चुनौती दी थी, जिसे अदालत ने खारिज कर दिया। अदालत ने कहा कि फास्टैग प्रणाली के कारण प्रत्येक लेन-देन का डिजिटल रिकॉर्ड उपलब्ध है, इसलिए जिन वाहन मालिकों से अतिरिक्त राशि वसूली गई है, उनकी पहचान कर उन्हें धनराशि लौटाना संभव है। इस फैसले को फास्टैग आधारित टोल वसूली में पारदर्शिता और वाहन मालिकों के अधिकारों की दृष्टि से महत्वपूर्ण माना जा रहा है।

रेलवे में नौकरी का प्रयास कर रहे युवा रहे होशियार

- ठगों ने सोशल मीडिया पर बिछा रखा है फर्जी भर्ती विज्ञापनों का जाल
- रेलवे ने जारी किया अलर्ट

भोपाल। एजेंसी। रेलवे में सरकारी नौकरी पाने के प्रयास कर रहे युवाओं को ठगने के लिए जालसाजों द्वारा सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म पर फर्जी भर्ती विज्ञापनों का जाल बिछाया जा रहा है। ठगोरो से बचने के लिये पश्चिम मध्य रेलवे के भोपाल मंडल ने अलर्ट जारी करते हुए अभ्यर्थियों और उनके अभिभावकों से सतर्क रहने की अपील की है। जानकारी के अनुसार रेलवे ने साफ किया है कि भारतीय रेल्वे में किसी भी पद पर भर्ती केवल रेल्वे भर्ती बोर्ड (आरआरबी) और रेल्वे भर्ती सेल (आरआरसी) के माध्यम से निर्धारित प्रक्रिया के तहत ही की जाती है। ऐसा संज्ञान मे आया है की हाल के दिनों में सोशल मीडिया के अनेक प्लेटफॉर्म पर रेल्वे भर्ती के नाम से ऐसे भ्रामक विज्ञापन प्रसारित किए जा रहे हैं, जिनमें बिना परीक्षा नौकरी, डायरेक्ट जॉइनिंग, तुरंत नियुक्ति, सीमित योग्यता पर सरकारी नौकरी और निश्चित चयन जैसे दावे किए जा रहे हैं। ऐसे विज्ञापनों के जरिये जालसाज बेरोजगार युवाओं को झांसा देकर उनसे मोटी रकम ठगने के प्रयासरत है। जारी चेतावनी में यह भी कहा गया है कि रेलवे किसी भी निजी एजेंसी, दलाल या व्यक्ति के माध्यम से भर्ती नहीं करता। रेलवे का नाम, लोगो और स्टेशनों के नाम का इस्तेमाल कर प्रसारित किए जा रहे ऐसे विज्ञापनों का भारतीय रेलवे या भोपाल मंडल से कोई संबंध नहीं है। रेल्वे में भर्ती से जुड़ी किसी भी सूचना पर विश्वास करने से पहले उसकी पुष्टि केवल रेलवे के अधिकृत स्त्रोतों से करें। यदि कोई संदिग्ध विज्ञापन नजर आये या कोई व्यक्ति रेलवे में नौकरी दिलाने का दावा करता हुए पैसो की मांग करे तो इसकी सूचना स्थानीय पुलिस, साइबर क्राइम हेल्पलाइन 1930 पर दें।

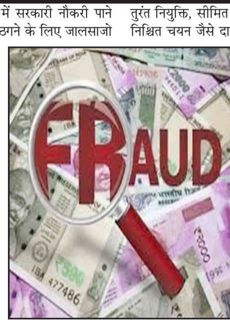

विधानसभा सत्र में जनहित के मुद्दों को मजबूती से उठाएगा कांग्रेस विधायक दल, बैठक में बनी रणनीति

भोपाल। एजेंसी। मध्यप्रदेश विधानसभा के नेता प्रतिपक्ष उमंग सिंघार के नेतृत्व में रविवार को भोपाल में मध्यप्रदेश कांग्रेस विधायक दल की महत्वपूर्ण बैठक संपन्न हुई। बैठक में सोमवार से शुरू हो रहे विधानसभा सत्र की रणनीति पर विस्तृत चर्चा की गई तथा प्रदेश के जनहित से जुड़े प्रमुख मुद्दों को सदन में पूरी मजबूती के साथ उठाने का निर्णय लिया गया। बैठक में मुख्यमंत्री एवं उनके परिवार से जुड़े भूमि घोटाले, किसानों की समस्याओं, सरकारी नौकरियों में पारदर्शिता सुनिश्चित करने के लिए वार्षिक जॉब कैलेंडर जारी करने की मांग, युवाओं के रोजगार एवं भर्ती परीक्षाओं में व्यापक सिस्टम सुधार, समान नागरिक संहिता (यूसीसी), आदिवासियों एवं दलितों के अधिकारों, महिलाओं पर बढ़ते अत्याचार, शिक्षा एवं स्वास्थ्य व्यवस्था में सुधार, केन-बेतवा परियोजना से जुड़े मुद्दों तथा प्रदेश में सामने आए घोटालों और भ्रष्टाचार के मामलों पर विस्तार से चर्चा हुई। बैठक में निर्णय लिया गया कि विधानसभा सत्र के दौरान इन सभी मुद्दों को तथ्यों और प्रमाणों के साथ प्रभावी ढंग से सदन में उठाया जाएगा तथा सरकार से जवाबदेही सुनिश्चित करने की मांग की जाएगी। उमंग सिंघार ने कहा कि कांग्रेस विधायक दल जनता के हितों और प्रदेश के हर वर्ग की आवाज को पूरी मजबूती से विधानसभा में उठाएगा। उन्होंने कहा कि प्रदेश में बेरोजगारी, किसानों की बदहाली, महिलाओं की सुरक्षा, भ्रष्टाचार, भर्ती प्रक्रियाओं में अनियमितताएं तथा आदिवासियों और दलितों के अधिकारों से जुड़े गंभीर प्रश्न लगातार सामने आ रहे हैं, जिन पर सरकार को जवाब देना होगा।

उन्होंने कहा कि कांग्रेस विधायक दल पूरी तैयारी, एकजुटता और तथ्यात्मक आधार के साथ विधानसभा सत्र में सरकार को जनता से जुड़े प्रत्येक मुद्दे पर जवाब देने के लिए मजबूर करेगा। विपक्ष जनता की अपेक्षाओं के अनुरूप रचनात्मक और प्रभावी भूमिका निभाते हुए प्रदेश के हितों से जुड़े हर विषय को सदन में प्रमुखता से उठाएगा।

नाबालिग किशोरी को फ्लैट में बंधक बनाकर किया दुष्कर्म

भोपाल। एजेंसी। शहर की गौतम नगर पुलिस ने 16 साल चार माह की नाबालिग किशोरी की शिकायत पर उसके ही परिचित युवक के खिलाफ दुष्कर्म का मामला कायम किया है। पीड़िता का आरोप है की परिचित युवक उसे बहाने से फ्लैट पर ले गया और वहॉ बंधक बनाते हुए बलपूर्वक उसके साथ गलत काम किया है। करीब पॉच दिन बाद बीते दिन किशोरी वापस घर लौटी। इसके बाद उसने परिजनो को सारी बात बताई। परिवार वाले उसे लेकर थाने पहुंचे और रिपोर्ट दर्ज कराई। ने पुलिस का कहना है कि फिलहाल आरोपी फरार है, जिनकी गिरफ्तारी के प्रयास किये जा रहे है। पुलिस के मुताबिक गौतम नगर थाना क्षेत्र में रहने वाली नाबालिग किशोरी 13 जुलाई को वह घर से संदिग्ध हालत में लापता हो गई। देर शाम तक जब वह वापस घर नहीं लौटी तब परिवार वालो ने उसकी खोजबीन के बाद पुलिस में उसकी गुमशुदगी दर्ज कराई। बाद में थाने पहुंचने पर पुलिस ने पीड़िता किशोरी की काउंसलिंग कराई। जिसमें उसने बताया कि वह अपनी सहेलियों और अन्य दोस्तों के साथ पिकनिक मनाने एक फॉर्म हाउस पर गई थी। इस दौरान एक परिचित युवक उसे बहाने फ्लैट पर ले गया और वहॉ उसके साथ ज्यादती कर डाली।

काउंसलिंग के बाद पुलिस ने आरोपी के खिलाफ दुष्कर्म, पाक्सो एक्ट सहित अन्य धाराओं में मामला दर्ज कर लिया है। पुलिस का कहना है कि दुष्कर्म करने वाले की तलाश की जा रही है। उसकी गिरफ्तारी के बाद ही कहा जा सकेगा आरोपी बालिग है या नाबालिग है।

युवक का मोबाइल हैक कर उसके खाते से उड़ाए 98 हजार

इन्दौर। एजेंसी। साइबर ठगोरे ने एक युवक का मोबाइल हैक कर उसके खाते से करीब अट्ठावन हजार रुपए की ठगी की वारदात को अंजाम दे दिया। मामला बेटमा थाना क्षेत्र का है। पुलिस के अनुसार साइबर ठगी की वारदात फरियादी राम पिता सुरेश यादव उम्र छब्बीस साल निवासी ग्राम गोहान के साथ 8 जुलाई की रात 8.20 बजे से 9.56 बजे के बीच हुई थी। जांच के बाद पुलिस ने अज्ञात आरोपी के खिलाफ केस दर्ज किया है। राम यादव ने वारदात के बारे में पुलिस को बताया कि अज्ञात आरोपी ने मेरा मोबाइल फोन हैक कर लिया और ऑनलाइन ठगी करते मेरे बैंक खाते-वॉलेट से 98,878 रुपए की राशि उड़ा ली। राशि कटने के बैंक से मैसेज आने पर ठगी का पता चला जिसके बाद उसने पहले बैंक जाकर खाते को सुरक्षित करवाया फिर पुलिस को शिकायत की। मामले में पुलिस ने साइबर सेल की मदद से कार्रवाई शुरू कर दी है।

फीफा वर्ल्ड कप का फाइनल, टूर्नामेंट में 60 साल बाद स्पेन और अर्जेंटीना भिड़ें

अर्जेंटीना खिताब बचाने की कोशिश करेगा, स्पेन की निगाहें 16 साल बाद चैंपियन बनने पर

न्यूयार्क,एजेंसी। फुटबॉल विश्वकप के फाइनल मुकाबले में आज मौजूदा चैंपियन अर्जेंटीना और स्पेन के बीच आक्रमण और बचाव की रोचक जंग देखने को मिलेगी। स्पेन ने सिर्फ एक गोल खाया है, जबकि अर्जेंटीना ने 19 गोल दागे हैं। एक ओर लियोनेल मेसी का करिश्मा है तो दूसरी तरफ स्पेन का अभेद्य डिफेंस है ऐसे में दर्शकों को कड़ा मुकाबला देखने को मिलेगा। टूर्नामेंट में दोनों टीमें 60 साल बाद आमने-सामने हो रही हैं।

यह मैच न्यूयॉर्क के न्यू जर्सी स्टेडियम में रात 12:30 बजे से मुकाबला खेला जाएगा। इस स्टेडियम में 80 हजार से अधिक दर्शकों के पहुंचने की उम्मीद है। अर्जेंटीना चौथे फीफा विश्व कप खिताब की तलाश में उतरेगा। टीम इससे पहले 1978, 1986 और 2022 में विश्व विजेता बन चुकी है। दूसरी ओर, स्पेन 2010 के बाद दूसरी बार ट्रॉफी जीतने के इरादे से मैदान में उतरेगा। फीफा विश्व कप के इतिहास में स्पेन और अर्जेंटीना की टीमें अब तक सिर्फ एक बार आमने-सामने आई हैं। दोनों के बीच पिछला मुकाबला 1966 विश्व कप में हुआ था, जिसमें अर्जेंटीना ने 2-1 से जीत दर्ज की थी। स्पेन अपना दूसरा विश्व कप फाइनल खेल रहा है, जबकि अर्जेंटीना आठवीं बार फाइनल में उतरेगा और 2022 में जीता अपना खिताब बचाने की कोशिश करेगा।

स्पेन के इन खिलाड़ियों पर निगाहें

मिकेल ओयारजाबाल: 5 गोल
रोड्री: सर्वाधिक 648 सफल पास
लामिन यमाल: 19 वर्षीय युवा स्टार

स्पेन ने पूरे टूर्नामेंट में सिर्फ एक गोल खाया

लुइस डे ला फुएंते की टीम की शुरूआत केप वर्डे के खिलाफ 0-0 के ड्रॉ से हुई थी। इसके बाद स्पेन ने लगातार छह मुकाबले जीतकर फाइनल में जगह बनाई। टीम ने ऑस्ट्रिया, पुर्तगाल, बेल्जियम और सेमीफाइनल में फ्रांस को 2-0 से हराया। पूरे टूर्नामेंट में स्पेन ने सिर्फ एक गोल खाया। गोलकीपर उनाई सिमोन ने वर्ल्ड कप के एक सीजन में सबसे ज्यादा छह क्लीन शीट का रिकॉर्ड बनाया। वहीं कप्तान रोड्री ने रिकॉर्ड 648 सफल पास पूरे किए।

पिछले 5 मुकाबलों के परिणाम

साल	परिणाम
2018	स्पेन 6-1 अर्जेंटीना
2010	अर्जेंटीना 4-1 स्पेन
2009	स्पेन 2-1 अर्जेंटीना
2006	स्पेन 2-1 अर्जेंटीना
1999	स्पेन 0-2 अर्जेंटीना

हेड-टू-हेड रिकॉर्ड

विश्व कप के अलावा स्पेन और अर्जेंटीना के बीच बाकी सभी मुकाबले फ्रेंडली मैच रहे हैं। दोनों देशों के बीच पहली भिड़ंत 1952 में हुई थी। अब तक खेले गए 14 मुकाबलों में दोनों टीमों ने 6-6 मैच जीते हैं, जबकि 2 मुकाबले ड्रॉ रहे हैं। यह रिकॉर्ड बताता है कि दोनों के बीच मुकाबला हमेशा बेहद कड़ा और संतुलित रहा है।

दौड़, स्प्रिंट और फिटनेस में स्पेन आगे

स्पेन ने औसत गति (6.08 किमी/घंटा), हाई-स्पीड रन (8836) और स्प्रिंट (3121) में अर्जेंटीना से बेहतर प्रदर्शन किया है। अर्जेंटीना के खिलाड़ियों ने कुल मिलाकर ज्यादा दूरी तय की है। टीम ने टूर्नामेंट में 8,13,091 मी. दौड़ लगाई, जबकि स्पेन ने 7,99,554 मी. दूरी तय की।

अर्जेंटीना लगातार सात जीत के साथ फाइनल में

डिफेंडिंग चैंपियन अर्जेंटीना ने ग्रुप स्टेज में अल्जीरिया, ऑस्ट्रिया और जॉर्डन को हराया। इसके बाद केप वर्डे, मिस्र, स्विट्जरलैंड और इंग्लैंड को हराकर लगातार दूसरी बार फाइनल में जगह बनाई। मिस्र के खिलाफ 0-2 से पिछड़ने के बाद 3-2 की जीत और सेमीफाइनल में इंग्लैंड के खिलाफ पिछड़कर 2-1 से जीत ने टीम की चैंपियन मानसिकता दिखाई। अर्जेंटीना ने लगातार सात मुकाबले जीते हैं और इस विश्व कप में सबसे ज्यादा 19 गोल किए हैं।

अर्जेंटीना के इन खिलाड़ियों पर निगाहें

लियोनल मेसी: 8 गोल, 4 असिस्ट
लौटारो मार्टिनेज: 3 गोल
एंजो फर्नांडीज: 2 गोल

स्पेन की ताकत और कमजोरी

स्पेन की ताकत

- **मजबूत डिफेंस:** स्पेन ने पूरे टूर्नामेंट में सात मैचों में सिर्फ एक गोल खाया है। उसकी संगठित रक्षापंक्ति विरोधी टीमों को आसान मौके नहीं देती।
- **मिडफील्ड पर शानदार नियंत्रण:** रोड्री, पेड्री और डानी ओल्मो की मौजूदगी में स्पेन ने औसतन 66% गेंद अपने कब्जे में रखी है।
- **विंग्स से तेज हमला:** यमाल और निको की रफ्तार स्पेन के आक्रमण को अलग आयाम देती है। यमाल 30 सफल ड्रिबल वाले खिलाड़ी हैं।

स्पेन की कमजोरी

- **धीमी गति से खेलना:** गेंद पर नियंत्रण बनाए रखने की कोशिश में स्पेन कई बार खेल की रफ्तार धीमी कर देता है। इसका असर केप वर्डे जैसे मुकाबलों में भी देखने को मिला, जहां टीम को शुरूआती दौर में संघर्ष करना पड़ा।
- **फिनिशिंग में निरंतरता की कमी:** मिकेल ओयारजाबाल के पांच गोलों को छोड़ दें तो स्पेन के अन्य फॉरवर्ड बड़े मौकों को गोल में बदलने में लगातार सफल नहीं रहे हैं।

पॉसिबल स्टार्टिंग इलेवन

स्पेन: उनाई सिमोन (गोलकीपर), पेड्रो पोरो, पाउ कुबार्सी, आयमेरिक लापोर्ट, मार्क कुकुरेला, रोड्री (कप्तान), फेबियन रुइज, लामिन यमाल, दानी ओल्मो, एलेक्स बेएना और मिकेल ओयारजाबाल।

अर्जेंटीना: एमिलियानो मार्टिनेज (गोलकीपर), मोलिना, क्रिस्टियन रोमेरो, लिसांद्रो मार्टिनेज, निकोलस, लिएंड्रो परेडेस, एलेक्सिस मैक, एंजो फर्नांडीज, गिउलियानो सिमियोने, लियोनेल मेसी (कप्तान), जूलियन अल्वारेज।

अर्जेंटीना की ताकत और कमजोरी

अर्जेंटीना की ताकत

- **मेसी का अनुभव और शानदार फॉर्म:** 39 वर्षीय लियोनेल मेसी इस विश्व कप में आठ गोल और चार असिस्ट के साथ टीम के सबसे बड़े मैच विनर रहे हैं।
- **घातक आक्रमण:** अर्जेंटीना ने टूर्नामेंट में सबसे ज्यादा 19 गोल किए हैं। टीम लगातार 13 मैचों से कम से कम दो गोल करने में सफल रही है।
- **मुश्किल हालात से वापसी की क्षमता:** मिस्र और इंग्लैंड के खिलाफ पिछड़ने के बाद भी टीम ने वापसी की। यह मजबूत मानसिकता को दर्शाता है।

अर्जेंटीना की कमजोरी

- **मेसी पर अधिक निर्भरता:** यदि विपक्षी टीम मेसी को प्रभावी ढंग से रोकने में सफल रही तो अर्जेंटीना के आक्रमण की धार कुछ कमजोर पड़ सकती है।
- **मिडफील्ड की अस्थिरता:** इंग्लैंड और केप वर्डे जैसी टीमों ने कई मौकों पर अर्जेंटीना के मिडफील्ड पर दबाव बनाकर उसे परेशान किया।
- **रक्षापंक्ति में खामियां:** मजबूत आक्रमण के बाद भी अर्जेंटीना इस विश्व कप में सात गोल खा चुका है, जो उसकी डिफेंसिव कमजोरी को दिखाता है।

फुटबॉल वर्ल्ड चैंपियन को पहली बार 490 करोड़ और मेडल के साथ चैंपियनशिप रिंग मिलेगी

इस बार फुटबॉल वर्ल्ड कप चैंपियन को 51 मिलियन डॉलर करीब 490 करोड़ रुपए मिलेंगे। पहली बार विश्व चैंपियन को इतनी बड़ी रकम मिलेगी। FIFA ने इस बार 871 मिलियन डॉलर यानी करीब 8,400 करोड़ रुपए की इनामी राशि बांटने का ऐलान किया है। वर्ल्ड कप के लिए क्वॉलीफाई करने वाले हर देश को कम से कम 12.5 मिलियन डॉलर यानी करीब 120 करोड़ रुपए मिलेंगे। वर्ल्ड कप 2026 में अंतिम चार में पहुंचने वाली टीमों को सबसे ज्यादा इनामी राशि मिलेगी। उपविजेता टीम को करीब 317 करोड़ (33 मिलियन डॉलर) मिलेंगे। तीसरे स्थान पर रहने वाली टीम को करीब 279 करोड़, चौथे स्थान पर रहने वाली टीम को करीब 259 करोड़ की पुरस्कार राशि दी जाएगी। वर्ल्ड कप इतिहास में पहली बार चैंपियन बनने वाली टीम के खिलाड़ियों और स्टाफ को ट्रॉफी और गोल्ड मेडल के साथ-साथ चैंपियनशिप रिंग भी दी जाएगी।

गोल्डन बूट की रेस में मेसी सबसे आगे

मेसी गोल्डन बूट की दौड़ में सबसे आगे हैं। उन्होंने इस वर्ल्ड कप में 8 गोल और 4 असिस्ट किए हैं। दूसरी ओर स्पेन के मिकेल ओयारजाबाल 5 गोल के साथ टीम के टॉप स्कोरर हैं, जबकि 19 साल के यमाल 30 सफल ड्रिबल के साथ टूर्नामेंट के सबसे इम्पैक्टफुल विंगर रहे हैं।

मुकाबले में जीत की भविष्यवाणी करना बेहद कठिन - बिग बी

मुम्बई। बॉलीवुड के महानायक अमिताभ बच्चन भी फीफा विश्वकप फुटबॉल के खुमार से बच नहीं पाये हैं। बिग बी ने कहा कि सेमीफाइनल में पहुंचने के बाद सभी खिलाड़ी अपने आप में सुपरस्टार होते हैं और उनकी व्यक्तिगत क्षमता अतुलनीय होती है। इसलिए वही टीम जीतेगी जिसके कोच की रणनीति और गेम प्लान में अधिक दम और स्पष्टता होगी। फाइनल सिर्फ खिलाड़ियों का नहीं, बल्कि रणनीतिकारों का भी सीधा मुकाबला है।

बच्चन ने लिखा है कि जब कोई चैंपियनशिप अपने बिल्कुल अंतिम पड़ाव पर पहुंच जाती है और मुकाबला करने के लिए सिर्फ चार सर्वश्रेष्ठ टीमें शेष रह जाती हैं, तो यह भविष्यवाणी करना अत्यंत कठिन हो जाता है कि जीत का सेहरा किसके सिर बंधेगा। अक्सर लोग अपनी पसंदीदा टीम के प्रति अपने गहरे भावनात्मक जुड़ाव और प्यार को देखकर ही जीत की भविष्यवाणी कर बैठते हैं। हालांकि, सच्चाई यह है कि इस स्टेज पर हम जिन चुनिंदा 44 खिलाड़ियों की बात कर रहे होते हैं, वे सभी अपने-अपने क्षेत्र के माहिर खिलाड़ी और सुपरस्टार होते हैं।

बैडमिंटन: 31 वर्षीय सिंधु ने जीता जापान ओपन का खिताब, फाइनल में अकाने यामागुची को दी शिकस्त

टोक्यो,एजेंसी। दो बार की ओलंपिक पदक विजेता पीवी सिंधु ने रविवार को यहां जापान ओपन में शानदार आक्रामक बैडमिंटन खेलते हुए स्थानीय प्रबल दावेदार अकाने यामागुची को सीधे गेम में हराकर पहली बार सुपर 750 टूर्नामेंट का खिताब जीता। जापान ओपन जीतने वाली पहली भारतीय खिलाड़ी 31 साल की सिंधु ने लगातार आक्रमण के साथ-साथ रणनीतिक अनुशासन और अहम पलों में संयम बनाए रखते हुए तीन बार की विश्व चैंपियन यामागुची को 21-17, 21-17 से हराया और दो साल से अधिक समय बाद अपना पहला खिताब जीता। सिंधु ने अपना पिछला खिताब 2024 में सैयद मोदी अंतरराष्ट्रीय में जीता था। जापान ओपन की यह जीत 2019 में विश्व चैंपियनशिप का खिताब जीतने के बाद उनकी सबसे बड़ी खिताबी जीत है। यामागुची छठी बार जापान ओपन के फाइनल में खेल रहीं थीं जबकि सिंधु ने पिछले चार साल में किसी पूर्ण मैच में जापान की इस खिलाड़ी को नहीं हराया था। इस साल की शुरुआत में मलेशिया ओपन में सिंधू ने यामागुची के पहले गेम के बाद हटने पर जीत दर्ज की थी।

रोहित 138 रन बनाकर आउट-17 चौकै, 5 छक्के लगाए; कोहली का अर्धशतक, भारत 295/2; इंग्लैंड ने 388 का टारगेट दिया

लंदन। भारत का दूसरा विकेट गिर गया है। रोहित शर्मा 138 रन बनाकर आउट हुए। उन्होंने 17 चौके और 5 छक्के लगाए। रोहित ने विराट कोहली के साथ दूसरे विकेट के लिए 113 रन की साझेदारी की। कोहली अर्धशतक लगाकर क्रीज पर हैं। 42 ओवर के बाद भारत का स्कोर 295/2 है। इंग्लैंड ने 388 रन का टारगेट दिया है। भारत के लिए कप्तान शुभमन गिल और रोहित शर्मा ने पहले विकेट के लिए 147 रन जोड़े। गिल 78 गेंदों में 77 रन बनाकर आउट हुए। उन्होंने अपनी पारी में 8 चौके और 2 छक्के लगाए। गिल का विकेट आदिल रशीद ने लिया। इससे पहले इंग्लैंड ने 50 ओवर में 387/3 रन बनाए। यह भारत के खिलाफ उसका सबसे बड़ा वनडे स्कोर है। बेन डकेट ने 135 गेंदों पर 141 रन बनाए। जैकब बेथेल ने 91 रन की पारी खेली। दोनों ने पहले विकेट के लिए 192 रन जोड़े। बाद में जो रूट (नाबाद 74) और जोस बटलर (नाबाद 41) ने तेज बल्लेबाजी कर टीम को 387/3 तक पहुंचाया। भारत की ओर से प्रसिद्ध कृष्णा ने 2 और प्रिंस यादव ने 1 विकेट लिया।

इसरो के विक्रम-1 मिशन में बालाघाट के वैज्ञानिक डॉ. सौरभ पटले का योगदान

पद्मेश न्यूज। बालाघाट। देश के अंतरिक्ष अभियान में बालाघाट जिले ने एक बार फिर गौरवपूर्ण उपस्थिति दर्ज कराई है। श्रीहरिकोटा से 18 जुलाई को किए गए विक्रम-1 यान के प्रक्षेपण में बालाघाट जिले के युवा वैज्ञानिक डॉ. सौरभ पटले ने महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। प्रक्षेपण के दौरान वे मिशन टीम के साथ मौजूद रहे।

प्रक्षेपण के समय ग्रुप कैप्टन शुभांशु शुक्ला एवं उनकी टीम के साथ इसरो में कार्यरत बालाघाट के वैज्ञानिक डॉ. सौरभ पटले की मौजूदगी जिले के लिए गर्व का विषय बनी। देश के इस महत्वपूर्ण अंतरिक्ष मिशन में उनका योगदान बालाघाट ही नहीं, बल्कि पूरे मध्यप्रदेश के लिए सम्मान और प्रेरणा का स्रोत माना जा रहा है।

डॉ. सौरभ पटले की इस उपलब्धि से जिले के युवाओं में विज्ञान एवं अंतरिक्ष अनुसंधान के प्रति नई प्रेरणा का संचार हुआ है। उनके इस योगदान पर जिले के नागरिकों, शिक्षकों, विद्यार्थियों एवं विभिन्न सामाजिक संगठनों ने हर्ष व्यक्त करते हुए उन्हें शुभकामनाएं दी हैं।

बालाघाट के इस प्रतिभाशाली वैज्ञानिक ने देश के अंतरिक्ष कार्यक्रम में अपनी सहभागिता से यह साबित किया है कि छोटे शहरों और ग्रामीण अंचलों से निकली प्रतिभाएं भी अपनी मेहनत और लगन के बल पर राष्ट्रीय स्तर पर महत्वपूर्ण उपलब्धियां हासिल कर सकती हैं। डॉ. सौरभ पटले की सफलता बालाघाट जिले के लिए गौरव का क्षण है और आने वाली पीढ़ी के लिए प्रेरणादायक उदाहरण भी।

कार्यालय कार्यपालन यंत्री, लोक निर्माण विभाग, संभाग क्रमांक 1 बालाघाट (म.प्र.)

निविदा आमंत्रण-सूचना

निविदा सूचना क्रमांक 19/ व0ले0लि0/2026-27 — बालाघाट, दिनांक 13.07.2026

निम्नलिखित कार्यों हेतु निविदायें आमंत्रित की जाती है। उल्लेखित कार्य का विस्तृत विवरण वेबसाइट www.mptenders.gov.in पर देखा जा सकता है।

सं क्र.	टेण्डर क्र0	जिला	कार्य का नाम	आमंत्रण क्रमांक	कार्य की अनुमानित राशि (राशि लाख में)	धरोहर राशि	निविदा प्रपत्र का मूल्य	कार्य पूर्ण करने की अवधि
1	2	3	4	5	6	7	8	9
1	2026_PWDRB_5 21106	बालाघाट	लोक निर्माण विभाग उपसंभाग क्रमांक- 1 बालाघाट के अंतर्गत मुख्यालय के लिए ए.आर., एस.आर, एम.ओ.डब्ल्यू और अन्य जमा कार्य।	द्वितीय आमंत्रण	19.50	39000.00	2000.00	31.03.2027
2	2026_PWDRB_5 21107	बालाघाट	लोक निर्माण विभाग उपसंभाग क्रमांक- 1 बालाघाट के अंतर्गत न्यायायिक आवासीय भवनों का मरम्मत कार्य।	द्वितीय आमंत्रण	19.50	39000.00	2000.00	31.03.2027
3	2026_PWDRB_5 21108	बालाघाट	लोक निर्माण विभाग उपसंभाग क्रमांक- 1 बालाघाट के अंतर्गत विभिन्न सड़कों के लिए सामग्री प्रदाय।	द्वितीय आमंत्रण	19.50	39000.00	2000.00	31.03.2027
4	2026_PWDRB_5 21109	बालाघाट	लोक निर्माण विभाग उपसंभाग क्रमांक- 1 बालाघाट के अंतर्गत विभिन्न सड़कों पर पुलिया की मरम्मत, पेंटिंग, फिगरिंग और किलोमीटर स्टोन, पॉइंट स्टोन का कार्य	द्वितीय आमंत्रण	19.50	39000.00	2000.00	31.03.2027
5	2026_PWDRB_5 21110	बालाघाट	लोक निर्माण विभाग उपसंभाग क्रमांक- 1 बालाघाट के अंतर्गत आवासीय भवनों में रंगाई पुताई का कार्य।	द्वितीय आमंत्रण	19.50	39000.00	2000.00	31.03.2027
6	2026_PWDRB_5 21111	बालाघाट	लोक निर्माण विभाग उपसंभाग क्रमांक- 1 बालाघाट के अंतर्गत न्यायायिक आवासीय भवनों में रंगाई पुताई का कार्य।	द्वितीय आमंत्रण	19.50	39000.00	2000.00	31.03.2027
7	2026_PWDRB_5 21112	बालाघाट	लोक निर्माण विभाग उपसंभाग क्रमांक- 2 बालाघाट के अंतर्गत विभिन्न सड़कों का रखरखाव।	द्वितीय आमंत्रण	19.50	39000.00	2000.00	31.03.2027
8	2026_PWDRB_5 21113	बालाघाट	लोक निर्माण विभाग उपसंभाग क्रमांक- 2 बालाघाट के अंतर्गत विभिन्न सड़कों पर पुलिया की मरम्मत, पेंटिंग, फिगरिंग और किलोमीटर स्टोन, पॉइंट स्टोन का कार्य	द्वितीय आमंत्रण	19.50	39000.00	2000.00	31.03.2027
9	2026_PWDRB_5 21115	बालाघाट	लोक निर्माण विभाग उपसंभाग क्रमांक- 2 बालाघाट के अंतर्गत आवासीय भवनों में रंगाई पुताई का कार्य।	द्वितीय आमंत्रण	18.00	36000.00	2000.00	31.03.2027
10	2026_PWDRB_5 21117	बालाघाट	लोक निर्माण विभाग उपसंभाग क्रमांक- 1 बालाघाट के अंतर्गत विभिन्न सड़कों का रखरखाव।	द्वितीय आमंत्रण	19.50	39000.00	2000.00	31.03.2027
11	2026_PWDRB_5 21118	बालाघाट	लोक निर्माण विभाग उपसंभाग वारासिवनी के अंतर्गत मुख्यालय वारासिवनी विभिन्न सड़कों के लिए सामग्री प्रदाय।	द्वितीय आमंत्रण	19.50	39000.00	2000.00	31.03.2027
12	2026_PWDRB_5 21120	बालाघाट	लोक निर्माण विभाग उपसंभाग वारासिवनी के अंतर्गत मुख्यालय वारासिवनी के अंतर्गत आवासीय भवनों में रंगाई पुताई का कार्य।	द्वितीय आमंत्रण	15.00	30000.00	2000.00	31.03.2027
				कुल योग	228.00			

उपरोक्त वेबसाइट आनॅलाइन भुगतान करने के उपरान्त निविदा प्रपत्र (टेण्डर डाक्यूमेंट) बेवसाइट के माध्यम से प्राप्त हो सकेगा। निविदा प्रपत्र आनलाईन क्रय करने एवं आनलाईन निविदा जमा करने की अंतिम तिथि 29/07/2026 (17.30) बजे निर्धारित है। निविदा की धरोहर राशि (EMD) एवं निविदा तथा अन्य सभी आवश्यक दस्तावेज आनलाईन ही जमा किये जायेंगें। विस्तृत एन.आई.टी. एवं अन्य जानकारी उपरोक्त वेबसाइट में देखा जा सकता है।

G15910/26

कार्यपालन यंत्री,
लोक निर्माण विभाग
संभाग क्रमांक 1 बालाघाट

दुनिया के बदलते समीकरणों में भारत की भूमिका कमजोर, जबकि पाकिस्तान का प्रभाव बढ़ेगा- प्रवीण साहनी

अमेरिक-ईरान युद्ध के बाद अमेरिकी साम्राज्य को बड़ा झटका लगेगा, युद्ध में अमेरिका को भारी नुकसान, ईरान के पीछे चीन और रूस की ताकत

मुंबई। अमेरिका, इज़राइल और ईरान के बीच हुए युद्ध के बाद विश्व की भू-राजनीतिक परिस्थितियाँ पूरी तरह बदलने वाली हैं। दुनिया अब केवल दो महाशक्तियों तक सीमित नहीं रही, बल्कि बहुध्रुवीय व्यवस्था (मल्टीपोलर वर्ल्ड) में प्रवेश कर चुकी है और इसकी शुरुआत वर्ष 2013 से ही हो चुकी थी। अमेरिका ने द्वितीय विश्वयुद्ध और शीत युद्ध अवश्य जीता, लेकिन आज विश्व व्यवस्था पूरी तरह बदल चुकी है। रूस, चीन के साथ-साथ अन्य शक्तियाँ भी उभर चुकी हैं। इस बदलते वैश्विक परिदृश्य में एशिया में पाकिस्तान का महत्व बढ़ा है, जो भारत के लिए शुभ संकेत नहीं है। भारत की विदेश नीति दुनिया के बदलते समीकरणों को समझने में विफल रही है और यह भारत के लिए चिंताजनक स्थिति है। यह बात रक्षा एवं युद्धनीति विषय के अंतरराष्ट्रीय विश्लेषक प्रवीण साहनी ने कही। महाराष्ट्र प्रदेश कांग्रेस कमेटी द्वारा 卐अमेरिकाङ्गईरान युद्ध और भारत पर उसके प्रभाव卐 विषय पर मुंबई के दादर स्थित तिलक भवन में विशेष परिसंवाद का आयोजन किया गया था। इस परिसंवाद के मुख्य वक्ता रक्षा एवं युद्धनीति विषय के अंतरराष्ट्रीय विश्लेषक प्रवीण साहनी थे। कार्यक्रम की अध्यक्षता महाराष्ट्र प्रदेश कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष हर्षवर्धन सपकाल ने की। इस अवसर पर पूर्व सांसद कुमार केतकर, हुसैन दलवाई, सामाजिक कार्यकर्ता फिरोज मिठीबोरवाला सहित अनेक गणमान्य उपस्थित थे। इस अवसर पर प्रवीण साहनी ने कहा कि अमेरिकाङ्गईरान युद्ध में अमेरिका को भारी नुकसान हुआ है। ईरान के पीछे रूस और चीन की ताकत खड़ी है। इन दोनों देशों ने ईरान को तकनीक सहित हर प्रकार की सहायता प्रदान की है। मिसाइल क्षमता ईरान की सबसे बड़ी ताकत है और उसकी भौगोलिक स्थिति भी उसके पक्ष में है। होर्मुज़ जलडमरूमध्य इस पूरे संघर्ष का सबसे महत्वपूर्ण बिंदु है, जिस पर ईरान का नियंत्रण है। इसी मार्ग से दुनिया का बड़ा हिस्सा व्यापार और तेल परिवहन करता है तथा विश्व के लगभग 30 प्रतिशत इंटरनेट नेटवर्क का आवागमन भी इसी क्षेत्र से होता है। अमेरिका के 80 देशों में सैन्य अड्डे हैं, जिन पर प्रतिवर्ष लगभग एक ट्रिलियन डॉलर का खर्च होता है। कतर, दुबई और सऊदी अरब में अमेरिका की बड़ी सैन्य उपस्थिति है, जिसे ईरान ने निशाना बनाया है। ईरान युद्ध के बाद अमेरिका का आर्थिक और सैन्य साम्राज्य गंभीर संकट में पड़ सकता है।

प्रवीण साहनी ने आगे कहा कि वर्ष 2013 के बाद दुनिया बहुध्रुवीय हो चुकी है। इसके बाद नरेंद्र मोदी सत्ता में आए, लेकिन वे अब भी यह स्वीकार करने को तैयार नहीं हैं कि दुनिया बदल चुकी है। पाकिस्तान आज वैश्विक स्तर पर महत्वपूर्ण शक्ति बन गया है। हम ऑपरेशन सिंदूर की जीत के दावे कर रहे हैं, जबकि अमेरिका का कहना है कि इस युद्ध में पाकिस्तान का प्रदर्शन बेहतर रहा। पाकिस्तान दुनिया का एकमात्र ऐसा देश है जिसके अमेरिका, रूस और चीन तीनों महाशक्तियों से अच्छे संबंध हैं। पश्चिम एशिया और दक्षिण एशिया दोनों क्षेत्रों में पाकिस्तान का महत्व बढ़ गया है। अमेरिका और ईरान के बीच पाकिस्तान ने मध्यस्थता की, लेकिन भारत में इसे 卐दलाली卐 कहकर खारिज किया गया, जो अत्यंत दुर्भाग्यपूर्ण है। उन्होंने कहा कि भारत की विदेश नीति में अनेक कमियाँ हैं और हम वास्तविकताओं को स्वीकार करने के लिए तैयार नहीं हैं। दुनिया के नए भू-राजनीतिक समीकरणों को भारत अब तक स्वीकार नहीं कर पाया है। भारत एक बड़ा देश है और उसे दक्षिण एशिया की प्रमुख शक्ति बनना चाहिए। रूस के साथ भारत की मित्रता अत्यंत महत्वपूर्ण है, लेकिन हम लगातार अमेरिका की ओर झुकते जा रहे हैं। अमेरिका का राष्ट्रपति सार्वजनिक रूप से भारत के प्रधानमंत्री का अपमान करता है और भारत चुप रहता है। यदि भारत ने समय रहते अवसरों को पहचानकर अपनी विदेश नीति में बदलाव नहीं किया, तो यह देश के लिए गंभीर खतरा साबित हो सकता है। ईरान के सर्वोच्च नेता आयतुल्ला अली खामेनेई अमेरिका और इज़राइल के हमले में मारे गए, लेकिन भारत की ओर से न तो शोक व्यक्त किया गया और न ही संवेदना संदेश जारी किया गया। भारत और ईरान के संबंध आज भी दोनों देशों के ऐतिहासिक, सांस्कृतिक और पारंपरिक रिश्तों के कारण मजबूत हैं, न कि वर्तमान मोदी सरकार की वजह से। परिसंवाद के समापन पर महाराष्ट्र प्रदेश कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष हर्षवर्धन सपकाल ने कहा कि यह कोई राजनीतिक कार्यक्रम नहीं है, बल्कि तिलक भवन में समय-समय पर समसामयिक विषयों पर गंभीर चर्चा आयोजित की जाती है। युद्ध की प्रकृति और तकनीक में आज व्यापक परिवर्तन हो चुका है। आधुनिक युद्ध अब तकनीक के आधार पर लड़े जा रहे हैं और अमेरिकाङ्गईरान युद्ध इसका स्पष्ट उदाहरण है। जब प्रश्न 卐युद्ध या बुद्ध卐 का हो, तब हमारी प्राथमिकता हमेशा बुद्ध और शांति की रही है। वर्ष 2014 के बाद दुनिया के सभी संदर्भ तेजी से बदले हैं। कभी नेपाल, रूस, श्रीलंका सहित अनेक देशों से भारत के घनिष्ठ संबंध थे, लेकिन आज भारत का कोई वास्तविक मित्र देश दिखाई नहीं देता। आज वैश्विक परिस्थितियाँ पूरी तरह बदल चुकी हैं। 卐थिंक ग्लोबली, एक्ट लोकली卐 का सिद्धांत आज सबसे अधिक प्रासंगिक है, लेकिन हम अब भी जाति, पंथ और धर्म की संकीर्णताओं में उलझे हुए हैं। देश में आज जियो-पॉलिटिक्स नहीं, बल्कि 卐हम दो, हमारे दो卐 तक सीमित राजनीति चल रही है। भारत को विश्वबंधुत्व की महान विरासत मिली है और उसकी रक्षा के लिए अब हमें स्वतंत्रता की दूसरी लड़ाई लड़नी होगी।

रामोल हादसे के बाद बड़ा एक्शन- पटाखा फैक्ट्री मालिक, उसकी मां और पार्टनर गिरफ्तार

अहमदाबाद। शहर के रामोल क्षेत्र स्थित एक अवैध पटाखा फैक्ट्री में हुए भीषण विस्फोट और आग की भयावह घटना में 9 लोगों की मौत हो गई, जबकि कई अन्य घायल हो गए थे। विस्फोट इतना शक्तिशाली था कि आसपास की इमारतों के कांच टूट गए और पास की कंपनियों में लगे सीसीटीवी कैमरों के शीशे भी चकनाचूर हो गए। घटना के सीसीटीवी फुटेज सामने आने के बाद हादसे की भयावहता स्पष्ट हो गई है।

हादसे के बाद अहमदाबाद पुलिस ने त्वरित कार्रवाई करते हुए फैक्ट्री के मालिक मेहुल डोडिया, उसकी मां तथा साझेदार सादिक सैयद को गिरफ्तार कर लिया है। पुलिस आयुक्त अनुपमसिंह गहलोत ने प्रेस कॉन्फ्रेंस में बताया कि तीनों आरोपी विस्फोट के समय फैक्ट्री में मौजूद थे और उन्हें भी चोटें आई हैं। उन्होंने बताया कि इस फैक्ट्री का लाइसेंस समाप्त हो चुका था और मार्च महीने में इसे बंद कराया गया था, लेकिन इसके बावजूद यहां अवैध रूप से पटाखों का निर्माण जारी था। लाइसेंस नवीनीकरण नहीं कराने वाले 12 अन्य इकाइयों को भी पहले बंद कराया गया था। रामोल स्थित फैक्ट्री में हुए विस्फोट के समय के दृश्य पास की एक कंपनी के सीसीटीवी कैमरे में कैद हुए हैं। वीडियो में धमाके की तीव्रता इतनी अधिक दिखाई दे रही है कि आसपास की इमारतों के शीशे टूट जाते हैं और कैमरों को भी भारी नुकसान पहुंचता है। दुर्घटना के बाद अहमदाबाद नगर निगम (एएमसी), पुलिस और फायर विभाग की संयुक्त टीम ने रामोल और वस्त्राल क्षेत्रों में अवैध रूप से संचालित दो अन्य पटाखा इकाइयों को तत्काल प्रभाव से सील कर दिया। इन स्थानों से भारी मात्रा में पटाखों का जखीरा जब्त किया गया, जिसे पानी डालकर नष्ट किया गया। इसके अलावा नारोल सहित शहर के अन्य इलाकों में भी अवैध पटाखा इकाइयों के खिलाफ व्यापक जांच अभियान चलाया जा रहा है। हादसे के बाद एल.जी. अस्पताल और सिविल अस्पताल में मृतकों के परिजनों का जमावड़ा लगा रहा। पोस्टमार्टम की प्रक्रिया पूरी होने के बाद सभी शव परिजनों को सौंप दिए गए।

इस दर्दनाक हादसे में एक ही परिवार के पांच सदस्यों सहित कुल नौ लोगों की जान चली गई। मृतकों में रिंकू भरतभाई चारेल (16), रविना भरतभाई चारेल (14), शिवानी भरतभाई चारेल (14), रमिला भरतभाई चारेल (37), वीरल उर्फ नीरव भरतभाई चारेल (6), सविता सुरेशभाई डामोर (38), उषा गोविंदभाई डामोर (45), मोहम्मद अशरार इरफान अली सैयद (20) और अजरुद्दीन रुकनुद्दीन काजी (25) शामिल हैं। इस घटना ने एक बार फिर अवैध पटाखा फैक्ट्रियों की सुरक्षा व्यवस्था और प्रशासनिक निगरानी पर गंभीर सवाल खड़े कर दिए हैं।

सीएम उमर बोले दिल्ली से लौटकर हालात का जायजा लेंगे

राजौरी-पुंछ में बाढ़ और भारी बारिश से प्रभावित क्षेत्रों में राहत कार्य तेज करने के निर्देश

जम्मू। जम्मू-कश्मीर के राजौरी और पुंछ जिलों में भारी बारिश तथा अचानक आई बाढ़ से उत्पन्न गंभीर स्थिति के बीच मुख्यमंत्री उमर अब्दुल्ला ने कहा है, कि वह दिल्ली से लौटकर स्वयं प्रभावित क्षेत्रों का दौरा करेंगे और राहत एवं बचाव कार्यों की समीक्षा करेंगे। उन्होंने भरोसा दिलाया कि सरकार प्रभावित परिवारों की हरसंभव सहायता करेगी।

मुख्यमंत्री उमर ने सोशल मीडिया मंच एक्स पर जारी संदेश में कहा कि वह जम्मू संभाग, विशेषकर राजौरी शहर और आसपास के क्षेत्रों में लगातार हो रही भारी बारिश और बाढ़ की स्थिति पर नजर बनाए हुए हैं। उन्होंने कहा कि जिन लोगों की संपत्ति और आजीविका को नुकसान पहुंचा है, उनकी सहायता के लिए सरकार हरसंभव कदम उठाएगी। उमर अब्दुल्ला ने बताया कि मौसम विभाग की चेतावनी और जम्मू संभाग के कई हिस्सों में बिगड़ते हालात को देखते हुए वह दिल्ली से जम्मू रवाना हो रहे हैं, ताकि प्रभावित इलाकों की स्थिति का मौके पर जाकर आकलन किया जा सके। उन्होंने यह भी स्पष्ट किया कि उनके दिल्ली से लौटने के बावजूद प्रस्तावित राजनीतिक विरोध कार्यक्रम निर्धारित योजना के अनुसार जारी रहेगा। उनके अनुसार, यह कार्यक्रम जम्मू-कश्मीर नेशनल कॉन्फ्रेंस (जेकेएनसी) के अध्यक्ष डॉ. फारूक अब्दुल्ला के नेतृत्व में आयोजित किया जाएगा।

इस बीच, पीपुल्स डेमोक्रेटिक पार्टी (पीडीपी) की अध्यक्ष महबूबा मुफ्ती ने भी राजौरी और पुंछ में आई बाढ़ पर गहरा दुख व्यक्त किया है। उन्होंने कहा कि इस आपदा ने कई परिवारों को प्रभावित किया है, लोगों को बेघर होना पड़ा है और घरों, सड़कों तथा अन्य सार्वजनिक बुनियादी ढांचे को भारी नुकसान पहुंचा है। महबूबा मुफ्ती ने प्रशासन से अपील की कि प्रभावित क्षेत्रों में तत्काल अतिरिक्त राहत दल, मशीनरी और आवश्यक संसाधन उपलब्ध कराए जाएं ताकि बचाव एवं राहत कार्य तेजी से संचालित किए जा सकें। उन्होंने मृतकों के परिजनों के प्रति संवेदना व्यक्त करते हुए घायलों के शीघ्र स्वस्थ होने की कामना की।

लगातार हो रही बारिश के बीच प्रशासन राहत एवं बचाव कार्यों में जुटा हुआ है, जबकि मौसम विभाग ने लोगों को सतर्क रहने और अनावश्यक रूप से प्रभावित क्षेत्रों में आवाजाही से बचने की सलाह दी है।

पुंछ में फ्लैश फ्लड और लैंडस्लाइड से 16 लोगों की मौत, किश्तवाड़ में फटा बादल

जम्मू। जम्मू-कश्मीर के पुंछ जिले में रविवार तड़के मूसलाधार बारिश ने तबाही मचाई। भारी बारिश के कारण फ्लैश फ्लड और भूस्खलन में कम से कम 16 लोगों की मौत हो गई, जबकि कई लापता हैं। अधिकारियों ने बताया कि सबसे ज्यादा प्रभावित सुरनकोट तहसील में सभी मौतें दर्ज की गई हैं। राहत एवं बचाव दल मौके पर तैनात हैं और फंसे हुए लोगों को सुरक्षित निकालने, प्रभावित क्षेत्रों को खाली कराने और राहत पहुंचाने का कार्य युद्धस्तर पर जारी है।

मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक किश्तवाड़ में बादल फटा है। इसके चलते व्यापक पैमाने पर तबाही मची। घर-मकान को नुकसान पहुंचा है। राजौरी में भी भारी से बहुत भारी बारिश के चलते हालात खराब हैं। प्रशासन ने लोगों को अनावश्यक यात्रा न करने की सलाह दी है। अभी तक 16 लोगों के मरने की सूचना मिली है। इसके अलावा कई अन-?य अभी भी लापता हैं, जिससे मृतकों की संख्या बढ़ने का अंदेशा जताया गया है।

नूनाबंदी गांव में मकान गिरने से एक महिला की मौत हो गई। उनके पति और तीन बच्चों को घायल अवस्था में बचाकर अस्पताल पहुंचाया गया है। लोअर मुर्रा क्षेत्र में भूस्खलन के कारण एक अन्य शख?स मकान में दब गया। वहीं, मकान समेत परिवार के 6 सदस्य लापता बताए जा रहे हैं। उनकी तलाश के लिए बचाव अभियान चलाया गया है। इसके अलावा मरहोट में एक नाबालिग लड़की नाले में बह गई, जबकि धुंदक लाथूंग पुल के पास एक नाले से एक अज्ञात महिला का शव बरामद हुआ है।

रिपोर्ट के मुताबिक किश्तवाड़ के दाछन के सुरनू (कियार) में बादल फटा है। इससे इलाके में हालात काफी बिगड़ गए। खेत में खड़ी फसलों को काफी नुकसान पहुंचा है। लगातार हो रही भारी बारिश और सलाल व बगलिहार बांध से पानी छोड़े जाने के कारण चिनाब नदी का जलस्तर अलर्ट लेवल तक पहुंचने वाला है। घाट किनारे पर बने मंदिर परिसर तक पानी पहुंच गया है और घाट पूरी तरह जलमग्न हो गए हैं। प्रशासन ने लोगों को अलर्ट पर रहने को कहा है। वहीं, जम्मू के पीर खो क्षेत्र के पास तवी नदी में तेज बहाव के बीच फंसे 3 लोगों को सुरक्षित निकालने के लिए एसडीआरएफ की टीम ने रेस्क्यू ऑपरेशन चलाया। नौशहरा में लगातार मूसलाधार बारिश हो रही है। इसके चलते मनावर नदी का जलस्तर बढ़ गया। बारिश और तेज बहाव के कारण कई स्थानों पर बिजली के खंभे भी टूटकर पानी में बहते नजर आए, जिससे बिजली सप?लाई प्रभावित हुई है।

जम्मू-कश्मीर में लगातार हो रही भारी बारिश से व्यापक पैमाने पर तबाही मची है। पुंछ में फ्लैश फ्लड और लैंडस्लाइड की चपेट में आने से 10 लोगों की मौत हो गई। राजौरी में भारी बारिश से बाढ़ जैसे हालात बन गए हैं. नदी-नाले उफान पर हैं। हालात को देखते हुए प्रशासन ने अलर्ट जारी किया है। पानी के तेज बहाव में कई वाहन बह गए। लोगों के घरों में भी पानी घुस गया। पूरे जिले में बाढ़ जैसे हालात पैदा हो गए हैं, जिससे नदी-नाले पूरी तरह उफान पर आ गए हैं और जनजीवन अस्त-व्यस्त हो गया है। प्रशासन की टीमें मौके पर हैं और राहत बचाव कार्य चल रहा है। स्थानीय लोगों का कहना है कि इस बार बारिश ने पिछले कई सालों का रिकॉर्ड तोड़ दिया है और अगर बारिश जारी रही तो फसलों और मकानों को भारी नुकसान हो सकता है। दूसरी तरफ, चिनाब नदी के उफान पर आने से अखनूर घाट का मुख्य हिस्सा पानी में डूब गया है।

रिपोर्ट के मुताबिक जम्मू-कश्मीर के सीएम उमर अब्दुल्ला ने कहा है कि जम्मू संभाग के कई हिस्सों विशेषकर राजौरी में भारी बारिश और अचानक आई बाढ़ की गंभीर स्थिति को देखते हुए वह दिल्ली का दौरा बीच में ही छोड़कर जम्मू लौट रहे हैं। सीएम उमर अब्दुल्ला ने कहा कि वे सुबह से ही जम्मू खासकर राजौरी और आसपास के क्षेत्रों की स्थिति पर लगातार नजर बनाए हुए हैं और विधायकों के संपर्क में हैं।

क्रांतिकारी मंगल पांडे के बलिदान ने पूरे देश में स्वाधीनता का बिगुल फूंक दिया

नई दिल्ली। आज 1857 के प्रथम स्वतंत्रता संग्राम के अग्रदूत और महान क्रांतिकारी मंगल पांडे की जयंती है। केंद्रीय मंत्री नितिन गडकरी और यूपी के सीएम योगी आदित्यनाथ समेत कई प्रमुख नेताओं ने उन्हें श्रद्धांजलि दी। नितिन गडकरी ने एक्स पर पोस्ट में लिखा- स्वाधीनता संग्राम के अग्रणी योद्धा मंगल पांडे की जयंती पर उन्हें विनम्र अभिवादन।

वहीं सीएम योगी आदित्यनाथ ने लिखा- प्रथम भारतीय स्वतंत्रता संग्राम के अग्रदूत और अमर क्रांतिवीर मंगल पांडे की जयंती पर विनम्र श्रद्धांजलि। उन्होंने विदेशी शासन के विरुद्ध संघर्ष की ऐसी अलख जगाई, जिसने स्वतंत्रता आंदोलन को नई दिशा प्रदान की। मातृभूमि के लिए उनका बलिदान राष्ट्र को सदैव प्रेरित करता रहेगा। मंगल पांडे को नमन करते हुए उत्तराखंड के सीएम पुष्कर धामी ने लिखा- 1857 में विदेशी शासन के विरुद्ध उनके अदम्य साहस और बलिदान ने स्वतंत्रता की उस ज्योति को प्रज्वलित किया, जिसने पूरे देश में स्वाधीनता का बिगुल फूंक दिया। मातृभूमि के लिए उनका समर्पण भारतीय इतिहास में सदैव अमर रहेगा।

वहीं दिल्ली की सीएम रेखा गुप्ता ने पोस्ट में लिखा- 1857 के प्रथम स्वतंत्रता संग्राम के अग्रदूत, महान क्रांतिकारी मंगल पांडे की जयंती पर उन्हें कोटि-कोटि नमन। मातृभूमि के सम्मान और स्वाभिमान की रक्षा के लिए अंग्रेजी हुकूमत के विरुद्ध उनके साहसिक विद्रोह ने स्वतंत्रता संग्राम को नई दिशा दी। राष्ट्र के लिए उनका सर्वोच्च बलिदान और अदम्य साहस सदैव देशवासियों को प्रेरित करता रहेगा। बिहार के सीएम सम्राट चौधरी ने पोस्ट में लिखा- अमर शहीद और महान क्रांतिकारी मंगल पांडे की जयंती पर उन्हें कोटि-कोटि नमन। उनका प्रेरणादायी जीवन हमें राष्ट्रहित को सर्वोपरि रखते हुए अन्याय के विरुद्ध निर्भीक होकर खड़े रहने और देशसेवा के लिए सदैव समर्पित रहने की प्रेरणा देता है। राष्ट्र सदैव उनके अमूल्य योगदान का ऋणी रहेगा।

राजस्थान के सीएम भजनलाल शर्मा ने लिखा- विदेशी शासन के विरुद्ध उनके अद्वितीय साहस और बलिदान ने स्वतंत्रता आंदोलन की अलख जगाई। मातृभूमि की स्वतंत्रता के लिए उनका समर्पण और राष्ट्रप्रेम हम सभी को सदैव देशसेवा व राष्ट्रहित के लिए प्रेरित करता रहेगा। हरियाणा के सीएम नायब सिंह सैनी ने पोस्ट में लिखा- अंग्रेजी शासन के विरुद्ध स्वतंत्रता संग्राम का प्रथम शंखनाद करने वाले 1857 की क्रांति के अग्रदूत और अमर शहीद मंगल पांडे की जयंती पर उन्हें कोटि-कोटि नमन। उनके बलिदान ने देशवासियों के हृदय में स्वतंत्रता की ऐसी अलख जगाई, जिसने आगे चलकर आजादी के महायज्ञ का स्वरूप धारण किया। उनका त्याग और समर्पण सदैव राष्ट्रभक्तों के लिए प्रेरणास्रोत बना रहेगा।

माउंट एवरेस्ट की 26,247 फीट ऊंचे डेथ जोन से 30 साल बाद लौटेगा जवान का शव

लेह। माउंट एवरेस्ट की बर्फीली चोटियों पर 26,247 फीट ऊंचे डेथ जोन में पिछले 30 सालों से एक पर्वतारोही का शरीर बर्फ में जमा है। पैरों में हरे जूते होने के कारण दुनिया उसे ग्रीन बूट्स के नाम से जानती रही। सालों तक इसे आईटीबीपी के हेड कांस्टेबल शेवांग पाल्जोर का शव माना गया, लेकिन हाल में हुए डीएनए टेस्ट से पुष्टि हुई कि यह लांस नायक दोरजे मोरुप का शव है। अब 30 साल इंतजार के बाद इस साल अक्टूबर तक लद्दाख में दोरजे के परिवार को उनका शव सौंपा जाएगा। मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक दोरजे मोरुप, शेवांग पाल्जोर और सूबेदार शेवांग समनला 1996 में तिब्बत के उत्तरी मार्ग से एवरेस्ट फतह करने निकली पहली भारतीय तीन सदस्यीय टीम का हिस्सा थे। 10 मई 1996 को शिखर के पास तीनों भीषण बर्फीले तूफान में फंस गए थे। यह अभियान बाद में 1996 माउंट एवरेस्ट डिजास्टर के नाम से जाना गया, जिसमें उस सीजन में 12 पर्वतारोहियों की मौत हुई थी। उनकी पत्नी कोनचोक (75) अब सुन नहीं सकतीं। वह पति की पेंशन पर गुजर-बसर करती हैं। जब से बेटे फुंतसोग दोरजे ने पिता का शव लाने की सूचना दी, तब से वह रो रही हैं। उन्होंने बेटे को कागज पर लिखकर दिया है कि उनकी आखिरी इच्छा एक बार पति को देखने की है। उन्होंने लिखा- उन्हें देखकर ही आखिरी सांस लूंगी। दोरजे के बेटे फुंतसोग भी सेना में हैं। उन्होंने बताया कि आईटीबीपी से उन्हें अब तक मिशन की पूरी जानकारी नहीं मिली है। मां ने पिता के इंतजार में पूरी जिंदगी रो-रोकर बिता दी। अब उनकी आंखों में उम्मीद नजर आ रही है। बता दें 1996 में ब्रिटिश पर्वतारोही और फिल्ममेकर मैट डिकिन्सन ने पहली बार बर्फ में फंसे दोरजे मोरुप के शव का वीडियो रिकॉर्ड किया था। बाद में यह फुटेज समिट फीवर डॉक्यूमेंट्री में भी दिखाई गई। पैरों में पहने हरे रंग के जूतों के कारण इस शव को ग्रीन बूट्स नाम दिया गया। यह शव एवरेस्ट के उत्तरी मार्ग पर एक छोटी गुफा में पड़ा था जो ग्रीन बूट्स गुफा नाम से मशहूर हुआ। शिखर पर जाने वाले सभी पर्वतारोही इसी रास्ते से होकर गुजरते थे। उनके लिए यह रास्ते की पहचान बन गया था। रिपोर्ट के मुताबिक दोरजे का शव जिस जगह है, वह 8 हजार मीटर यानी 26,247 फीट से ऊपर का डेथ जोन है। यहां समुद्र तल की तुलना में सिर्फ 33 फीसदी ऑक्सीजन होती है। इतनी ऊंचाई पर शरीर तेजी से जवाब देने लगता है। कोशिकाएं मरने लगती हैं। यहां हेलिकॉप्टर भी नहीं पहुंच सकते। इसलिए यहां से शव वापस लाना दुनिया के सबसे मुश्किल अभियानों में गिना जाता है। यही वजह है कि एवरेस्ट पर मारे गए 340 से ज्यादा पर्वतारोहियों में से ज्यादातर के शव आज भी वहीं पड़े हैं।

मुंबई सेंट्रल मंडल का कारनामा, सिर्फ 9 घंटे में रेलवे अंडर ब्रिज किया तैयार

सूरत। पश्चिम रेलवे के मुंबई सेंट्रल मंडल ने तकनीकी नवाचार के क्षेत्र में नई उपलब्धि हासिल कर भारतीय रेलवे के इतिहास में मिसाल कायम की। उधना रेलवे स्टेशन पर देश में पहली बार अत्याधुनिक तकनीक की मदद से प्लेटफॉर्म संख्या-6 पर सिर्फ 9 घंटे में रेलवे अंडर ब्रिज का निर्माण पूरा कर लिया। रेलवे अधिकारियों के मुताबिक यह अपनी तरह का पहला सफल तकनीकी परीक्षण है, जो भविष्य में रेलवे परियोजनाओं के लिए नया मानक स्थापित कर सकता है। मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक मुंबई सेंट्रल मंडल के डीआरएम ने बताया कि भारतीय रेलवे में पहली बार इस तकनीक का परीक्षण उधना स्टेशन पर किया गया है। यह परियोजना तकनीकी दृष्टि से बेहद चुनौतीपूर्ण थी, लेकिन रेलवे इंजीनियरों और कर्मचारियों ने तय समय सीमा में इसे सफलतापूर्वक पूरा किया। रेलवे का मानना है कि चलती रेल सेवाओं के बीच इतने कम समय में आरयूबी का निर्माण भारतीय रेलवे के लिए बड़ी तकनीकी उपलब्धि है। रिपोर्ट के मुताबिक रेलवे अधिकारियों का मानना है कि इस सफल परीक्षण के बाद भविष्य में अन्य रेलवे मंडलों में भी इसी तकनीक को अपनाने का मार्ग प्रशस्त होगा।

बच्चों के अश्लील कंटेंट ऑनलाइन बेचने वाला गैंग पकड़ाया, दो गिरफ्तार

भदोही। यूपी के भदोही में पुलिस ने एक गैंग पकड़ा है, जो बच्चों से जुड़ा अश्लील कंटेंट ऑनलाइन बेचता था। इस गैंग में शामिल आरोपी ने सिमरन पंजाबी नाम से आईडी बना रखी थी। वह महिला बनकर लोगों से सोशल मीडिया पर बात करता था। फेसबुक और वॉट्सएप आईडी बनाकर बच्चों के अश्लील वीडियो और फोटो बेचता था। पुलिस का यह भी कहना है कि आरोपी लड़कियों की जिस्मफरोशी के नाम पर पैसों का लेन-देन कराता था। इस मामले में एक पुरुष और एक महिला को गिरफ्तार किया गया है। मीडिया रिपोर्ट में अधिकारियों के हवाले से बताया गया है कि इन आरोपियों के पास से मोबाइल फोन में अश्लील वीडियो और फर्जी पहचान से जुड़े दस्तावेज बरामद हुए हैं। गिरफ्तार आरोपियों में सुरियावां थाना क्षेत्र के मऊरामशाला का रहने वाला व्यक्ति और भदोही थाना क्षेत्र के बसुपरा गांव की रहने वाली महिला शामिल है। इस पूरे मामले को लेकर अपर पुलिस अधीक्षक ने बताया कि आरोपी ने सिमरन पंजाबी नाम से फेसबुक और वॉट्सएप पर फर्जी महिला आईडी बना रखी थी। वह अपनी वास्तविक पहचान छिपाए रखता था।

क्या इस बार भी संसद का सत्र हंगामा और स्थगन की भेंट चढ़ जाएगा- मायावती

लखनऊ। संसद का मॉनसून सत्र सोमवार यानी 20 जुलाई से शुरू हो रहा है। इससे पहले बसपा सुप्रीमो मायावती ने पश्चिम बंगाल से लेकर राजस्?थान तक के मुद्दों पर बीजेपी पर निशाना साधा है। उन?होंने राम मंदिर चढ़ावा चोरी, पश्चिम बंगाल में चुनाव बाद के हालात और राजस्?थान में गर्भवती महिलाओं की मौत मामले पर चिंता जताई। रविवार सुबह मायावती ने अपने एक्स अकाउंट पर सात पॉइंट में लंबा चौड़ा पोस्?ट किया।

उन?होंने लिखा- अब जबकि संसद का मॉनसून सत्र 20 जुलाई से शुरू हो रहा है। एक बार फिर यह देश और आमजन की चिंता है कि क्या इस बार भी फिर से संसद का सत्र हंगामा व स्थगन आदि की भेंट चढ़ जाएगा या फिर जबरदस्त महंगाई, गरीबी, बेरोजगारी, महिला असुरक्षा, अहम परीक्षाओं के भी पेपरलीक आदि से जुड़े देश के ज्वलन्त मुद्दों से उत्पन्न उत्तेजित, आक्रोशित व आन्दोलित माहौल को शान्त करने व इनके संतोषजनक समाधान के लिए गंभीरता दिखाई जाएगी।

मायावती ने लिखा- वैसे खासकर अयोध्या श्रीराम मन्दिर में चढ़ावा की चोरी, हेराफेरी व ग़बन आदि को लेकर व्यापक जन आक्रोश ने भी यूपी व देश को काफी झकझोर कर रख दिया है और लोग, धर्म का चुनावी स्वार्थ के लिए राजनीतिकरण करने वालों को इसके लिए कठघरे में खड़ा करके, उनसे दिल दुखाने की जवाबदेही मांग रहे हैं, जिसकी गूंज सड़कों से लेकर अदालत तक में है और संसद में भी यह मुद्दा गर्म होगा, जिसपर लोगों की पैनी नजर है। बसपा सुप्रीमो ने लिखा- इतना ही नहीं बंगाल में विधानसभा आमचुनाव के बाद के हालात, राजस्थान में सरकार की लापरवाही के कारण गर्भवती महिलाओं की मौत समेत कई राज्यों में बढ़ती महिला असुरक्षा आदि भी गंभीर मुद्दे हैं। उन्होंने लिखा- भारत की अर्थव्यवस्था व यहां के जनजीवन को बुरी तरह से प्रभावित करती हुई अमेरिका-इजराइल का ईरान के विरुद्ध लगातार युद्ध और रुपया का अवमूल्यण आदि देश व जनहित के ऐसे ख़ास मुद्दे हैं जिनपर राजनीतिक द्वेष, स्वार्थ व आरोप-प्रत्यारोप की संकीर्णता/वैमनस्य को त्यागकर सत्ता और विपक्ष दोनों को एकजुट होकर अच्छा उपाय ढूंढ कर सराहनीय कार्य करना होगा, वरना 140 करोड़ की जनसंख्या वाले अपने देश में बहुजनों का जीवन यहां और भी बुरे दिन वाला बनकर उनका भविष्य अधर में लटकायेगा, जिसकी आशंका भी व्यक्त की जा रही है।

अत: देश को त्रस्त करने वाली इन भारी चुनौतियों व उसके प्रति चेतावनियों को ध्यान में रखकर संसद के मानसून सत्र को, बिना किसी उत्तेजना, रोष व विद्वेष के, सुचारू, शान्तिपूर्ण एवं स्वस्थ्य लोकतांत्रिक परम्परा के मुताबिक चलना सुनिश्चित किया जाना चाहिए। बसपा प्रमुख ने कहा कि संसद को भी इन ज्वलन्त राष्ट्रीय मुद्दों पर पूरी तरह से गंभीर व संवेदनशील होना जरूरी है और इसकी शुरूआत अगर संसद के वर्तमान मानसून सत्र से ही हो तो यह बेहतर ही होगा।

दक्षिण सतपुड़ा
राजनीति | समाज | देशकाल
और गांव कनेक्शन की खबरें

पद्मेश न्यूज़
शहर | समाज | गांव

बालाघाट एक्सप्रेस

/padmeshmedia /padmeshmedia
epaper.balaghatexpress.in
E-mail: balaghatexpress@gmail.com

न्यूज गैलरी

हरिद्वार से सोमेंद्र कंकरायने की गिरफ्तारी की चर्चा, एसपी की चुप्पी से बढ़ीं अटकलें

डबल मनी मामले के मुख्य आरोपी को लेकर जिलेभर में हलचल, पुलिस ने अब तक नहीं की आधिकारिक पुष्टि

पद्मेश न्यूज। बालाघाट। जिले के बहुचर्चित डबल मनी मामले में एक बार फिर चर्चाओं का बाजार गर्म है। 19 जुलाई को पूरे जिले में यह खबर तेजी से फैल गई कि डबल मनी घोटाले के कथित मास्टरमाइंड सोमेंद्र कंकरायने को पुलिस ने उत्तराखंड के हरिद्वार से

गिरफ्तार कर लिया है। बताया जा रहा है कि वह अपने परिजनों के साथ वहां रह रहा था और पुलिस ने उसे हिरासत में लेकर पूछताछ शुरू कर दी है। हालांकि, इस संबंध में पुलिस की ओर से अब तक कोई आधिकारिक पुष्टि नहीं की गई है।

गौरतलब है कि कुछ दिन पहले आयोजित प्रेस वार्ता में पुलिस अधीक्षक आदित्य मिश्रा ने मीडिया के सामने स्पष्ट शब्दों में कहा था कि उनका पूरा फोकस अब डबल मनी मामले के मुख्य आरोपी की गिरफ्तारी पर है और वह किसी भी कीमत पर सोमेंद्र कंकरायने को गिरफ्तार कर कानून के सामने पेश करेंगे। एसपी के इस बयान के बाद से ही जिले में यह चर्चा तेज हो गई थी कि पुलिस जल्द ही मुख्य आरोपी तक पहुंच जाएगी। इसी बीच रविवार को अचानक यह चर्चा फैल गई कि पुलिस ने हरिद्वार से सोमेंद्र कंकरायने को गिरफ्तार कर लिया है। पूरे दिन शहर से लेकर ग्रामीण क्षेत्रों तक इसी विषय पर चर्चाएं होती रहीं। हालांकि इन दावों की अभी तक आधिकारिक पुष्टि नहीं हुई है। दिलचस्प बात यह रही कि 19 जुलाई को आयोजित एक अन्य प्रेस वार्ता के दौरान पत्रकारों ने पुलिस अधीक्षक आदित्य मिश्रा से सीधे सवाल किया कि क्या डबल मनी मामले के मुख्य आरोपी सोमेंद्र कंकरायने को गिरफ्तार कर लिया गया है? इस सवाल पर एसपी ने कोई स्पष्ट जवाब नहीं दिया। उन्होंने केवल मुस्कुराते हुए बात को टाल दिया और गिरफ्तारी की पुष्टि या खंडन करने से परहेज किया। हालांकि पुलिस अधीक्षक पहले ही यह कह चुके हैं कि मुख्य आरोपी को जल्द गिरफ्तार किया जाएगा और उसके बाद ही निवेशकों की राशि वापस दिलाने की कानूनी प्रक्रिया आगे बढ़ सकेगी। ऐसे में एसपी की चुप्पी ने जिले में चल रही चर्चाओं को और हवा दे दी है। फिलहाल पुलिस की ओर से कोई आधिकारिक बयान जारी नहीं किया गया है। ऐसे में यह स्पष्ट नहीं है कि गिरफ्तारी की चर्चाएं कितनी सही हैं। अब सभी की निगाहें पुलिस के आधिकारिक खुलासे पर टिकी हैं। यदि वास्तव में मुख्य आरोपी पुलिस की गिरफ्त में है, तो जिले के सबसे चर्चित आर्थिक अपराध मामलों में यह अब तक की सबसे बड़ी कार्रवाई मानी जाएगी।

शराब, पैसों का विवाद और घरेलू कलह बना हत्या की वजह, डोंगरिया निवासी के अंधे कत्ल का पुलिस ने किया सनसनीखेज खुलासा

दामाद की गमछे से गला घोंटकर की गई थी हत्या, ससुर और उसके साथी गिरफ्तार, सुलझी ब्लाइंड मर्डर मिस्ट्री

सिटी रिपोर्टर।
पद्मेश न्यूज। बालाघाट।

वारासिवनी थाना क्षेत्र के ग्राम कोपे और डोंगरिया के बीच पुराने पट टेकरा जंगल में मिले शव की गुत्थी आखिरकार पुलिस ने सुलझा ली है। बीते दिनों से इस अंधे हत्याकांड के रूप में जांचे जा रहे इस मामले ने ऐसा मोड़ लिया, जिसने रिश्तों को शर्मसार कर दिया। पुलिस की विवेचना में खुलासा हुआ कि जिस व्यक्ति की हत्या हुई, उसका कातिल कोई बाहरी नहीं बल्कि उसका अपना ससुर निकला। बेटी के साथ रोजाना होने वाली मारपीट, शराब की लत और पैसों के विवाद से तंग आकर ससुर ने अपने साथी के साथ मिलकर दामाद की हत्या की ऐसी साजिश रची, जिसने पूरे इलाके को हैरान कर दिया।

रविवार को पुलिस कंट्रोल रूम में आयोजित प्रेसवार्ता में पुलिस अधीक्षक आदित्य मिश्रा और कटंगी एसडीओपी विवेकसिंह ने इस बहुचर्चित ब्लाइंड मर्डर का खुलासा किया। एसडीओपी विवेक सिंह ने बताया कि 14 जुलाई को कोपे और डोंगरिया के बीच जंगल में डोंगरिया निवासी राजेंद्र शरणागत (40) का शव मिलने से क्षेत्र में सनसनी फैल गई थी। शव की स्थिति संदिग्ध होने पर पुलिस ने तत्काल फोरेंसिक और फिंगरप्रिंट टीम की मदद से घटनास्थल का निरीक्षण कराया। पोस्टमार्टम रिपोर्ट में गला घोंटकर हत्या किए जाने की पुष्टि होने के बाद पुलिस ने विशेष टीम गठित कर हर पहलू से जांच शुरू की। जांच आगे बढ़ी तो पुलिस के सामने मृतक की निजी जिंदगी की कई चौंकाने वाली बातें सामने आईं। राजेंद्र शराब का आदी था। कुछ समय पहले उसने अपनी पैतृक कृषि भूमि करीब 20 लाख रुपये में बेची थी। जमीन बेचने के बाद उसके पास बड़ी रकम आ गई, लेकिन वह अधिकतर पैसा शराब और अन्य खर्चों में उड़ा रहा था। पुलिस के अनुसार उसका अपने ससुर राजेश चौहान से करीब एक लाख रुपये का लेन-देन भी था। पैसे को लेकर दोनों के बीच अक्सर विवाद होता था। नशे में धुत होकर राजेंद्र अपनी पत्नी के साथ आए दिन मारपीट करता था। उसकी पत्नी बार-बार अपने पिता को अपनी पीड़ा बताती थी। बेटी की हालत और लगातार बढ़ते विवाद से परेशान होकर ससुर ने दामाद को रास्ते से हटाने का फैसला कर लिया। पुलिस के अनुसार 13 जुलाई की रात राजेश चौहान ने अपने साथी प्रभुदयाल बिसेन के साथ पूरी योजना बनाई। प्रभुदयाल पहले राजेंद्र को शराब पिलाने के बहाने एक ढाबे पर ले गया। वहां शराब पीने के बाद वह उसे कोपे और डोंगरिया के बीच जंगल में ले आया, जहां पहले से राजेश चौहान उसका इंतजार कर रहा था। तीनों ने फिर साथ बैठकर शराब पी। इसी दौरान पैसों के लेन-देन और पत्नी के साथ मारपीट को लेकर विवाद शुरू हो गया। बहस इतनी बढ़ी कि दोनों आरोपियों ने मिलकर गमछे से राजेंद्र का गला कस दिया। कुछ ही देर में उसकी मौत हो गई। हत्या के बाद शव को जंगल में छोड़कर दोनों आरोपी मौके से फरार हो गए। घटना की गंभीरता को देखते हुए पुलिस ने फोरेंसिक रिपोर्ट, पोस्टमार्टम रिपोर्ट, मोबाइल लोकेशन, तकनीकी साक्ष्य और परिजनों से पूछताछ के आधार पर जांच आगे बढ़ाई। लगातार जुटाए गए साक्ष्यों ने पुलिस का शक मृतक के ससुर और उसके साथी पर मजबूत कर दिया। दोनों को हिरासत में लेकर जब सघन पूछताछ की गई तो उन्होंने हत्या की पूरी साजिश और वारदात कबूल कर ली। आरोपियों की निशानदेही पर पुलिस ने हत्या में प्रयुक्त गमछा, घटना में इस्तेमाल की गई दो मोटरसाइकिल और दो मोबाइल फोन बरामद कर लिए। दोनों आरोपियों राजेश चौहान उर्फ बाबा (62 वर्ष), निवासी जैरामटोला (मंगेझरी) और प्रभुदयाल बिसेन (44 वर्ष), निवासी बीड़ी कॉलोनी, अमृतनगर, वारासिवनी को गिरफ्तार कर न्यायालय में पेश किया गया, जहां से उन्हें जेल भेज दिया गया। पुलिस अधीक्षक आदित्य मिश्रा ने बताया कि गंभीर अपराधों के त्वरित खुलासे के लिए जिले में वैज्ञानिक जांच और तकनीकी साक्ष्यों का प्रभावी उपयोग किया जा रहा है। इसी का परिणाम है कि वारासिवनी पुलिस ने महज कुछ ही दिनों में इस ब्लाइंड मर्डर की गुत्थी सुलझाकर आरोपियों को सलाखों के पीछे पहुंचा दिया। उन्होंने कहा कि जिले में संगठित और गंभीर अपराधों के खिलाफ इसी प्रकार की सख्त कार्रवाई आगे भी लगातार जारी रहेगी।

बेटी की पीड़ा बनी हत्या की वजह

एसडीओपी विवेक सिंह ने बताया कि मृतक की पत्नी अपने साथ होने वाली मारपीट और प्रताड़ना की जानकारी लगातार अपने पिता राजेश चौहान को देती थी। बेटी की स्थिति और लगातार बढ़ते विवाद से परेशान होकर राजेश चौहान ने अपने परिचित प्रभुदयाल बिसेन के साथ मिलकर दामाद की हत्या की योजना बनाई। और 13 जुलाई की रात प्रभुदयाल बिसेन राजेंद्र को शराब पिलाने के बहाने एक ढाबे पर ले गया। वहां दोनों ने शराब पी। इसके बाद वह उसे कोपे और डोंगरिया के बीच जंगल में ले गया, जहां पहले से राजेश चौहान मौजूद था। तीनों ने एक साथ बैठकर फिर शराब पी। इसी दौरान पैसों के लेन-देन और पत्नी के साथ मारपीट को लेकर ससुर-दामाद के बीच विवाद शुरू हो गया। विवाद बढ़ने पर राजेश चौहान और प्रभुदयाल बिसेन ने मिलकर गमछे से राजेंद्र का गला कस दिया। दम घुटने से उसकी मौके पर ही मौत हो गई।

पिता की डांट से नाराज युवक ने बस स्टैंड बालाघाट में खाया कीटनाशक हैदराबाद मजदूरी के लिए निकला था विशाल

पद्मेश न्यूज। बालाघाट। पिता की डांट-फटकार से नाराज होकर हैदराबाद मजदूरी करने जा रहे एक युवक ने बालाघाट बस स्टैंड में कीटनाशक दवा का सेवन कर लिया। युवक की तबीयत बिगड़ने पर वह स्वयं जिला अस्पताल पहुंचा। जहां उसे भर्ती कर उपचार शुरू किया गया। यह युवक विशाल पिता युवराज लिल्हारे 19 वर्ष ग्राम पिंडरई थाना ग्रामीण निवासी बताया गया है।

प्राप्त जानकारी के अनुसार विशाल मजदूरी का कार्य करता है। 18 जुलाई को उसके पिता युवराज लिल्हारे ने काम नहीं करने की बात को लेकर उसे डांट-फटकार लगाई थी। पिता की डांट से आहत होकर विशाल शाम करीब 4 बजे हैदराबाद मजदूरी करने के उद्देश्य से बस द्वारा गोंदिया के लिए रवाना हो गया। वह गोंदिया पहुंचाई था कि उसके पिता ने मोबाइल पर संपर्क कर उसे वापस घर लौटने के लिए कहा। पिता की बात मानकर विशाल बालाघाट लौट आया। बताया जाता है कि गोंदिया में उसने एक मेडिकल दुकान से कीटनाशक दवा खरीद ली थी। बालाघाट बस स्टैंड पहुंचने के बाद उसने आवेश में आकर वही कीटनाशक दवा पी ली।दवा का सेवन करने के बाद जब उसकी तबीयत बिगड़ने लगी तो वह स्वयं पैदल जिला अस्पताल पहुंचा और चिकित्सकों को घटना की जानकारी दी। अस्पताल में तत्काल उसका उपचार शुरू किया गया।घटना की सूचना मिलने पर जिला अस्पताल पुलिस ने युवक के बयान दर्ज किए और अस्पताल तहरीर तैयार कर अग्रिम कार्रवाई के लिए संबंधित थाना ग्रामीण नवेगांव भेज दी है। पुलिस मामले की जांच कर रही है।

शराब के नशे में एक व्यक्ति ने पत्नी से की मारपीट

पद्मेश न्यूज। बालाघाट। भरवेली थाना क्षेत्र में आने वाले ग्राम कोल्हवा में एक व्यक्ति द्वारा शराब के नशे में अपनी पत्नी को मारपीट करने का मामला सामने आया है। मारपीट में घायल महिला संगीता पति देवेंद्र राहंगडाले 30 वर्ष को डायल 112 की मदद से जिला अस्पताल बालाघाट में भर्ती कराया गया है। मिली जानकारी के अनुसार 19 जुलाई की रात कोलवा निवासी 30 वर्षीय संगीता घर का काम कर रही थी। देवेंद्र शराब के नशे में आए दिन पत्नी संगीता को परेशान करते रहता है। 19 जुलाई को भी देवेंद्र शराब के नशे में घर आया और घरेलू बातों को लेकर संगीता को गाली-गलौज करने लगा। जब संगीता ने गाली देने से मना किया तो गुस्साए देवेंद्र ने डंडे से उसे मारपीट कर दिया जिससे वह घायल हो गई। घटना की सूचना मिलते ही डायल 112 की टीम मौके पर पहुंची और घायल संगीता को तत्काल जिला अस्पताल बालाघाट ले जाकर भर्ती कराया।जहां उसका इलाज जारी है। जिला अस्पताल पुलिस ने घायल संगीता का बयान लेकर अस्पताल तहरीर अग्रिम कार्यवाही हेतु घटना स्थल से संबंधित पुलिस थाना भरवेली भिजवा दी है।

आवश्यकता है
क्वार्क में पेज सेटिंग हेतु
कम्प्यूटर ऑपरेटर की आवश्यकता है
संपर्क करें-बालाघाट एक्सप्रेस
पद्मेश सिटी केबल, काली पुतली चौक, बालाघाट

AICTE भारत सरकार द्वारा मान्यता प्राप्त एवं RGPV & DTE भोपाल से सम्बद्ध
सतपुड़ा कॉलेज ऑफ
इंजीनियरिंग एण्ड पॉलिटेक्निक
बी.टेक. पॉलिटेक्निक
JOB SAHi
- कम्प्यूटर साइंस इंजीनियरिंग
- माईनिंग इंजीनियरिंग
- सिविल इंजीनियरिंग
- मैकेनिकल इंजीनियरिंग
- इलेक्ट्रिकल इंजीनियरिंग
ADMISSION OPEN
नई शिक्षा नीति के तहत किसी भी ब्रांच से डिप्लोमा उत्तीर्ण छात्रों का Lateral Entry द्वारा बी.टेक. के द्वितीय वर्ष में सीधे प्रवेश
सतपुड़ा कैम्पस, लालबर्रा रोड, गर्रा-बालाघाट
6262604111, 9425836824 www.satpudaengineeringcollege.com

स्वत्वाधिकारी, मुद्रक एवं प्रकाशक उमेश बागरेचा द्वारा पद्मेश पब्लिकेशन, वार्ड नं.9, गुजरी चौक, बालाघाट (म.प्र.) से मुद्रित कराकर दैनिक बालाघाट एक्सप्रेस कार्यालय, काली पुतली चौक, बालाघाट(म.प्र.) से प्रकाशित,
प्रधान संपादक : उमेश बागरेचा, मो.नं. :9425138710, , ई-मेल- balaghatexpress@gmail.com पंजीयन क्रं. MPHIN/2009/32311, न्यायालयीन क्षेत्राधिकार बालाघाट